शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 184 | गुवाहाटी | गुरुवार, 26 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12
| VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सूचना

सभी एजेंटों, हॉकरों, पाठकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 26 जनवरी को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 28 जनवरी के अंक के साथ आपकी सेवा में प्रस्तुत होंगे।

– **संपादक**

सुप्रभात

कार्य–सिद्धि के लिए हस्त–कौशल का उपयोग करना चाहिए।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

मणिपुर में बम विस्फोट, महिला सहित तीन घायल

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के उखरुल में बम विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गयी। इस घटना में एक महिला समेत तीन राहगीर घायल हुए हैं। राज्य पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार यह घटना 74वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार की शाम करीब पांच बजे उखरूल कस्बे के सामुदायिक चौक (गांधी चौक) पर हुई। पुलिस को शुरू में पता चला कि बम काफी शक्तिशाली था। हालांकि, माना जा रहा है कि बम हैंड ग्रेनेड –शेष पृष्ठ दो पर

संविधान ने जोड़ने का काम किया : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 74वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरुआत में राष्ट्रपति मुर्मू ने सभी देश वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दीं। उन्होंने कहा कि जब हम गणतंत्र दिवस मनाते हैं, तब एक राष्ट्र के रूप में हमने मिल–जुल कर जो उपलब्धियां प्राप्त की हैं, उनका हम उत्सव मनाते हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हम सब एक ही हैं, और हम सभी भारतीय हैं। इतने सारे पंथों और इतनी सारी भाषाओं ने हमें विभाजित नहीं किया है बल्कि हमें जोड़ा है। इसलिए हम एक लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में सफल हुए हैं। यही भारत का सार–तत्व है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत एक गरीब और निरक्षर राष्ट्र की स्थिति से आगे बढ़ते हुए विश्व–मंच पर एक आत्मविश्वास से भरे राष्ट्र का स्थान ले चुका है। संविधान–निर्माताओं की सामूहिक बुद्धिमत्ता से मिले मार्गदर्शन के बिना यह प्रगति संभव नहीं थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि पिछले साल भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यह उपलब्धि, आर्थिक अनिश्चितता से भरी वैश्विक पृष्ठभूमि में प्राप्त की गई है। सक्षम नेतृत्व और प्रभावी संघर्षशीलता के बल पर हम शीघ्र ही मंदी से बाहर आ गए, और अपनी विकास यात्रा को फिर से शुरू किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षार्थियों को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करते हुए हमारी सभ्यता पर आधारित ज्ञान को समकालीन जीवन के लिए प्रासंगिक बनाती है। हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों पर –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

901 पुलिसकर्मी पुलिस पदक से सम्मानित

नई दिल्ली (हि.स.)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुल 901 पुलिस कर्मियों को पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें 140 को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), 93 को राष्ट्रपति के पुलिस पदक (पीपीएम) और 668 को मेधावी सेवा (पीएम) के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। गृह मंत्रालय ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि 140 वीरता पुरस्कारों में से अधिकांश में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के 80 कर्मियों और जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के 45 कर्मियों को उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई

के लिए सम्मानित किया जा रहा है। वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मियों में, 48 सीआरपीएफ से, 31 महाराष्ट्र से, 25 जम्मू-कश्मीर पुलिस से, 09 झारखंड से, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और बीएसएफ प्रत्येक से सात और शेष अन्य राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों एवं सीएपीएफ के जवान हैं। उल्लेखनीय है कि वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) जीवन और संपत्ति को बचाने या अपराध को रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने में विशिष्ट वीरता के आधार पर प्रदान किया जाता है। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (पीपीएम) पुलिस सेवा में विशेष विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए प्रदान किया जाता है और मेधावी सेवा के लिए पुलिस पदक (पीएम) संसाधन और कर्तव्य के प्रति समर्पण की विशेषता वाली मूल्यवान सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।

43 जीवन रक्षा पदक में पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के भी कई पुरस्कृत

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 43 व्यक्तियों को जीवन रक्षा पदक श्रृंखला पुरस्कार-2022 प्रदान किया जाना अनुमोदित किया है। गृह मंत्रालय ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि 07 सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, 08 उत्तम जीवन रक्षा पदक और 28 जीवन रक्षा पदक सम्मिलित हैं। इसमें से चार व्यक्तियों को यह पुरस्कार मरणोपरांत प्रदान किया गया है। इन्हें दिया जाएगा सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक- अंजली बघेल, मध्य प्रदेश, निलावाठ ड. सांगमा, चेग्रिक ड. सांगमा, वालग्रिक म. ममिन, जीनजास ड. माराक, मेघालय, इम्मानुएल लालावमपुइया (मरणोपरांत), मिजोरम, मोहम्मद उमर दार (मरणोपरांत), रक्षा मंत्रालय। इन्हें दिया जाएगा उत्तम जीवन रक्षा पदक- मास्टर मुहम्मदसुफियान, मास्टर नीरज के नित्यानंद, मास्टर अतुल बिनीष, केरल, किरण बैगा, मध्य प्रदेश, रविराज अनिल फडणीस, महाराष्ट्र, ललछुआंलियाना (मरणोपरांत), लियानजलामा, मिजोरम, शेर सिंह, सीमा सड़क संगठन। इन्हें मिलेगा जीवन रक्षा पदक- त्सेरिंग दोरजी गोइबा, अरुणाचल प्रदेश, घनश्यामभाई प्रभाभाई तडवी, गुजरात, गौरव जस्वाल, हिमाचल प्रदेश, मास्टर अधिन प्रिंस, बाबीश बी, केरल, सुबोद लाल सी, मास्टर मुहैमिन पि के, मास्टर मुहम्मद शामिल, केरल, बृजेश कुमार साहु, मध्य प्रदेश, महेश शंकर चोरमले, सय्यद बाबू शेख, महाराष्ट्र, कुमारी रिणढनढर लिंदह, मेघालय, श्रीएंथोनी लल्हुइजेला (मरणोपरांत), मास्टर लालरामलियाना, श्रीआरखल्यिाना, मिजोरम, सोनु कुमार, टी अन्नथा कुमार, रक्षा मंत्रालय, कर्मबीर सिंह, एम उमाशंकर बलबीर सिंह, दर्पण किशोर, डॉ. हिमांशुसैनी, विनोद कुमार, सीमा सुरक्षा बल, जाकिर हुसैन, शैलेंद्र सिंह नेगी, भारतीय-तिब्बत सीमा पुलिस, सुरेंद्र कुमार, जय पाल सिंह, बुद्धा राम सैनी, रेल मंत्रालय। उल्लेखनीय है कि जीवन रक्षा पदक श्रृंखला के पुरस्कार किसी व्यक्ति की जान बचाने में मानवीय प्रकृति के सराहनीय कार्य के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार तीन श्रेणियों, सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, उत्तम जीवन रक्षा पदक, एवं जीवन रक्षा पदक, में प्रदान किया जाता है। जीवन के सभी क्षेत्रों से जुड़े व्यक्ति इन पुरस्कारों के पात्र हैं। ये पुरस्कार मरणोपरांत भी प्रदान किए जाते हैं। इस पुरस्कार के अलंकरण (मेडल, केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र एवं एकमुश्त मोद्रिक भत्ता) पुरस्कार प्राप्तकर्ता को यथा समय उस केंद्रीय मंत्रालय/ संगठन/ राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाते हैं, जिससे पुरस्कार प्राप्तकर्ता संबंधित है।

अल्फा-एनएससीएन-के का बंद आज

गुवाहाटी। असम में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों ने गणतंत्र दिवस के मौके पर (26 जनवरी) बंद का आह्वान किया है। साथ ही लोगों से गणतंत्र दिवस समारोह का बहिष्कार करने की अपील की। इस बीच, असम सहित पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) ने 26 जनवरी में गणतंत्र दिवस समारोह के बहिष्कार करने का आह्वान किया और उस दिन पूर्ण असम बंद का एलान किया। अल्फा (स्वतंत्र) के साथ पूर्वोत्तर के विद्रोही समूह एनएससीएन और जीपीआरएन ने एक संयुक्त बयान में देश के 74वें गणतंत्र दिवस मनाने के खिलाफ आह्वान किया। कैप्टन रुमेल असम द्वारा हस्ताक्षरित एक संयुक्त बयान में अल्फा (स्वतंत्र) के साथ उक्त दोनों संगठनों ने असम और नागालैंड बंद का आह्वान किया है। अल्फा (स्वतंत्र) ने 25 जनवरी की रात 12 बजे से 26 जनवरी की शाम तक बंद का आह्वान किया। अल्फा के बयान में कहा गया है कि इस बंद के दौरान आपातकालीन विभाग, संचार माध्यम और धार्मिक गतिविधियों को जारी रखने पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। अल्फा ने पहले की तरह ही सार्वजनिक स्थानों, सरकारी और गैर-सरकारी दफ्तरों में भी गणतंत्र दिवस को न मनाने का आहवान किया। इस बीच, असम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा गुवाहाटी के खानापारा में वेटरनरी कॉलेज के खेल के मैदान में तिरंगा फहराएंगे।

त्रिपुरा में निर्वाचन अधिकारी पर गिरी गाज

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप में उपचुनावों का एलान किया था। इसके मुताबिक, मतदान 27 फरवरी और मतगणना दो मार्च को होनी थी। हालांकि, अब आयोग ने महाराष्ट्र की दो विधानसभा सीटों पर चुनाव की तारीख में बदलाव कर दिया है। राज्य की चिंचवाड़ और कस्बा पेठ विधानसभा सीट पर अब 26 फरवरी को मतदान होगा। नतीजे पहले निर्धारित तिथि पर ही आएंगे। दरअसल, पुणे के जिला निर्वाचन अधिकारी ने 27 फरवरी को 12वीं कक्षा की एचएससी और स्नातक डिग्री परीक्षा के बारे में चुनाव आयोग को बताया। ऐसे में विभिन्न मतदान केंद्रों पर परीक्षा और मतदान की तारीख टकरा रही थीं। त्रिपुरा में प्रधानमंत्री मोदी के पोस्टर से छेड़छाड़ करने के आरोप में एक निर्वाचन अधिकारी को निलंबित किया गया है। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के चलते सार्वजनिक स्थानों से होर्डिंग और बैनर हटाने की मुहिम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के पोस्टर के साथ छेड़छाड़ की गई। त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से उन निर्वाचन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया था, जिन्होंने राज्य में सार्वजनिक स्थानों पर लगे प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीरों वाले बैनर और होर्डिंग्स को हटाने के बजाय उन्हें विरूपित किया।

केंद्र से बातचीत के लिए मिला निमंत्रण : टिपरा मोथा

अगरतला। त्रिपुरा के शाही वंशज और टिपरा मोथा के प्रमुख प्रद्योत देबवर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय की ओर से टिपरा मोथा को ग्रेटर टिपरालैंड की मांग पर चर्चा के लिए निमंत्रण मिला है। बातचीत के लिए हमारी टीम दिल्ली जाएगी। हम लिखित में आश्वासन चाहते हैं। त्रिपुरा चुनाव में फिलहाल हम किसी से भी गठबंधन नहीं कर रहे हैं। यह बात उन्होंने अमर उजाला से खास बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि बातचीत एक सिलसिला है। लगातार होती रहती है। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने पार्टी की ग्रेटर टिपरालैंड की मांग पर चर्चा के लिए दिल्ली आमंत्रित किया है। हमारी टीम बातचीत के लिए जाएगी। हम लिखित में

आश्वासन चाहते हैं। यह हमारी पहली शर्त है। अगर बातचीत आगे बढ़ती है, तो मैं भी दिल्ली जाऊंगा। एक सवाल के जवाब में प्रद्योत ने कहा, कई पार्टियों के साथ बातचीत हुई लेकिन कोई भी लिखित में देने को तैयार नहीं है। प्रद्योत देबबर्मा ने कहा कि शुरुआत में किसी ने हम पर भरोसा नहीं किया, फिर हम लड़े और आज हम जीतने की कगार पर हैं। हमें अपने लोगों और समस्याओं के संवैधानिक समाधान के बारे में सोचना होगा। हमें एकता की जरूरत है और यह तभी आती है जब आप अपने लोगों के हितों को अपने हितों से ऊपर रखते हैं। प्रद्योत ने कहा कि हम अपना स्टैंड नहीं छोड़ेंगे। मैंने बार-बार कहा है। जब तक हमें ग्रेटर टिपरालैंड को लेकर लिखित आश्वासन नहीं मिलता है, टिपरा मोथा किसी भी पार्टी के साथ नहीं जाएगी। अभी तक किसी भी पार्टी ने लिखित में नहीं दिया है, हालांकि कांग्रेस और सीपीआई-एम द्वारा राज्य के मूल निवासियों की समस्याओं के संवैधानिक समाधान के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए हम फिलहाल किसी भी पार्टी के साथ नहीं जाएंगे।

अग्निशमन सेवा एचजी और सीडी कर्मियों को भी पदक

नई दिल्ली (हि.स.)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 47 कर्मियों को अग्निशमन सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इनमें से वीरता के लिए अग्निशमन सेवा पदक 02 कर्मियों को उनके अदम्य साहस और वीरता के लिए प्रदान किया जाएगा। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का अग्निशमन सेवा पदक 07 कर्मियों को दिया जाएगा और सराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक 38 कर्मियों को उनकी सेवाओं के विशिष्ट और मेधावी रिकॉर्ड के लिए प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, गणतंत्र दिवस, 2023 के अवसर पर 55 कर्मियों को होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा पदक से भी सम्मानित किया जाएगा। इनमें से 01 कर्मी को उनके अदम्य साहस और वीरता के लिए होम गार्ड एवं नागरिक सुरक्षा पदक से सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर अग्निशमन सेवाओं, नागरिक सुरक्षा व होम गार्डस कर्मियों को वीरता के लिए राष्ट्रपति पदक एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक के साथ-साथ वीरता पदक और मेधावी सेवा पदक प्रदान किए जाते हैं।

विवादित डॉक्युमेंट्री : जामिया मिलिया में पुलिस सक्रिय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आधारित बीबीसी की विवादित डॉक्युमेंट्री का विवाद जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से शुरू होकर अब दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय पहुंच गया है। जामिया विश्वविद्यालय में बुधवार की शाम 6 बजे कथित तौर पर बीबीसी की विवादित डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग रखी गई थी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के गेट नंबर सात पर चार बजे बीबीसी द्वारा गुजरात दंगों पर बनाई गई प्रतिबंधित डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग के लिए पहुंचे एसएफआई, आयशा व एनएसयूआई के छात्रों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने एसएफआइ, आयशा व एनएसयूआइ के करीब एक दर्जन छात्रों को हिरासत में लिया है। बता दें कि स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने बुधवार को घोषणा की कि वह शाम 6 बजे जामिया विश्वविद्यालय परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बीबीसी के विवादास्पद डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग होगी। विश्वविद्यालय के वीसी ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी गई है और हम इसकी अनुमति नहीं देंगे। एसएफआई की जामिया इकाई ने एक पोस्टर जारी कर सूचित किया है कि एमसीआरसी लॉन गेट नंबर 8 पर शाम 6 बजे डॉक्युमेंट्री दिखाई जाएगी। जामिया के एक अधिकारी ने इस मामले लेकर कहा कि उन्होंने स्क्रीनिंग के लिए अनुमति नहीं मांगी और हम स्क्रीनिंग की अनुमति नहीं देंगे। यदि छात्र कुछ करने के लिए बाहर जाते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इससे पहले जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में मंगलवार को बीबीसी की डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग की गई थी। स्क्रीनिंग के दौरान पत्थरबाजी की घटना सामने आई थी।

निजी इंडस्ट्रीज के साथ हजार स्मारकों का रखरखाव करेगा मंत्रालय

नई दिल्ली। एएसआई के एक हजार से ज्यादा स्मारकों के रखरखाव के लिए सरकार निजी इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी करने जा रही है। इसको लेकर जल्द ही संस्कृति मंत्रालय द्वारा स्मारक मित्र योजना के नए संस्करण को लॉन्च करने की तैयारी है। केंद्रीय संस्कृति सचिव गोविंद मोहन ने बुधवार को बताया कि योजना के तहत स्मारकों पर लाइट एंड साउंड शो आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य 15 अगस्त तक स्मारक मित्र योजना के तहत 500 साइटों के लिए भागीदारों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना है। बता दें, स्मारक मित्र योजना कुछ साल

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामला सुनवाई 10 फरवरी को

मथुरा (हि.स.)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह अमीन सर्वे मामले पर सुनवाई के लिए अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट ने बुधवार दोपहर 10 फरवरी की तारीख निश्चित की। हिंदू पक्ष की ओर से शाही ईदगाह अमीन निरीक्षण की मांग की गई थी। वहीं मुस्लिम पक्ष ने 20 जनवरी को दाखिल प्रार्थना पत्र 7 रूल 11 पर सुनवाई के लिए का प्रार्थना पत्र देते हुए केस को खारिज करने की मांग की। कोर्ट ने 10 फरवरी को दोबारा सुनवाई करेगी। गौरतलब हो कि हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने 08 दिसंबर को कोर्ट में प्रार्थना पत्र दाखिल करते हुए विवादित स्थल का कोर्ट अमीन द्वारा निरीक्षण करने की मांग की थी। जिस पर कोर्ट ने अमीन निरीक्षण के आदेश दे दिए और वादी पक्ष को 3 दिन में पैरवी के लिए कहा। श्री कृष्ण जन्मस्थान शाही ईदगाह मामले में कोर्ट अमीन ने निरीक्षण करने एवम मय मानचित्र के रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने के मामले पर बुधवार दोपहर बाद अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में सुनवाई हुई। अमीन निरीक्षण मामले पर सुनवाई से पहले मुस्लिम पक्ष केस के मेंटेवल और नॉन मेंटबल होने पर सुनवाई चाहता था। जिसके लिए सीपीसी की धारा 7 रूल 11 के तहत कोर्ट में एप्लिकेशन दाखिल की। कोर्ट ने इस पर 10 फरवरी की डेट दे दी। अब कोर्ट 10 फरवरी

बीटीआर समझौते की तीसरी वर्षगांठ मनाने का आह्वान

कोकराझाड़ (हि.स.)। बोडोलैंड टेरिटोरियल रिजन (बीटीआर) क्षेत्र में शांति और प्रगति की स्थायी यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 27 जनवरी, 2020 को बीटीआर समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन (आब्सू) की अहम भूमिका में केंद्र सरकार, राज्य सरकार और आंदोलनरत सशस्त्र संगठन एनडीएफबी के साथ-साथ अन्य कई संगठन और यूनाइटेड बोडो पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन के बीच बीटीआर समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ऐतिहासिक बीटीआर समझौता 27 जनवरी को अपनी तीसरे वर्ष को पूरा करने के बाद चौथे वर्ष में प्रवेश करेगा। यूपीपीएल पार्टी के अध्यक्ष और बीटीआर के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो ने बीटीआर समझौते पर हस्ताक्षर की। इस बार तीसरी वर्षगांठ को बीटीआर शांति समझौता दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हम सभी वर्गों के लोगों से विनम्रतापूर्वक अपील करते हैं कि वे हर जिले के मुख्यालय में बीटीआर सरकार की पहल पर मनाए जाने वाले इस दिवस के कार्यक्रम में भाग लें। प्रमोद बोडो ने एक बयान में कहा कि 27 जनवरी को बीटीआर समझौते पर हस्ताक्षर करने की ऐतिहासिक घटना तीसरा वर्ष पूरा करने के बाद चौथे वर्ष में प्रवेश करेंगे। उन्होंने बीटीआर के सभी लोगों से इस दिन को बीटीआर शांति समझौता दिवस के रूप में मनाने का आग्रह किया। बयान में बीटीआर के मुख्य कार्यकारी और यूपीपीएल के अध्यक्ष प्रमोद बोडो ने कहा कि ऐतिहासिक समझौते ने लंबे समय से निराश्रित बीटीआर क्षेत्र में शांति बनाए रखने में मदद की है। खासकर इस समझौते के जरिए नए सपनों, नई उम्मीदों ने बीटीआर में यूपीपीएल के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता में आने में मदद की है। शांति, विकास और समावेश पर अत्यंत महत्व के साथ यूपीपीएल के नेतृत्व वाली परिषद सरकार द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों ने लंबे समय के बाद सरकारी मशीनरी में लोगों के विश्वास को बहाल किया है। भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी प्रशासनिक गतिविधियों के लिए सरकार में जनता का विश्वास स्थापित किया गया है। इस प्रक्रिया ने पूरे बीटीआर क्षेत्र में शांति और विकास का एक अनूठा आयाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए बीटीआर

सड़क दुर्घटना में तीन घायल

नगांव (हि.स.)। नगांव जिलांतर्गत जुरिया के थियटंगनी में बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे में रूपहीहाट आंचलिक आसू अध्यक्ष सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान रूपहीहाट आंचलिक आसू के अध्यक्ष बितु मणि नाथ, बगरीगुड़ी गांव के अब्दुल बारेक और नूरजहान बेगम के रूप में किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही जुरिया पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंच कर घायल तीनों को प्राथमिक उपचार के लिए जुरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। अब्दुल बारेक और बितु मणि नाथ की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए नगांव जिला सदर अस्पताल में रेफर कर दिया। जुरिया पुलिस दोनों बाइक को जब्त करते हुए इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

वोट राष्ट्र निर्माण का काम, न बरसें उदासीनता : मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत में सुविधा संपन्न वर्ग के लोगों तथा युवाओं में चुनाव के प्रति उदासीनता को बुधवार को रेखांकित करते हुए नागरिकों से इस उदासीनता को त्यागने और मतदान को राष्ट्र निर्माण का काम समझ कर, इसमें योगदान करने की अपील की। मुर्मू ने आज चुनाव प्रक्रिया में मतदाताओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के निर्वाचन आयोग के प्रयासों की सराहना की है और आने वाले समय में मतदाताओं की हिस्सेदारी बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने के लक्ष्य के लिए आयोग को अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं। मुर्मू ने 13वें अंतर्राष्ट्रीय मतदान दिवस पर निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुविधा-संपन्न लोगों और युवाओं में चुनाव के प्रति अपेक्षाकृत कम उत्साह देखा जा रहा है। निर्वाचन आयोग ने भी मतदान के प्रति इस उदासीनता को रेखांकित किया है। राष्ट्रपति ने मतदान को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए, नागरिकों से राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से मतदान में भाग लेने की अपील की। मुर्मू ने कहा कि मेरा सभी नागरिकों से आग्रह है कि आप सब मतदान को राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान समझें तथा राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ मतदान अवश्य करें। उन्होंने कहा कि एक जन सेवक के रूप में उनका अनुभव रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों और वंचित वर्गों के लोग चुनाव प्रक्रिया में अधिक आस्था रखते हैं और बढ़-चढ़ कर भागीदारी करते हैं। मुर्मू ने निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लक्ष्य के लिए उसे अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज मतदाताओं की कुल संख्या लगभग 95 करोड़ हो गई है तथा निर्वाचन आयोग द्वारा 75 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य तय किया गया है। मैं इस लक्ष्य को प्राप्त करने के हर प्रयास की सफलता के लिए निर्वाचन आयोग तथा अन्य सभी प्रतिभागियों को अग्रिम बधाई देती हूं। उन्होंने आंकड़ों के हवाले से कहा कि 1951-52 में पहले आम चुनाव में मतदाताओं की संख्या 17 करोड़ से कुछ अधिक थी और लगभग 45 प्रतिशत मतदान हुआ था जबकि 2019 में हुए पिछले आम चुनाव में मतदाताओं की संख्या 90 करोड़ से अधिक थी और 68 प्रतिशत से कुछ अधिक मतदान हुआ था। राष्ट्रपति ने मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए *कोई मतदाता न छूटें* जैसे निर्वाचन आयोग के ध्येय वाक्यों की सराहना की। आयोग ने इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता का विषय रखा है वोट जैसा कुछ नहीं वोट जरूर डालेंगे हम।

पृष्ठ एक का शेष

संविधान ने जोड़ने ...

गर्व का अनुभव कर सकते हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, भारत गिने-चुने अग्रणी देशों में से एक रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि महिला सशक्तीकरण तथा महिला और पुरुष के बीच समानता अब केवल नारे नहीं रह गए हैं। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि महिलाएं ही आने वाले कल के भारत को स्वरूप देने के लिए अधिकतम योगदान देंगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सशक्तीकरण की यही दृष्टि अनुसूचित जातियों सहित कमजोर वर्गों के लोगों के लिए सरकार की कार्य-प्रणाली का मार्गदर्शन करती है। जनजातीय समुदाय के लोग, पर्यावरण की रक्षा से लेकर समाज को और अधिक एकजुट बनाने तक, कई क्षेत्रों में सीख दे सकते हैं। इस वर्ष भारत जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता कर रहा है। विश्व-बंधुत्व के अपने आदर्श के अनुरूप, हम सभी की शांति और समृद्धि के पक्षधर हैं। जी-20 की अध्यक्षता एक बेहतर विश्व के निर्माण में योगदान हेतु भारत को अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करती है। मेरे विचार से, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन ऐसी चुनौतियां हैं जिनका सामना शीघ्रता से करना है। वैश्विक तापमान बढ़ रहा है और मौसम में बदलाव के चरम रूप दिखाई पड़ रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मैं उन बहादुर जवानों की विशेष रूप से सराहना करती हूं जो हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं और किसी भी त्याग तथा बलिदान के लिए सदैव तैयार रहते हैं। देशवासियों को आंतरिक सुरक्षा प्रदान करने वाले समस्त अर्ध-सैनिक बलों तथा पुलिस-बलों के बहादुर जवानों की भी मैं सराहना करती हूं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि संविधान के लागू होने से लेकर आज तक हमारी यात्रा अद्भुत रही है। इससे कई अन्य देशों को प्रेरणा मिली है। प्रत्येक नागरिक को भारत की गौरव-गाथा पर गर्व का अनुभव होता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैं किसानों, मजदूरों, वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की भूमिकाओं की सराहना करती हूं जिनकी सामूहिक शक्ति हमारे देश को जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बनाती है।

मणिपुर में बम ...

था। ग्रेनेड विस्फोट के दौरान सड़क पार करते समय एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्र ने बताया कि घायलों को लीइशिफूंग अस्पताल ले जाया गया है। इससे पहले मंगलवार को मणिपुर प्रदेश के भाजपा नेता लैइशराम रामेश्वर सिंह की एक हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस रानी में आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी किऐ गऐ निर्देशानुसार हर वर्ष की तरह आज दिनांक 25/01/2023 को प्रात: 1100 बजें 175 वीं बटा. के.रि.पु.बल मुख्यालय रानी में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बटालियन के कमांडेंट राजीव कुमार झा द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिकों को संबोधित करते हुऐ, भारतीय चुनाव आयोग द्वारा 13 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों तथा साथ ही 13 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम मतदान करने जैसा कुछ नहीं, मैं निश्चित रूप से मतदान करता हूं के संबंध में ब्रीफ किया। मतदाता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला गया एवं सभी को प्रेरित किया गया कि किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुऐ बिना सभी निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करें। इस अवसर पर राजीव कुमार झा कमांडेंट द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिकों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस *शपथ* दिलाई गई। इस समारोह में केएल धीमान, द्वितीय कमान अधिकारी, विमल रावत, द्वितीय कमान अधिकारी, रवि श्रीवास्तव, उप कमांडेंट, दीप्ती बुरले, चिकित्सा अधिकारी शामिल थे।

स्वर्वेद भाष्य

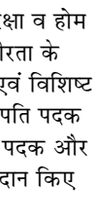

चतुर्थ मंडल सप्तम अध्याय

(योगाभ्यास)

शौच सत्य सद्गुण विमल, ब्रह्मचर्य्य रत भाव।
राग द्वेष से रहित है, कामरहित प्रभु चाव॥ 03॥

शब्दार्थ : (शौच) पवित्रता (सत्य) काया, मन, वाणी से शुद्ध (ब्रह्मचर्य्य) अष्ट प्रकार के मैथुन से रहित (कामरहित) निष्काम (प्रभु चाव) प्रभु-भक्त।

भाष्य : शौच, सत्य, ब्रह्मचर्य, राग-द्वेष से रहित, पवित्र सद्गुणों से युक्त एवं निष्कामी प्रभु-भक्त ही योग का साधन करता है।

उपकारी निस्काम है, नम्र विगत अभिमान।
पुरुषारत पर योग्य है, सज्जन सुमति सयान॥ 04॥

शब्दार्थ : (उपकार) दूसरों की भलाई करने वाला (निस्काम) कामनारहित (पुरुषारत) परम उद्योग (सज्जन) सद्गुणों वाला (सुमति) सद्बुद्धि (सयान) ज्ञानवान (नम्र) विनीत।

भाष्य : उपकारी, निष्काम, विनम्र, निराभिमानी, सद्बुद्धि एवं ज्ञानशील सज्जन ही प्रभुप्राप्ति का परम पुरुषार्थ करने में योग्य होता है।

राज्य में मना राष्ट्रीय मतदाता दिवस

गुवाहाटी (हि.स.)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार बुधवार को असम में 13वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जनता भवन (असम सचिवालय) के ब्लॉक-ए परिसर में अधिकारियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई। असम सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव रविशंकर प्रसाद ने जनता भवन के अधिकारियों को शपथ दिलाई। उल्लेखनीय है कि लोगों, विशेष रूप से युवाओं को देश की लोकतांत्रिक परंपरा की रक्षा करते हुए चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से मतदान के अधिकार का प्रयोग करने और इस प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। लोग इस दिन लोकतंत्र में विश्वास करते हुए पूरी तरह से स्वतंत्र, पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में जाति, धर्म, पंथ, भाषा से परे निडर होकर मतदान करने की शपथ लेते हैं। तिनसुकिया जिला के सदिया महकमा प्रशासन की पहल पर बुधवार को महकमा दंडाधिकारी कार्यालय सभागार में 13वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर महकमा के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, बीएलओ, विद्यालयों के छात्रों की उपस्थिति में सभी को जिला निर्वाचन अधिकारी, अतिरिक्त उपायुक्त एवं प्रभारी उपजिलाधिकारी अनुपम डेका ने मतदाता दिवस की शपथ दिलाई। इससे पहले चुनाव अधिकारी जहर ज्योति पेगू ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उद्देश्य के बारे में जानकारी साझा की। कोकराझाड़ जिला के भोटगांव स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 129वीं वाहिनी मुख्यालय में बुधवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। वाहिनी के कमांडेंट मनमदन कृष्णन द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों, अधिनस्थ अधिकारियों एवं अन्य कार्मिकों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के महत्व के बारे में अवगत कराया गया कि वर्ष 1950 से स्थापित चुनाव आयोग के 61वें स्थापना वर्ष पर 25 जनवरी, 2011 को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस का शुभारम्भ किया था। दक्षिण सालमारा-मानकचार जिला प्रशासन की पहल पर 13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सुखचर के बेपारीपाड़ा परघाट स्थित जिंजीराम नदी पर बने आरसीसी पुल से बुधवार की सुबह 7.30 बजे हाटशिंगीमारी स्थित जिला उपायुक्त कार्यालय तक हाफ मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यतेंद्र कुमार ने पूसीरे के अपर महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया

गुवाहाटी (हि.स.)। यतेंद्र कुमार ने पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के अपर महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वह भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स सेवा के 1988 बैच के अधिकारी हैं और वर्ष 1990 में रेलवे से जुड़े। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बुधवार को एक बयान में बताया है कि 23 जनवरी यतेंद्र कुमार ने पूसीरे के अपर महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। यतेंद्र कुमार ने दयालबाग एजूकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। उन्हें निर्माण संगठन, रेलवे विद्युतीकरण, दिल्ली मेट्रो रेल निगम और भारतीय रेल के विभिन्न मंडलों में कार्यों का व्यापक अनुभव है। कुमार ने पूर्व रेलवे के मालदा मंडल में मंडल रेल प्रबंधक के रूप में भी अपनी सेवा दी है। मालदा मंडल में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने 100 प्रतिशत विद्युतीकरण सुनिश्चित किया और मंडल के माल लोडिंग में भी सुधार किया है।

एएजेडब्ल्यूटी के प्रयास से सरकार बीमार पत्रकार को भेजेगी बेंगलुरू

गुवाहाटी (विभास)। ऑल असम जर्नलिस्ट्स वेलफेयर ट्रस्ट (एएजेडब्ल्यूटी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. अभिजीत शर्मा से मुलाकात की। पीड़ित की पहचान दीपांकर मेधी के रूप में हुई है, जो एक पत्रकार है, जिसका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रतिनिधिमंडल को अधीक्षक शर्मा ने पत्रकार के इलाज के बारे में जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने पत्रकार मेधी के इलाज पर खर्च को कैसे कम किया जाए, इस पर अधीक्षक डॉ. अभिजीत शर्मा से भी चर्चा की। अधीक्षक डॉ. शर्मा ने पत्रकार दीपांकर मेधी के आईसीयू खर्च, केबिन फीस का भुगतान किया, उन्होंने कहा कि वे दवाओं का खर्च माफ कर देंगे। पत्रकार दीपांकर मेधी को आगे के इलाज के लिए असम से बाहर ले जाने के खर्च को कवर करने के लिए डॉ. शर्मा ने तुरंत राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत से प्रतिनिधिमंडल के सामने संपर्क किया। उन्होंने फोन पर सारी बात बताई और स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत ने पूरे सरकारी खर्चे पर असम हेल्थ फंड के तहत दीपांकर मेधी को सर्जरी के लिए बेंगलुरु ले जाने की अनुमति दी। शर्मा ने कहा कि मेधी को दो सप्ताह में आगे के इलाज के लिए बेंगलुरु ले जाया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने ऑल असम जर्नलिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल के अनुरोध को पूरा करने में उदारता के लिए उप अधीक्षक उज्ज्वल शर्मा को धन्यवाद दिया। प्रतिनिधिमंडल में दैनदिन वार्ता के प्रबंध निदेशक शंकर गोहाईं, कल्याण शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार कुमुद नाथ, ट्रस्ट के अध्यक्ष दुलाल मिश्रा, ट्रस्ट के महासचिव डिंपुल चुतिया और कई अन्य शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने इलाज करा रहे पत्रकार दीपांकर मेधी से भी मुलाकात की और ऑल असम जर्नलिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से कुछ वित्तीय सहायता प्रदान की। पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए एक ट्रस्ट खोलने की बात बहुत हो रही है। ट्रस्ट का गठन दैनंदिन वार्ता के प्रबंध निदेशक शंकर गोहाईं के नेतृत्व में और राजकुमार दास, कल्याण मिश्रा, कुमुद नाथ और अन्य के समर्पित प्रयासों से किया गया था। दुलाल मिश्रा को ट्रस्ट का अध्यक्ष और डिंपुल चुटिया को महासचिव का दायित्व दिया गया है। ट्रस्ट जरूरत के समय पत्रकारों को विभिन्न प्रकार से सहायता प्रदान करने का अपना प्रयास जारी रखेगा। ट्रस्ट की प्रत्येक जिले में एक जिला समिति होगी संक्षेप में आज से ट्रस्ट ने सेवाओं के क्षेत्र में अपना कार्य शुरू किया। ऑल असम जर्नलिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट एक गैर-लाभकारी संगठन है जो देश में पत्रकारों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।

पठान देखने के लिए असम के प्रत्येक सिनेमा घर में दिखी भीड़, सुरक्षा के इंतजाम

गुवाहाटी (हि.स.)। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म पठान बुधवार को रिलीज हुई। असम के विभिन्न सिनेमा घरों में भी यह फिल्म रिलीज हुई। लोग पूरे जोश के साथ फिल्म देखने सिनेमाघरों में पहुंचे। रंगिया के डिलाइट सिनेमा हॉल में पठान फिल्म देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी। डिलाइट सिनेमा हॉल में पहले दिन चार शो हाऊस फूल रहे। पहले दिन से ही पठान फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलता दिखा। इस बीच, शाहरुख के प्रशंसकों ने सिनेमा हॉल परिसर में केक काटकर और पटाखे उड़ाकर जश्न मनाया। इस बीच, डिलाइट सिनेमा हॉल के अधिकारियों ने दर्शकों को आकर्षित करने के लिए सिनेमा हॉल को सजाया है। और सड़क के किनारे से सभी का स्वागत कर हॉल तक पहुंचाया गया। लोगों ने सिनेमा हाल के प्रबंधन के इस प्रयास को सराहा है। उल्लेखनीय हैं कि पठान की रिलीज से पहले इसे लेकर काफी बवाल भी मचा है। इसके गाने बेशर्म रंग को खूब ट्रोल किया गया। फिल्म को लेकर राजनेताओं के साथ हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई है। इन सभी विवादों के मद्देनजर रखते हुए सेंसर बोर्ड में मेकर्स को कुछ बदलाव भी सुझाए हैं। पठान फिल्म सोनारी में भी रिलीज हुई है। पठान को देखने के लिए सोनारी में कल्पना एंटरटेनमेंट सिनेमा में भारी भीड़ थी। लेकिन पठान को लेकर लोगों में पहले दिन से ही मिलीजुली प्रतिक्रिया देखी गई। पठान के विवाद से असम भी अछूता नहीं रहा। पठान में सिर्फ शाहरुख खान ही नहीं, बल्कि असमिया अभिनेता दिगंत हजारिका ने भी अभिनय किया है। इस बीच कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए पुलिस सुबह से ही सिनेमाघर के सामने सुरक्षा मुहैया कराती नजर आई। उधर बरपेटा में चार युवक पठान फिल्म का प्रचार करते नजर आए। जहां पठान फिल्म को लेकर विवाद शुरू हो गया है, वहीं इस फिल्म का अधिक से अधिक प्रचार कर रहे हैं। बरपेटा में कयाकुची के चार युवाओं ने चार पहिया वाले ऑटो वैन पर पठान फिल्म के बैनर लगाकर सभी से पठान फिल्म को एक साथ देखने का प्रचार चला रहे हैं।

फिल्म देखने पहुंचा एक युवक पुलिस हिरासत में

दरंग (हि.स.)। देश भर में बुधवार को शाहरुख खान की फिल्म पठान रिलीज हो गई है। असम में भी बड़ी संख्या में दर्शक फिल्म को देखने के लिए सिनेमा हॉल पहुंच रहे हैं। इस बीच दरंग जिला मुख्यालय शहर मंगलदै के धुला थाने में मोफिदुल इस्लाम नामक एक युवक को पुलिस हिरासत में लेकर अपने साथ थाने में ले गई। बताया जा रहा है कि युवक ने अपने दोस्त के साथ फिल्म देखने के लिए कुल 120 टिकट काट लिए थे। मोफिदुल ने 120 टिकट को अपने गले में पहनकर इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड की थी, जो वायरल हो गई। युवक को फिलहाल धुला पुलिस थाने में रखा गया है। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया है कि पुलिस ने उसे क्यों थाने में रखा है। इस बारे में पुलिस ने भी कुछ नहीं बताया है।

फुटपाथ पर कब्जा कर दुकान लगाने वालों को हटाया

दरंग (हि.स.)। दरंग पुलिस ने जिला मुख्यालय शहर मंगलदै के फुटपाथों को अवैध रूप से कब्जा कर दुकान चलाने वालों को खिलाफ अभियान आरंभ किया है। शहर भर में व्यवसायी फुटपाथों पर कब्जा कर दुकान चला रहे हैं, जिसके चलते पैदल चलने वालों के लिए रास्ता नहीं बचता है। आम लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को पुलिस ने फुटपाथ के साथ-साथ सड़क पर लगी अस्थायी दुकानों को भी हटा दिया। पुलिस ने फुटपाथों और सड़क पर दुकानें स्थापित करने के खिलाफ भी चेतावनी दी है। मंगलदै नगर निगम इस काम में पुलिस का सहयोग कर रहा है। पुलिस के इस कदम का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया है।

फैंसी बाजार के होटल में महिला की हत्या

गुवाहाटी (नसं)। फैंसी बाजार एसएस रोड स्थित होटल राजहंस के कमरा नंबर 206 में गत 14 जनवरी से रह रहे ग्वालपाड़ा के लखीपुर भरपूर भीटा गांव के फैजुद्दीन (35) और पत्नी तस्लीमा खातून (25) मे से फैजुद्दीन ने अपनी पत्नी तस्लीमा खातून की 23 जनवरी को हत्या कर शाम को फरार हो गया। होटल के मैनेजर प्रह्लाद दास ने बताया कि 14 जनवरी को दोनों ने होटल में कमरा किराए पर लिया। फैजुद्दीन ने अपने आपको एक बिल्डर का कर्मचारी बताया और बिल्डिंग के काम से ही गुवाहाटी आने का कारण भी बताया। 23 तारीख को शाम को फैजुद्दीन होटल के बाहर अकेला ही निकला तो वह फिर कभी लौट कर नहीं आया। आज 25 जनवरी को संदेह के आधार पर होटल के कर्मचारी ने कमरे का दरवाजा खटखटाया तो उसे खतरे का आभास हुआ। तब उसने मैनेजर को उक्त बातें बताई। मैनेजर ने फैंसी बाजार थाने में इसकी खबर दी। फैंसी बाजार थाना प्रभारी ने मौके पर पहुंचकर पाया कि कमरा नंबर 206 में एक महिला की हत्या कर उसका मुंह ढक दिया गया है। थाना प्रभारी ने सीआईडी और फॉरेंसिक विभाग को इसकी खबर दी।तुरंत सीआईडी और फॉरेंसिक विभाग के अधिकारियों ने आकर लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गए। पुलिस ने जांच से पहले किसी भी निष्कर्ष पर अपना वक्तव्य देने से इनकार कर दिया।

माजर चर छात्र संघ के स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारंभ

नगरबेड़ा (निसं)। बरपेटा के बागबर विधानसभा क्षेत्र के बीचोंबीच फकरउद्दीन आली अहमद हाई स्कूल के मैदान में आज से माजर चर छात्र संघ के स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारंभ 50 झंडे फहराकर पांच दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ किया गया। छात्र संघ के अध्यक्ष मोजाम्मिल हक ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण समारोह का संचालन छात्र संघ के महासचिव एलिस हासान मुक्तारुल हक और मोहम्मद आजमल हक ने किया। माजर चर छात्र संघ की स्वर्ण जयंती के अवसर पर संस्थापक सचिव खलीलुर रहमान (सेवानिवृत्त उप प्राचार्य डॉ जाकिर हुसैन हायर सेकेंडरी स्कूल) भी उपस्थित थे। स्वर्ण जयंती आयोजन समारोह में समाज की 50 प्रमुख हस्तियों के द्वारा 50 ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण समारोह के बाद, दोआ ए माघफिरात कार्यक्रम को लागू किया। इसके अलावा, समाज के प्रमुख व्यक्तियों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किए जाते हैं। पहले दिन के अंतिम कार्यक्रम माजर चर छात्र संघ के संस्थापक अध्यक्ष/सचिव, कार्यकारिणी सदस्यों के साथ-साथ सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। 25 से 29 जनवरी पांच दिवसीय कार्यक्रम हाथ में लिया गया, इसि दौरान स्वर्ण जयंती समारोह को सर्वप्रकार जनगण के सहयोग और मजुदगी कामना किया आयोजक समिति के प्रमुख इमाम आली और आवुल बासार।

अभयापुरी में छह दिवसीय गणेश पूजा-महामेला शुरू

बंगाईगांव (हि.स.)। बंगाईगांव जिला के अभयापुरी के लालमाटी-दुरामारी गणेश मंदिर में छह दिवसीय कार्यक्रमों के साथ बुधवार से गणेश पूजा महामेला शुरू हुआ। इस अवसर पर गणेश मंदिर परिसर गणेश वंदना से मुखरित हो उठा। पूजा-महामेला का विस्तृत कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर संचलन समिति के अध्यक्षय अनुकूल चंद्र नाथ ने मुख्य ध्वज को फहराकर कर किया। इसके बाद पूजा महोत्सव का उदघाटन उत्तर सालमारा महकमा के अधिकारी सिमी करन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वहीं सुबह से ही सिद्धिदाता गणेश पूजा देखने के लिए मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर साल गणेश पूजा के अवसर पर दूर-दूर से लोग इस ऐतिहासिक मंदिर में सिद्धिदाता की पूजा अर्चना करने के लिए पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि यह मंदिर इतिहास प्रसिद्ध है। असम के लोगों के मन में इस मंदिर को लेकर भारी आस्था है।

चुनाव के लिए अगप की बड़े पैमाने पर संगठनात्मक तैयारी, राज्यभर में आयोजित हुई बूथ बैठकें

गुवाहाटी (हि.स.)। लोकसभा चुनाव और पंचायत चुनावों को देखते हुए राज्य की सत्ता में शामिल क्षेत्रीय पार्टी असम गण परिषद (अगप) पार्टी ने बड़े पैमाने पर अपनी संगठनात्मक तैयारियों को तेज कर दिया है। पार्टी ने बुधवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्यव्यापी बूथ सभाओं का आयोजन किया। इसमें पार्टी अध्यक्ष एवं असम सरकार के कृषि मंत्री अतुल बोरा, कार्यकारी अध्यक्ष एवं मंत्री केशव महंत सहित सभी शीर्ष नेतृत्व ने अपने-अपने बूथों पर बैठकों में भाग लिया। पार्टी महासचिव रमेंद्र नारायण कलिता और मनोज सैकिया ने एक बयान में कहा कि राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर पर आज पार्टी की संगठनात्मक बैठकें आयोजित की गईं है। इस संगठनात्मक बैठक के माध्यम से चुनाव केंद्रित तत्परता को तेज करने के साथ-साथ जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। बूथ बैठकों के माध्यम से लोगों और मतदाताओं से सीधा संपर्क बनाने के लिए भी कार्यक्रम चलाए जाएंगे। बूथ बैठकों में पार्टी पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ-साथ क्षेत्रीयतावाद में विश्वास करने वाले कई लोग शामिल हुए। अध्यक्ष और मंत्री अतुल बोरा बोकाखात में अपने बूथ पर मौजूद रहे, जबकि कार्यकारी अध्यक्ष केशव महंत ने कोलियाबोर में अपने बूथ पर हुई बैठक में भाग लिया। इसी तरह पार्टी विधायक, सांसद, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, निगम निकायों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के साथ-साथ नगर निगमों, नगरपालिकाओं और पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों और केंद्रीय समितियों, जिला परिषदों, पार्टी के अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने बूथों पर बैठक में भाग लिया।

डिब्रूगढ़ और सिकंदराबाद के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हि.स.)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए डिब्रूगढ़ और सिकंदराबाद के बीच दोनों दिशाओं में चार फेरों के लिए एक विशेष ट्रेन चलाई जाएगी। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बुधवार को बताया है कि 07046 (सिकंदराबाद- डिब्रूगढ़) स्पेशल 2 से 23 फरवरी तक प्रत्येक गुरुवार को 11 बजे सिकंदराबाद से रवाना होगी और शनिवार को 20.50 बजे डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। वापसी दिशा में यह ट्रेन संख्या 07047 (डिब्रूगढ़-सिकंदराबाद) स्पेशल 5 से 26 फरवरी तक प्रत्येक रविवार को 19.25 बजे डिब्रूगढ़ से रवाना होगी और बुधवार को 4 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि दोनों ओर यात्रा के दौरान स्पेशल ट्रेन वाया शिमलगुड़ी जंक्शन, लमडिंग जंक्शन, ग्वालपाड़ा, न्यू जलपाईगुड़ी, मालदा टाउन, भुवनेश्वर, पलासा, विशाखापट्नम, विजयवाड़ा, गुंटूर और नल्लगोंडा स्टेशनों होकर चलेगी। दक्षिण भारत की ओर यात्रा करने वाली अन्य ट्रेनों के प्रतीक्षा सूची वाले यात्री इस सुनहरे अवसर का लाभ उठा सकते हैं। 22 कोचों वाली इस ट्रेन में एसी फर्स्ट क्लास, एसी 2 टीयर, एसी 3 टीयर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास होंगे।

युवाओं को तकनीक आधारित करियर मार्गदर्शन के लिए माई ट्रांसफोर्म का ऐप

गुवाहाटी (विभास)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर, माईट्रांसफोर्म ने इसी नाम से यानी माईट्रांसफोर्म नाम का एक नया करियर एक्सप्लोरेशन मोबाइल एप्लिकेशन लांच करने की घोषणा की। यह असम में छात्रों को उनके करियर विकल्पों के बारे में जानकार निर्णय लेने में मदद करेगा। इस बहुभाषी ऐप को हिंदी और अंग्रेजी में एक साथ लांच किया जा रहा है। यह कक्षा 9 से लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे सभी युवाओं के लिए निःशुल्क उपलब्ध होगा। 15 से 23 वर्ष की आयु के बीच के छात्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इसका उद्देश्य उन्हें समकालीन करियर विकल्पों के संपर्क में लाना है और उन्हें एक जानकार करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। 2021 में, माईट्रांसफोर्म को जम्मू और कश्मीर सरकार ने अपनाया था और वहां इस मंच से 30,000 से अधिक युवाओं को लाभ हुआ। माईट्रांसफोर्म शिक्षा अलायंस, फिनलैंड द्वारा प्रमाणित है और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का एक हिस्सा है। माईट्रांसफोर्म की संस्थापक और सीईओ रूपाली मेहरा ने असम में ऐप लांच किए जाने पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हर छात्र अद्वितीय है, और हम मानते हैं कि उसके लिए अलग रास्ता तैयार किया जाना चाहिए जो उसकी अनूठी अपील के अनुसार जो चला आ रहा है उससे मुक्त हो। हम साइकोमेट्रिक आकलन का उपयोग करते हैं और छात्रों को उनकी यात्रा के हर चरण में समर्थन देने के लिए डेटा-समर्थित उपकरण। छात्रों को उनके शैक्षणिक करियर के दौरान आत्म-अभिव्यक्ति और ज्ञान साझा करने के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए, हम साथियों, पेशेवरों और शिक्षकों के एक मजबूत समुदाय को भी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने देश के युवाओं के बीच जागरूकता-संचालित करियर निर्णय लेने, करियर मार्गदर्शन में इक्विटी प्रदान करने के लिए सामाजिक-आर्थिक या भौगोलिक बाधाओं से परे जाकर बेरोजगारी और बेरोजगारी के मुद्दे पर अंकुश लगाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। माईट्रांसफोर्म की पहल असम में युवाओं, विशेषकर लड़कियों के लिए शिक्षा और कौशल को सक्षम करने के लिए सरकार के प्रयासों को आगे बढ़ाएगी, जो नए करियर विकल्पों से अवगत होंगी। राज्य सरकार सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना (एसपीकेएसवाई) के तहत असम में इस साल नौ लाख से अधिक लड़कियों को शिक्षा देने पर पहले से ही ध्यान केंद्रित कर रही है। माईट्रांसफोर्म ऐप का उद्देश्य विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में युवाओं में जागरूकता की कमी और एक सूचित करियर निर्णय लेने की क्षमता की कमी की समस्या को हल करना है। इस ऐप के माध्यम से, युवा अपनी आकांक्षात्मक प्रोफ़ाइल बनाने और अन्य समान विचारधारा वाले लोगों के साथ जुड़ने में सक्षम होंगे, जिससे करियर पर ज्ञान साझा करने के लिए एक अनूठा समूह बन जाएगा। माईट्रांसफोर्म आज के युवाओं को उनके शैक्षणिक और करियर के लक्ष्यों में पसंद की शक्ति के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करता है ताकि उनके कौशल और रुचियां आज उपलब्ध करियर के अवसरों के साथ पूरी तरह से जुड़ सकें। माईट्रांसफोर्म के बारे में माईट्रांसफोर्म युवाओं के लिए अपनी तरह का पहला सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन है जो लोगों, प्रक्रियाओं, सूचना और प्रौद्योगिकी को एक साझा मंच पर लाएगा। मंच का उद्देश्य छात्रों की सीखने की पसंद और उनके करियर विकल्पों के बीच तालमेल बैठाना है। माईट्रांसफोर्म आज के युवाओं को उनके शैक्षणिक और करियर के लक्ष्यों में पसंद की शक्ति के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करता है, ताकि उनके कौशल और रुचियां आज उपलब्ध करियर के अवसरों के साथ पूरी तरह से जुड़ सकें। आज के युवाओं के लिए एक व्यवस्थित और अनुभवात्मक दृष्टिकोण के साथ डिजाइन किया गया, माईट्रांसफोर्म का उद्देश्य युवा लोगों के लिए काम करने के लिए एक पूर्ण अनुभव बनाना है जो देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में मदद करेगा।

भरलुमुख में फैट टाइगर कैफे का शुभारंभ

गुवाहाटी। दिल्ली से प्रमुख ब्रांड फैट टाइगर इंडिया ने भरालुमुख के एटी रोड में अपना एक्सक्लूसिव क्लिक सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर) कैफे का शुभारंभ किया। इस एक्सक्लूसिव क्यूएसआर कैफे का उद्घाटन एएम टेलीविजन की निदेशिका तथा मुख्य अतिथि डॉ. अक्षता नारायण ने किया। इस मौके पर अतिथि के रूप में महिला उद्यमी रिंकी कलिता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कैफे प्रभारी योगेश माहेश्वरी ने बताया की फैट टाइगर ब्रांड के निदेशक साहिल आर्य और सहज चोपड़ा हैं। माहेश्वरी ने कहा कि हमारे कैफे में मुख्य रूप से चाय, मोमोज और मिल्स परोस रहे हैं। हमारी चाय बहुत ही अनोखी होती है जिसे चीजो कहा जाता है - आइस्ड टी को चीज के साथ सर्व किया जाता है। हमारे पास बबल टी हैं जो मोतियों से बनी हैं, जो बिल्कुल अनोखी हैं। मोमोज में, नियमित मोमोज के अलावा, हमारे पास गेहूं के मोमोज, इटालियन मोमोज, कुरकुरे मोमोज, बाओजी मोमोज सहित कई प्रकार के लजीज मोमोज उपलब्ध हैं, जो जो खाद्य प्रेमियों को बेहद पसंद आएंगे। उन्होंने बताया कि हमारे कैफे में बाउल मिल्स उपलब्ध है, जहां कोई स्टेपल (चावल/नूडल्स) में से चुन सकता है। हमारे कैफे मे सभी खाद्य वस्तुओं को डिस्पोजेबल पैकेजिंग में परोसा जाता है और हमारी पैकेजिंग बहुत ही उत्तम दर्जे की और प्रकृति में अनूठी है। हम सुरक्षा और स्वच्छता के सर्वोत्तम स्तर का पालन करते हैं, चाहे वह तापमान जांच के रूप में आरओ पानी में सब कुछ संसाधित करने और एमएसजी के शून्य उपयोग के रूप में किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कैफे में एक बार में 20 लोगों के बैठने की क्षमता है। ग्राहक किट्टी, जन्मदिन, वर्षगांठ, छोटे मिलन आदि के लिए भी प्री-बुकिंग कर सकते हैं।

मिस्र के साथ द्विपक्षीय सहयोग को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का किया फैसला : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत-मिस्र ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हमने मिस्र के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के साथ बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हैं। राष्ट्रपति सीसी कल हमारे गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुझे खुशी है कि मिस्र की सैन्य टुकड़ी भी परेड में हिस्सा लेगी। यह पूरे भारत के लिए सम्मान और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि भारत और मिस्र विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से हैं। हमारे दोनों देशों के बीच कई हजारों वर्षों का अनवरत नाता रहा है। चार हजार वर्षों से भी पहले, गुजरात के लोथल पोर्ट के माध्यम से मिस्र के साथ व्यापार होता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हमारे द्विपक्षीय संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। इस वर्ष भारत ने अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान मिस्र को अतिथि देश के रूप आमंत्रित किया है, जो हमारी विशेष मित्रता को दशार्ता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने अगले पांच वर्षों में अपने देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का निर्णय लिया है। हमने मिस्र के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया है। हमने तय किया है कि भारत-मिस्र रणनीतिक साझेदारी के तहत हम राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक एवं वैज्ञानिक क्षेत्रों में और अधिक व्यापक सहयोग का दीर्घकालिक ढांचा विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने आज की बैठक में अपने रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को और मजबूत करने, और आतंकवाद विरोधी संबंधी सूचना एवं इंटेलिजेंस का आदान-प्रदान बढ़ाने का भी निर्णय लिया है। मोदी ने कहा कि भारत और मिस्र आतंकवाद को लेकर चिंतित हैं। दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि सीमा पार आतंकवाद को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। कोविड प्रकोप के दौरान, हमने दोनों देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मिलकर काम किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त अभ्यास प्रशिक्षण और हमारे बीच क्षमता निर्माण में वृद्धि हुई है। हमने कोविड और यूक्रेन संकट के कारण बाधित हुई आपूर्ति श्रृंखला पर भी चर्चा की।

रक्षा मंत्री ने 'वीर गाथा 2.0' प्रतियोगिता के सुपर 25 बच्चों को दिए पुरस्कार

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को चाणक्य ऑडिटोरियम में 'वीर गाथा 2.0' के 25 विजेताओं को सम्मानित किया। विजेताओं को 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार, एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया गया। युवा विजेताओं को बधाई देते हुए रक्षा मंत्री ने उनकी बहादुरी, उत्साह और रचनात्मकता को सराहा और विश्वास व्यक्त किया कि युवा पीढ़ी न केवल खुद को, बल्कि समाज और राष्ट्र को नई बेहतर दिशा प्रदान करेगी। दो माह तक चली वीरगाथा 2.0 प्रतियोगिता में देशभर से साढ़े 19 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लेकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। वीर गाथा 2.0 प्रतियोगिता का यह दूसरा संस्करण था। पिछले साल 'आजादी का अमृत महोत्सव' मौके पर वीर गाथा को रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय ने संयुक्त रूप से शुरू किया था, जिसे जबर्दस्त सफलता मिली थी। राजनाथ सिंह ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट की उपस्थिति में विजेताओं को 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार, एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया। राजनाथ सिंह ने युवा छात्रों में देशभक्ति के मूल्यों को प्रेरित करने में वीर गाथा की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी परियोजनाएं छात्रों में शिक्षा के साथ-साथ नैतिकता और बहादुरी के मूल्यों का संचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। वीर गाथा की बढ़ती लोकप्रियता पर प्रकाश डालते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि इतने कम समय में इस परियोजना ने अपार लोकप्रियता हासिल की है और यह अपने आप में एक आंदोलन बन गया है। पिछले साल 8 लाख पार्टिसिपेशन हुए थे, जबकि इस बार इन एंट्रीज की संख्या 19 लाख को पार कर गई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि करोड़ों बच्चे अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़े हुए हैं, जो इस परियोजना का उद्देश्य भी है।

अनिल एंटनी ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता ए.के. एंटनी के पुत्र अनिल एंटनी ने बुधवार को कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। अनिल ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस में अब सिर्फ चाटुकारों का बोलबाला है। यहां सच कहने वालों की कद्र नहीं है। बीते दिनों अनिल ने बीबीसी की ओर से पीएम मोदी और 2002 के गुजरात दंगों पर पर बनाई गई डॉक्यूमेंट्री का विरोध किया था। अनिल का कहना है कि यह बात कांग्रेस के कुछ नेताओं को अच्छी नहीं लगी। कांग्रेस के कई लोग इस मामले को लेकर उन्हें ट्रोल कर रहे थे। अनिल ने यह भी कहा कि बीते दिनों उनको लोगों ने धमकी भी दी। उन्होंने कहा कि यह वो कांग्रेस नहीं है जिसे वह जानते थे। इसलिए अब वह कांग्रेस को छोड़ रहे हैं। इस पार्टी में अब सच को सुनने वाला कोई नहीं है। उल्लेखनीय है अनिल केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) की डिजिटल मीडिया के प्रभारी थे और ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की सोशल मीडिया और डिजिटल कम्युनिकेशन सेल का भी काम देख रहे थे।

छत्रसाल स्टेडियम में मुख्यमंत्री ने फहराया तिरंगा

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की तरफ से छत्रसाल स्टेडियम में गणतंत्र दिवस समारोह का बुधवार को आयोजन हुआ। गणतंत्र दिवस पूरे देश में 26 जनवरी को मनाया जाता है, लेकिन दिल्ली में ये आयोजन 25 जनवरी को ही हो जाता है। आज इस मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने छत्रसाल स्टेडियम में झंडा फहराया, उसके बाद परेड के निरीक्षण के लिए निकले। दिल्ली पुलिस की खुली जीप में सवार मुख्यमंत्री ने दिल्ली पुलिस, फायर सर्विस, महिला बटालियन सहित कई स्कूलों के परेड का निरीक्षण किया। अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम एक तरफ 74 वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं और दूसरी तरफ आजादी के 75 साल का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। देश के स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस राजगुरु समेत ढेरों नाम हैं। स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को स्वतंत्रता दिलाई थी। आजादी दिलाने के लिए उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने हमारे ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी छोड़ी है। स्वतंत्रता सेनानियों ने जनतंत्र-गणतंत्र को कायम रखने और मजबूत बनाने की जिम्मेदारी आजादी के बाद की पीढ़ियों पर सौंपी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा आज देश के एक प्रतिष्ठित अखबार में छपा है कि चीन ने हमारे देश की कुछ जमीन के हिस्से पर कब्जा कर लिया। सभी भारतवासियों के लिए चिंता का विषय है। बॉर्डर पर बहादुरी के साथ हमारे देश के सैनिक चीन का मुकाबला कर रहे हैं। प्रत्येक देशवासी का फर्ज बनता है कि इस लड़ाई में हम अपने सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। प्रत्येक देशवासी का फर्ज बनता है कि हम चीन का बहिष्कार करें और सख्त संदेश दे। इतना ही नहीं आगे मुख्यमंत्री ने चीन को आड़े हाथ लेते हुए केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि एक तरफ चीन हमें आंख दिखा रहा है। हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा है। दूसरी तरफ हम चीन से अपना व्यापार बढ़ाते जा रहे हैं। 2020 में हम लोगों ने चीन से 65 बिलियन डॉलर का सामान खरीदा। 2021 में हमने चीन से 95 बिलीयन डॉलर का सामान खरीदा। हम तो चीन को और अमीर बनाते जा रहे हैं। हमारे ही पैसे से चीन हथियार खरीदता है और अपनी सेना में सैनिकों की भर्ती करता है और हमारे खिलाफ खड़ा होता है, जो सामान हम चीन से खरीद रहे हैं अगर उसका उत्पादन भारत में होगा तो देशवासियों को रोजगार मिलेगा। सरकार को टैक्स मिलेगा और हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ेगी। साथ ही चीन को सख्त संदेश भी जाएगा। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा बीते 6 सालों के दौरान 12 लाख व्यापारी व्यवस्थाओं से दुखी होकर भारत छोड़कर अन्य देशों में जा चुके हैं।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर शाह ने देशवासियों को दी बधाई

राकेश शर्मा

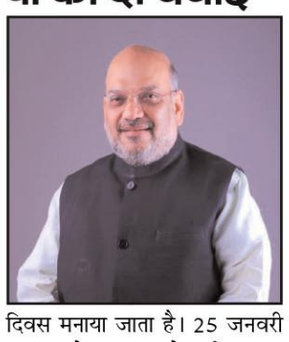

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर देशवासियों को बधाई दी है। शाह ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि मतदाता दिवस संवैधानिक मूल्यों को मनाने का दिन है। यह दिन शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण के लिए नागरिकों के मतदान अधिकारों का उपयोग करने की जिम्मेदारी को रेखांकित करता है। शाह ने कहा कि वह देश के युवाओं से अपील करते हैं कि लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए आगे आएं। उल्लेखनीय है कि मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। 25 जनवरी 1950 को चुनाव आयोग की स्थापना हुई थी। इस लिए वर्ष 2011 में तात्कालिक राष्ट्रपति प्रतिभा देवी पाटिल ने इसी दिन राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने की शुरूआत की।

कोरोना वैक्सीन लेने के लिए कर्मचारियों को मजबूर नहीं कर सकता कोई संस्थान

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कोरोना वैक्सीन से जुड़े एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट का साफ का कहना है कि कोविड-19 टीकाकरण को लेकर कोई भी संस्थान अपने कर्मचारी पर दवाब नहीं बना सकता है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कर्मचारियों को कोविड-19 वैक्सीन के लिए मजबूर करने से संबंधित सभी लंबित आवेदनों का निस्तारण करते हुए निर्देश दिया कि नियोक्ता वैक्सीनेशन पर जोर नहीं दे सकता। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह की एकल न्यायाधीश की पीठ ने सरकारी स्कूल के शिक्षक की उस याचिका पर सुनवाई की जिसमें वैक्सीन लेने के लिए मजबूर किए बिना पढ़ाने और अन्य जिम्मेदारियों को निभाने की अनुमति मांगी गई थी। पीठ ने याचिकाकर्ता को सेवा लाभ के लिए संबंधित प्राधिकरण को एक प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देते हुए राहत दी और निर्देश दिया कि इस पर निर्णय 30 दिनों के भीतर लिया जाए। इससे पहले जैकब पुलियेल बनाम भारत संघ और अन्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने एक फैसला सुनाया था कि यह एक व्यक्ति का अधिकार है कि वह किसी भी चिकित्सा उपचार को लेने से इंकार कर दे जब तक कि उसके स्वयं के स्वास्थ्य का संबंध है। नरेंद्र कुमार बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार में एक समन्वय पीठ द्वारा पारित एक अन्य आदेश में सरकार ने भी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार प्रस्तुत किया था कि किसी भी कंपनी को टीकाकरण अनिवार्य करने की आवश्यकता नहीं है और सभी कर्मचारियों को आवश्यकता के बिना अपनी नौकरी पर लौटने की अनुमति दी गई थी। अदालत ने कहा कि समान तथ्य स्थितियों से संबंधित आदेशों के मद्देनजर सभी लंबित आवेदनों सहित वर्तमान याचिका का निस्तारण इस निर्देश के साथ किया जाता है कि उपरोक्त पारित विभिन्न आदेशों के अनुसार नियोक्ता द्वारा कोविड-19 टीकाकरण पर जोर नहीं दिया जा सकता है। शिक्षक के वकील ने प्रस्तुत किया कि सेवा लाभ के संबंध में प्रतिनिधित्व 14 जून 2022 को किया गया था। जवाब में अदालत ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर अधिकारियों को एक नए कवरिंग लेटर के साथ उसी की कॉपी फॉरवर्ड की जाए।

जेएनयू में 2 घंटे तक छात्र को बनाया गया बंधक

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) एक बार फिर चर्चा में है। यहां बीती रात जेएनयू छात्रसंघ की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी बीबीसी की डाक्यूमेंट्री दिखाने का ऐलान किया गया। इधर जैसे ही जेएनयू प्रशासन को यह बात पता चली उन्होंने नोटिस जारी कर कहा कि फिल्म की स्क्रीनिंग नहीं होनी चाहिए। इससे जेएनयू का माहौल खराब हो सकता है। साथ ही छात्रों को यह चेतावनी भी दी गई कि अगर किसी ने यह डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। हालांकि, जेएनयू प्रशासन की चेतावनी के बाद भी जेएनयू में छात्रों को डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। इस दौरान जेएनयू की ओर से बिजली सप्लाई बंद कर दी गई, लेकिन छात्र मोबाइल में डॉक्यूमेंट्री देखते रहे। इस बीच भगदड़ और पत्थरबाजी भी हुई। वहीं एक छात्र को भीड़ ने 2 घंटे तक बंधक बना लिया। छात्र का आरोप है कि अगर वहां मीडिया के लोग और उसके एक सीनियर न होते उसकी जान भी जा सकती थी। वहीं इस पूरे घटनाक्रम के बारे में जिले के डीसीपी से पूछे जाने पर कोई जवाब नहीं मिला। वहीं इसे लेकर एबीवीपी ने एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में गौरव नाम का छात्र बता रहा है कि मंगलवार रात में जब जेएनयू में लाइट कटी तो वह कुछ दोस्तों के साथ जेएनयू के बाहर चाय पीने गया। इस बीच उसने देखा कि वहां पहले ही भीड़ है और गेट बंद देखकर वह दोस्तों के साथ वापस लौटने लगा, तभी भगदड़ मची और छात्र इधर-उधर भागने लगे और इसी बीच उसे करीब 300 लोगों ने पकड़ कर घसीटा और उस पर तरह तरह के आरोप लगाने लगे। छात्र ने बताया कि उसने जेएनयू की कुलपति, रजिस्ट्रार और जेएनयू सिक्योरिटी को मेल किया है, लेकिन उनकी तरफ से न कोई कॉल आया है और न ही कोई कार्रवाई हुई है। वहीं एबीवीपी ने जेएनयू में हुई घटना पर कहा है कि वर्तमान में भारत, जी-20 की अध्यक्षता को लेकर महत्त्वपूर्ण भूमिका में है। विभिन्न क्षेत्रों में आधारभूत परिवर्तनों से जनाकांक्षाओं को मूर्त रूप मिल रहा है। इस तरह की स्थिति में हाल ही में आई पक्षपातपूर्ण, भारत के शीर्ष नेतृत्व पर आधारहीन आरोपों से युक्त बीबीसी डाक्यूमेंट्री, औपनिवेशिक तथा आधारहीन झूठे पुलिंदों का प्रतीक मात्र है। इस डॉक्यूमेंट्री के संदर्भ में कुछ विपक्षी दलों के नेता तथा तथाकथित बुद्धिजीवी, भ्रमपूर्ण स्थिति निर्मित कर निम्नस्तरीय व्यवहार के प्रयासों में संलिप्त हो रहे हैं जो कि निंदनीय है। भारतीय न्याय व्यवस्था ने गुजरात दंगों के विषय पर स्पष्ट निर्णय दिया है तथा लोकतांत्रिक ढंग से, जिसपर तथ्याधारित विचारों ने स्थिति को पूर्णतया स्पष्ट कर दिया है, उस स्थिति को बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री तोड़मरोड़ कर प्रस्तुत करने का प्रयास करती है। कुछ शैक्षणिक संस्थानों में असामाजिक तथा हुड़दंगियों द्वारा अवैध ढंग से इस डॉक्यूमेंट्री को प्रस्तुत करने के असफल प्रयास हो रहे हैं। इस बीबीसी डॉक्यूमेंट्री की तथ्यहीनता तथा प्रोपेगेंडा प्रवृत्ति के कारण ब्रिटिश प्रधानमंत्री से भी अस्वीकार्यता प्राप्त हुई। भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में इस डॉक्यूमेंट्री को प्रसारित करने के प्रयास, औपनिवेशिक मानसिकता के कारण उपजे हीनता बोध तथा हताशा का प्रतीक हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि, 'गुजरात दंगों पर सबकुछ भारतीय न्याय व्यवस्था द्वारा साफ कर दिए जाने के बावजूद विदेशी ताकतों द्वारा भ्रमपूर्ण स्थिति बनाने तथा विदेशी मीडिया ट्रायल की कोशिशें बंद होनी चाहिए। भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में कुछेक छात्र संगठन तथा असामाजिक तत्व इस मामले में भ्रमपूर्ण स्थिति निर्मित करने का असफल प्रयास कर रहे हैं। इस तरह के औपनिवेशिक पिछलग्गूपने की स्थिति पर रोक लगना बहुत आवश्यक है। वहीं जेएनयू छात्रसंघ की अध्यक्ष आइशी घोष ने करीब 30 सेकेंड का वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है, जिसमें वह छात्रों को संबोधित और उकसा रही हैं। वीडियो में वह कह रही हैं कि अगर एक स्क्रीन बंद करेंगे हम हजार स्क्रीन खोलेंगे और डॉक्यूमेंट्री देखेंगे। धमकी और पत्थरबाजी लोकतंत्र की भावना को नहीं तोड़ सकती। हम अपने गणतंत्र को मजबूत करेंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज से मिले बाबा रामदेव, बोट क्लब पर योग कर लिया क्रूज सवारी का आनंद

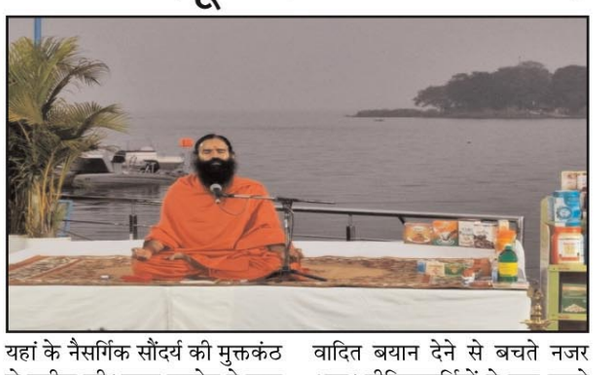

भोपाल, (हि.स.)। पतंजलि योग पीठ के प्रमुख, योग गुरु बाबा रामदेव बुधवार को भोपाल प्रवास पर के दौरान मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। मुख्यमंत्री चौहान ने बाबा रामदेव का स्वागत किया। इस दौरान उनके बीच उनके साथ योग, स्वास्थ्य एवं विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। बाबा रामदेव बुधवार सुबह भोपाल पहुंचे। यहां उन्होंने बड़ी झील के किनारे बोट क्लब पर प्रातःकाल लोगों को योगाभ्यास कराया। बाबा रामदेव बुधवार सुबह बोट क्लब पर पतंजलि योगपीठ के सदस्यों के साथ सुबह 05 से 08 तक योग शिविर में मौजूद रहे। इसके बाद यहां उन्होंने बड़ी झील में क्रूज की सवारी का आनंद भी लिया। इस अवसर पर उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए भोपाल नगरी और यहां के नैसर्गिक सौंदर्य की मुक्तकंठ से तारीफ की। बाबा रामदेव ने कहा कि भोपाल बहुत अच्छा, बहुत सुंदर है। मप्र के और भोपाल के लोग भी बहुत अच्छे हैं। उन्होंने कहा कि आज नेशनल टूरिज्म डे है। आध्यामिक, धार्मिक, नैसर्गिक, प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से यह प्रदेश और इसकी राजधानी भोपाल श्रेष्ठतम है। हालांकि, वह यहां पर कोई विवादित बयान देने से बचते नजर आए। मीडियाकर्मियों ने जब उनसे बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के हिंदू राष्ट्र बनाने के बयान पर प्रतिक्रिया लेनी चाही तो उन्होंने चुप्पी साध ली और मुस्कराते हुए हाथ जोड़ लिए। बोट क्लब पर कार्यक्रम के बाद बाबा रामदेव मुख्यमंत्री निवास पहुंचे और मुख्यमंत्री के साथ सौजन्य भेंट की।

वित्त मंत्री सीतारमण आज हलवा सेरेमनी से करेंगी बजट का आगाज

आशीष वर्मा

- कोरोना महामारी की वजह से पिछले 2 साल से नहीं हो पाई थी बजट से पहले हलवा सेरेमनी

नई दिल्ली, (हि.स)। वित्त वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट को अंतिम रूप देने से पहले आज हलवा सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। कोरोना महामारी की वजह से पिछले 2 साल से बजट से पहले हलवा सेरेमनी को खत्म कर दिया गया था। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को ट्वीट कर बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में 26 जनवरी को परंपरागत हलवा सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय बजट 2023-24 के लिए बजट तैयार करने की प्रक्रिया के अंतिम रूप देने से पहले हलवा सेरेमनी समारोह नॉर्थ ब्लॉक के अंदर स्थित बजट प्रेस में आयोजित किया जाएगा। मंत्रालय के जारी बयान के मुताबिक पिछले दो केंद्रीय बजटों की तरह इस बार भी केंद्रीय बजट कागज रहित होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को संसद में वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश करेंगी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि बजट दस्तावेज एक फरवरी को संसद में वित्त मंत्री के बजट भाषण पूरा होने के बाद Android और Apple OS दोनों प्लेटफार्मों पर "केंद्रीय बजट मोबाइल ऐप" पर उपलब्ध होंगे। हलवा सेरेमनी समारोह में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, वित्त मंत्रालय के सचिवों के अलावा वरिष्ठ अधिकारी और केंद्रीय बजट प्रेस के सदस्य शामिल होंगे।

क्या है हलवा सेरेमनी - दरअसल, भारतीय संस्कृति में किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत मीठा खाकर ही जाती है। इस वजह से आजादी के बाद से ही बजट पेश होने से पहले से हलवा सेरेमनी मनाई जाती है। हलवा सेरेमनी वित्त मंत्रालय के 10 नार्थ ब्लॉक स्थित परिसर में मनाई जाती है। हलवा सेरेमनी का आयोजन हमेशा बजट की तैयारी पूरी होने के बाद किया जाता है। इस कारण हलवा सेरेमनी को बजट पूरा होने का भी सूचक माना जाता है। बजट से जुड़ी जानकारी लीक न जाए, इसके लिए हलवा सेरेमनी पूरी होने के बड़े अधिकारियों समेत कर्मचारी वित्त मंत्रालय के परिसर में ही रहते हैं और वित्त मंत्री की ओर से बजट पेश होने के बाद ही निकलते हैं।

चीन सीमा पर तैनाती के लिए सेना खरीदेगी 100 रोबोटिक खच्चर

- यह खरीद अधिग्रहण फास्ट ट्रैक प्रक्रियाओं के तहत किए जाने की योजना

- अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम के बाद भारत के पास होंगे जेटपैक सैनिक

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सेना ने अगली परिवर्तनकारी छलांग लगाते हुए विशेष परिस्थितियों में तैनाती के लिए 48 जेटपैक सूट और 100 रोबोट खच्चर खरीदने का फैसला किया है। चीन सीमा पर हालात से निपटने के लिए सरकार से सशस्त्र बलों को दी गई आपातकालीन शक्तियों के तहत यह टेंडर जारी किए गए हैं। अमेरिका और यूके के बाद भारत तीसरा देश बन जाएगा, जिसके पास जेटपैक सैनिक होंगे। भारतीय सेना ने अपनी सूची में हाईटेक उपकरण शामिल करने के लिए 100 रोबोटिक खच्चर और 48 जेट पैक सूट खरीदने के लिए निविदा जारी की है, जो सैनिकों को 50 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से "उड़ान भरने" में सक्षम बना सकते हैं। सेना के अधिकारियों ने कहा कि 100 रोबोट खच्चरों और 48 जेट पैक सूट खरीदने के लिए अलग-अलग निविदाएं जारी की गई हैं। यह खरीद आपातकालीन प्रावधानों और फास्ट-ट्रैक प्रक्रियाओं के तहत की जाएगी। दोनों उत्पादों के लिए बोली जमा करने की आखिरी तारीख 7 फरवरी है। सफल बोली लगाने वाले को कम से कम दस साल के लिए रखरखाव प्रबंधन करना होगा। सैन्य अधिकारियों के अनुसार यह उत्पाद "मेक इन इंडिया" प्रावधानों के तहत बलों को आपूर्ति किये जाएंगे। जेट पैक सूट एक टरबाइन आधारित प्लेटफॉर्म है, जो अलग-अलग इलाकों में सैनिकों को सतह से सुरक्षित रूप से उठा सकता है। सेना ने निर्दिष्ट किया है कि जैक पैक सूट को सुरक्षित चढ़ाई, सुरक्षित टेक-ऑफ और लैंडिंग और सभी दिशाओं में अटैक करने में सक्षम होना चाहिए। सूट जेट ईंधन, डीजल या मिट्टी के तेल पर चल सकता है। इसकी अधिकतम गति 80 मील प्रति घंटा है और यह तकनीकी रूप से 12 हजार फीट की ऊंचाई तक पहुंचने में सक्षम हैं। जेटपैक की शेल्फ लाइफ 10 साल होनी चाहिए। निविदा के अनुसार रोबोट खच्चरों को 10 हजार फीट की ऊंचाई तक सामान ले जाने में सक्षम होना चाहिए। सेना के टेंडर में कहा गया है कि रोबोट को ऊबड़खाबड़ इलाकों में चढ़ाई चढ़ने और नीचे जाने में सक्षम होना चाहिए। दरअसल, सेना अभी तक उच्च ऊंचाईयों पर तैनात सैनिकों के लिए रसद आदि पहुंचाने के लिए पशु परिवहन (ऊंटों) का इस्तेमाल करती थी, जिसमें काफी समय लगता था। अब सेना पशु परिवहन को बदलने के लिए रोबोटिक खच्चर खरीदना चाहती है। सेना के अधिकारियों ने कहा कि रोबोट खच्चरों का उपयोग "स्काउट खच्चरों" के रूप में भी किया जाएगा, जो 10 किलो का वजन ढोने की क्षमता रखते हों। सेना का मानना है कि प्रासंगिक पेलोड के साथ रोबोट खच्चरों को कम से कम 100 किमी दूर से ट्रैक किया जाएगा। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम के बाद भारत तीसरा देश बन जाएगा, जिसके पास जेटपैक सैनिक होंगे। सेना के सूत्रों ने कहा कि इनका इस्तेमाल चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं के अलावा कई जगहों पर किया जा सकता है। यूनाइटेड किंगडम के रॉयल मरीन भी जेटपैक का उपयोग कर रहे हैं। सेना ने दो आरएफपी में कहा कि दोनों के लिए प्रशिक्षण हिमाचल प्रदेश के छावनी बोर्ड बकलोह में होगा।

निर्वाचन की गरिमा को रखेंगे अक्षुण्य, निर्भीक होकर करें मताधिकार का प्रयोग

- एसपी ने राष्ट्रीय मतदान दिवस पर दिलाई मताधिकार के प्रयोग की शपथ

मीरजापुर, (हि.स.)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर बुधवार को पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र ने जनपदीय पुलिस को निर्वाचन में अपने मताधिकार के प्रयोग की शपथ दिलाई। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन में नियुक्त समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियो को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्य रखते हुए, निर्भीक होकर अपने मताधिकार के प्रयोग की शपथ दिलाई। कहा कि किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार के प्रयोग करें। उन्होंने शपथ दिलाया कि हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा को बनाए रखेंगे। स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, मूलवंश, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसी प्रकार जनपद के पुलिस कार्यालय, समस्त थानों एवं चौकियों व शाखा कार्यालयों में नियुक्त कर्मियों को भी सम्बन्धित प्रभारी द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग के सम्बन्ध में शपथ दिलाई गई।

मुख्यमंत्री योगी ने सुनी फरियाद, न्याय का दिया भरोसा

गोरखपुर, (हि.स.)। दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को गोरखपुर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार की सुबह फरियादियों को सुना। गोरखनाथ मंदिर के हिंदू सेवाश्रम में लगाए गये जनता दरबार में मौजूद अधिकारियों को हर किसी के साथ न्याय करने का निर्देश दिया। फरियादियों को भी इस बात का भरोसा दिया कि हर कीमत पर सबके साथ न्याय होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पीड़ितों को थाने में ही हर हाल में न्याय मिलना चाहिए। दोषियों को जेल में डालें और उन्हें दण्डित कराएं। जनता दरबार में मुख्यमंत्री ने 300 से अधिक लोगों की समस्याएं सुनीं। इनमें ज्यादातर जमीन विवाद और थानों से जुड़ी समस्याएं रहीं। सुबह पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री, दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित जनता दरबार में पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण में देरी न करने की हिदायत दी। समय का ध्यान रखते हुए फरियादी की समस्या का निस्तारण कर उन्हें संतुष्ट करने

की वकालत की। जनता दरबार में जमीन विवाद और थाने से जुड़े सर्वाधिक मामले आने पर मुख्यमंत्री ने चिंता जताई और कहा कि कहीं न कहीं थाने और तहसील स्तर पर इसे लेकर लापरवाही है ।समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर मंदिर पहुंचे लोगों के पास मुख्यमंत्री खुद बारी-बारी पहुंचे। सभी की शिकायतें सुनीं और निस्तारण का आश्वासन दिया। जनता दरबार में कई लोग अपनों के गंभीर इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और गरीब के साथ खड़ी है। उन्होंने ऐसे सभी फरियादियों के प्रार्थना पत्र पर संबंधित जिले के प्रशासन को जल्दी रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि समय से इस्टीमेट बनाकर शासन को उपलब्ध कराएं। इससे किसी के इलाज में देरी नहीं होने पायेगी। कई महिलाएं जमीन की शिकायत लेकर पहुंची थीं। इसपर मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीन कब्जा करने वालों को कड़ा सबक सिखाया जाएगा। उन्होंने पुलिस को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार की दोपहर दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर पहुंचे। मंदिर में गुरु गोरक्षनाथ के दर्शन-पूजन के बाद अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर माथा टेका और फिर मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला पहुंचे। गायों को गुड़ खिलाने के बाद देर शाम तक मंदिर प्रशासन के पदाधिकारियों के साथ संवाद कर खिचड़ी मेला और व्यवस्था आदि की जानकारी ली।

निश्चिंत होकर निवेशक करें निवेश, मिलेगा अनुकूल माहौल : जनरल वीके सिंह

- जिला इन्वेस्ट समिट में केन्द्रीय मंत्री ने किया निवेशकों का स्वागत

गाजियाबाद, (हि.स.)। केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह बुधवार को आयोजित निवेशक सम्मलेन में शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने निवेशकों का आह्वान किया कि वे निश्चिंत होकर यहां पर निवेश करें, उन्हें उनके अनुकूल माहौल सरकार देगी। जिले के एक होटल में आयोजित "गाजियाबाद निवेशक सम्मलेन" में उन्होंने निवेशकों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले में बढ़ते आयामों और बढ़ती संभावनाओं पर चर्चा करते हुए वीके सिंह ने जिले के संसाधनों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने पर्यावरण को ध्यान में रखकर उद्योग लगाने और उनका संचालन करने का आग्रह किया। कहा कि बढ़ते निवेश से बढ़ते रोजगार और कारोबार से जनपद और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर अवसर प्राप्त होगा और आमदनी बढ़ेगी। निवेशक सम्मेलन में पहले से ही इन्वेस्टमेंट के लिए हर क्षेत्र के इन्वेस्टर (निवेशक) रुचि ले रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार लगभग 80 लाख करोड़ के लक्ष्य के समक्ष अभी तक 89,310 करोड़ रुपये के इन्वेस्टमेंट के लिए उद्यमियों ने हामी भर दी और एमओयू साइन किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी आरके सिंह ने इस अवसर पर बताया कि उत्तर-प्रदेश में फरवरी माह में होने वाली इन्वेस्टर से पहले जिले में एक लाख करोड़ का इन्वेस्टमेंट होने की संभावना है।

जिला प्रशासन व अन्य संबंधित विभागों मास्टर प्लान से लेकर तमाम सुविधाओं को लेकर भरोसा दिलाया है। यही कारण है कि हर क्षेत्र के निवेशकों ने इसमें रुचि भी ली है। शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग तकनीक में निवेशक आगे आये हैं। जिसका प्रमुख कारण रैपिड रेल भी एक है। रैपिड रेल 2023 में चालू हो जाएगी, जिसका सकारात्मक असर निवेशक को दिख रहा है। साथ ही शहर की परिवहन व्यवस्था को ठीक करने के लिए महानगर परिवहन में इलेक्ट्रिक बसें जोड़ी जा रही है। इस इन्वेस्टमेंट से पांच लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। निवेशकों को कोई परेशानी न हो, इस-ाके लिए निवेश मित्र पोर्टल का सरलीकरण किया जा रहा है। साथ ही निवेशकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए समय सीमा भी निर्धारित की गई है ताकि निवेशक के लिए अनुकूल माहौल मिले। इंफोसिस, कार्बन एक्सचेंज, पावर फाइनेंस, पावर ग्रिड, सोलर एनर्जी जैसे क्षेत्र में निवेशक निवेश करने के लिए तैयार हो रहे हैं। इस निवेशक कार्यक्रम में उप्र सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री नंद कुमार कश्यप, जिले की महापौर आशा शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी, पूर्व मंत्री अतुल गर्ग सहित अनेकों निवेशकों की उपस्थिति रही।

राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस पर प्रदेशवासियों को दी बधाई

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखी, समृद्ध एवं स्वस्थ जीवन की कामना की है। राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने बधाई सन्देश में कहा कि गणतंत्र दिवस का पर्व हम सबको एक सूत्र में बांधने वाली भारतीयता के गौरव का उत्सव है। इस शुभ अवसर पर विविधता में एकता की संस्कृति को बनाये रखते हुए अपने संविधान निमार्ताओं की आकांक्षाओं एवं महापुरुषों की इच्छाओं को पूर्ण करने का संकल्प लें और आत्मनिर्भर भारत का सपना

साकार करें। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल का जनता के नाम सन्देश का प्रसारण 26 जनवरी की सुबह आठ बजकर 30 मिनट पर लखनऊ के दूरदर्शन केन्द्र से प्रसरित होगा। साथ ही आकाशवाणी केन्द्र लखनऊ से 26 जनवरी की रात्रि 7:30 बजे प्रसारित किया जायेगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य और बिहार के शिक्षा मंत्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज

चित्रकूट, (हि.स.)। रामचरितमानस पर की गई अभद्र टिप्पणी मामले में राजापुर थाना में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य और बिहार के शिक्षामंत्री चंद्रशेखर सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। इसे लेकर पूर्व में रामचरित मानस के रचयिता संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास की जन्मस्थली राजापुर (चित्रकूट) के लोगों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने करीब नौ घंटे धरना- प्रदर्शन किया। इसके बाद राजापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है। भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट के राजापुर में रामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्मभूमि है। रामचरित मानस पर बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर सिंह एवं यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने अमर्यादित टिप्पणी की थी। इसे लेकर पूरे प्रदेश में बवाल मचा हुआ है। इससे पहले श्रीतुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरु रामभद्राचार्य महराज ने रामचरित मानस पर टिप्पणी करने वाले दोनों नेताओं पर करारा प्रहार किया। इसके बाद तुलसीदास की जन्मभूमि राजापुर में कई हिन्दू संगठनों ने सैकड़ों लोगों के साथ तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन के बाद दोनों नेताओं का न सिर्फ पुतला फूंका, बल्कि कार्रवाई की मांग की। इसके बाद धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन में शामिल समाजसेवी अनुज हनुमत द्विवेदी ने राजापुर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि जिस तरह बिहार के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर सिंह ने रामचरितमानस को लेकर विवादित टिप्पणी की है, उससे विश्व के करोड़ों हिन्दुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज शुक्ला ने कहा स्वामी प्रसाद मौर्य के श्री रामचरित मानस की चौपाइयों पर विवादित बयान उनकी मानसिक कमजोरी और अज्ञानता का प्रमाण है। राष्ट्रीय हिन्दू संगठन चित्रकूट जिलाध्यक्ष पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने दोनों नेताओं के गलत बयानबाजी की घोर निन्दा की है। वहीं करीब नौ घंटे तक धरने पर बैठने के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को कार्रवाई का आश्वासन देकर प्रदर्शन खत्म कराया। धरना प्रदर्शन में गोस्वामी तुलसीदासजी जी की वंश परंपरा से रामआश्रय पुजारी जी, पुजारी तुलसी जन्मकुटीर विष्णुकान्त चतुर्वेदी, अटल जनशक्ति के जिलाध्यक्ष अन्नु मिश्रा, पत्रकार अनिल सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे। राजापुर थानाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह ने बताया कि बिहार के शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर सिंह और यूपी के सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस को लेकर विवादित बयान दिया था। इस मामले में एक तहरीर प्राप्त हुई है,जिसके आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच की जा रही है।

लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प जरूर दोहराए मतदाता : मायावती

- राष्ट्रीय मतदाता दिवस को लेकर मायावती का ट्वीट

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विभिन्न जिलों में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मायावती ने मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाताओं को जागरूक करने का काम किया है। मायावती ने बुधवार को अपने अधिकारिक ट्वीटर हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने देश के संविधान में एक व्यक्ति-एक वोट तथा हर वोट का एक मूल्य जैसा अद्भुत समतामूलक सिद्धान्त यहां देश में लागू करने का युग-परिवर्तनीय काम किया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भी अपने वोट से लोकतंत्र को मजबूत करने का संकल्प जरूर दोहराना चाहिए।

लखनऊ हादसे में सपा प्रवक्ता अब्बास हैदर की मां और पत्नी की मौत पर अखिलेश ने जताया दुख

लखनऊ, (हि.स.)। उप्र की राजधानी लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में मंगलवार को एक इमारत के ढहने से उसके मलबे में दबकर सपा प्रवक्ता की मां और पत्नी की मौत हो गई है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू ऑपरेशन कर जमीदोज इमारत के मलबे से बुधवार को दोनो को निकाला है। इस घटना पर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गहरा दुख जताया है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार की रात वजीर हसनगंज रोड पर स्थित एक इमारत गिर गई थी। इमरात के मलबे में कई परिवार के सदस्य फंस गए थे। घटना की जानकारी पर पहुंची जिला व पुलिस प्रशासन के साथ आलाधिकारियों ने रेस्क्यू आपरेशन कराते हुए कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस-ाके बाद भी इमारत में कई लोग फंसे रहे। जिन्हें निकालने के लिए पूरी रात एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रखा। बुधवार को सुबह से जारी बारिश के बीच बेहद मुश्किल हालात में टीमों ने रेस्क्यू कर मलबे में फंसी सपा प्रवक्ता अब्बास हैदर की मां और फिर उनकी पत्नी उज्मा हैदर को निकाला गया और उन्हें सिविल अस्पताल भेजा गया। जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। मंडलायुक्त रोशन जैकब प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर मौजूद हैं और पूरा मलबा हटाए जाने तक रेस्क्यू जारी रखने की बात कह रहीं हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जताया दुख - सपा प्रवक्ता की मां के निधन पर अखिलेश यादव ने भी शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, "समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अब्बास हैदर की माता बेगम हैदर और पत्नी उज्मा अब्बास का निधन, अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें।

हाईकोर्ट के सिटिंग जज करें अलाया अपार्टमेंट मामले न्यायिक जांच : अधिकार सेना

लखनऊ, (हि.स.)। अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने वजीर हसनगंज रोड पर स्थित अपार्टमेंट के गिरने की हादसे को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने हादसे की न्यायिक जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज से कराने की मांग की है। साथ ही दोषी एलडीए विभाग के सम्बंधित अधिकारियों पर भी कार्रवाई की बात कही है। अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हजरतगंज थाना क्षेत्र के वजीर हसनगंज रोड पर स्थित अलाया अपार्टमेंट हादसे को लेकर न्यायिक जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब के अधीन एक तीन सदस्यीय जांच समिति को पूरी तरह अपर्याप्त है। इस-ाकी हाईकोर्ट के सिटींग जज से न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने पत्र में लिखा है कि अपार्टमेंट के मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया जा रहा है लेकिन इस मामले में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के सम्बंधित अफसर भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं, जिन्हें इस इमारत की समस्त अवैध गतिविधियां की सम्पूर्ण जानकारी थी, लेकिन इस-ाके बाद भी वे जानबूझ कर इस ओर पूरी तरह आंख मूंदे बैठे रहे थे। उनकी शिकायत पर उनके अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

गणतंत्र दिवस पर रांची हवाई अड्डे की विशेष निगहबानी, चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबल तैनात

रांची, (हि.स.)। गणतंत्र दिवस को लेकर पूरा शहर अलर्ट मोड पर है। हवाई अड्डा प्रशासन ने भी सुरक्षा के सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये हैं। हवाई अड्डा प्रबंधन के साथ-साथ केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और जिला बल के जवान आने-जाने वालों की गहन जांच कर रहे हैं। हवाई अड्डा अथॉरिटी ने भी सुरक्षा के मद्देनजर अपने सभी कर्मचारियों को विशेष दिशा-निर्देश दिए हैं। सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट मनीष कुमार ने बताया कि 15 अगस्त और 26 जनवरी को सरकारी की ओर से रूटीन अलर्ट जारी किया जाता है, जिसके अंतर्गत सीआईएसएफ के जवानों की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाती है। उन्होंने बताया कि इस बार भी अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि सीआईएसएफ के जवान पूरे साल यात्रियों की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। लेकिन 26 जनवरी और 15 अगस्त से मौके पर जवान सुरक्षा की प्रक्रिया को और भी सख्त कर देते हैं, ताकि कोई भी असामाजिक तत्व हवाई अड्डे के माध्यम से शहर के अंदर प्रवेश न कर सके। हवाई अड्डा प्रबंधन ने बताया कि 26 जनवरी और 15 अगस्त के मौके पर यात्रियों को डबल सिक्योरिटी चेक कराना पड़ता है। ऐसे में एयरपोर्ट प्रबंधन की तरफ से एयरलाइंस को पहले ही सूचित कर दिया जाता है कि यात्रियों को एयरपोर्ट पर दो से तीन घंटे पहले आने के बारे में सूचित कर दिया जाए, ताकि यात्रियों को किसी तरह की समस्याओं का सामना ना करना पड़े।

हवाई अड्डा थाना के एएसआई सुधांशु कुमार ने बताया कि एयरपोर्ट प्रशासन और जिला प्रशासन एयरपोर्ट पर आने जाने वालों पर लगातार पैनी नजर बनाए हुए हैं। जो भी अंजान चेहरे या फिर शक की निगाह से देखे जा रहे हैं, उन्हें तुरंत हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे पर जितने भी यात्री आ रहे हैं, उनके सामानों की सघन जांच की जा रही है। हवाई अड्डा परिसर में घुसने वाली गाड़ियों की भी तीन से चार बार चेकिंग की जाती है, ताकि परिसर के अंदर कोई भी असामाजिक तत्व प्रवेश न कर सके। सुरक्षा में तैनात पदाधिकारियों ने बताया कि 26 जनवरी के साथ-साथ 27 जनवरी को रांची में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय मैच को लेकर भी जवान मुस्तैद हैं। ऐसे में पुलिसकर्मी और प्रशासन के लोगों की जिम्मेदारी बनती है कि किसी भी तरह की सुरक्षा में चूक ना हो। उल्लेखनीय है कि रांची हवाई अड्डा काफी संवेदनशील माना जाता है। पिछले दिनों अंजान नंबरों से हवाई अड्डे को उड़ाने की बात भी सामने आई थी। इन सभी बातों को देखते हुए सीआईएसफ की टीम 24 घंटे हवाई अड्डे के चप्पे-चप्पे पर नजर बनाए हुए है।

असिस्टेंट टाउन प्लानर नियुक्ति मामले की अगली सुनवाई 14 फरवरी को

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश एस चंद्रशेखर और न्यायाधीश रत्नाकर भेंगरा की अदालत में बुधवार को सहायक टाउन प्लानर नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने मामले से जुड़ी सभी याचिकाओं पर अगली सुनवाई की तिथि 14 फरवरी निर्धारित की है। अलग-अलग याचिकाकताओं ने इस मामले में कुल तीन रिट याचिका और दो एलपीए दायर की है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने सहायक टाउन प्लानर नियुक्ति संबंधी विज्ञापन जारी किया था। आयोग ने नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली। रिजल्ट प्रकाशित कर दिया गया। सरकार को चयनित अभ्यर्थी की नियुक्ति के लिए अनुशंसा भी भेज दी गई। परीक्षा में चयन से वंचित अभ्यर्थियों ने आयोग के परीक्षा प्रक्रिया को हाई कोर्ट में चुनौती दी। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने नियुक्ति प्रक्रिया को सही मानते हुए याचिकाकताओं की याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद याचिकाकताओं ने एकल पीठ के आदेश को हाई कोर्ट की डबल बेंच में चुनौती दी है। याचिका में कहा गया है कि कर्मचारी चयन आयोग ने नियुक्ति में नियमों की अनदेखी की है। इसलिए इस परीक्षा परिणाम को रद्द कर दिया जाए। उन्होंने आरोप लगाया है कि परीक्षा में अंतिम रूप से 22 चयनित अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिनके पास विज्ञापन की अंतिम तिथि तक इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर में पंजीयन का प्रमाण पत्र नहीं है। ऐसे अभ्यर्थियों का चयन बताता है कि परीक्षा में गड़बड़ी हुई है।

गणतंत्र दिवस पर नक्सलियों के खिलाफ अभियान शुरू, अंतरराज्यीय सीमा सील

मेदिनीनगर, (हि.स.)। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर नक्सलियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है। अंतरराज्यीय सीमा को सील किया गया है। नक्सलियों के खिलाफ अभियान में कोबरा, सीआरपीएफ, जगुआर, जैप, आईआरबी और जिला बल के जवानों को लगाया गया है। अभियान अति नक्सल प्रभावित पलामू, गढ़वा और लातेहार के इलाके में एक साथ शुरू किया गया है। यह अभियान अंतरराज्यीय के साथ-साथ अंतर जिला भी है। पलामू एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस अलर्ट मोड में है। पुलिस सभी इलाकों में नजर बनाए हुए है। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की गई है। पुलिस के जवान चप्पे-चप्पे पर नजर रखे हुए हैं और संदिग्ध गतिविधि के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस के दिन शराब दुकानों को बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर छत्तीसगढ़, यूपी, बिहार से सटे हुए सीमावर्ती इलाके को भी सील किया गया है। एसपी ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ अभियान झारखंड-बिहार, झारखंड-छत्तीसगढ़, पलामू-गढ़वा, पलामू-लातेहार और लातेहार-गढ़वा सीमा पर शुरू किया गया है। गणतंत्र दिवस को लेकर पलामू जिले के सभी थानों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पलामू में 27 थाना और 17 पुलिस पिकेट हैं जबकि गढ़वा और लातेहार मिलाकर 30 थाना और 50 से अधिक पिकेट हैं। पिकेटों के माध्यम से नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान चलाया जा रहा है। पलामू में बिहार, चतरा, लातेहार जबकि गढ़वा और लातेहार में छत्तीसगढ़ सीमा पर अभियान शुरू किया गया है।

उपेन्द्र कुशवाहा भाजपा के संपर्क में, इसलिए कर रहे अनर्गल बयानबाजी : नीतीश

पटना, (हि.स.)। जदयू नेता उपेंद्र कुशवाहा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जो लोग भाजपा में जाना चाहते हैं वो दूसरों को लेकर तरह-तरह की बातें करते ही हैं। पटना के एएन कॉलेज में सत्येंद्र नारायण सिन्हा की प्रतिमा के अनावरण के बाद मुख्यमंत्री ने बुधवार को इशारों में कहा कि जदयू नेता उपेंद्र कुशवाहा खुद ही भाजपा के सम्पर्क में जाना चाहते हैं जिस कारण वे जदयू नेताओं को लेकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। यदि ऐसा है तो जो लोग भाजपा के संपर्क में है उनका नाम दीजिए। पार्टी के कमजोर होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो लोग खुद भाजपा के सम्पर्क में हैं वही ऐसे बातें करते हैं। जो कह रहे है कि जदयू कमजोर हुई है उन्हें खूब खुशी मनानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी कहां कमजोर हुई है। पहले की तुलना में हमारी सदस्यता दोगुनी हो गई है। पहले बिहार में जदयू सदस्यों की संख्या 43 से 44 लाख थी। अब सदस्यों की संख्या बढ़कर 75 लाख हो गई है लेकिन कुछ लोग कुछ बोलते रहते हैं। उल्लेखनीय है कि उपेन्द्र कुशवाहा ने बीते मंगलवार को कहा था कि नीतीश कुमार के खिलाफ जदयू में षड्यंत्र रचा जा रहा है। जदयू को कमजोर किया जा रहा है। इससे एक दिन पूर्व उन्होंने पटना एयरपोर्ट पर दिल्ली से लौटने के बाद कहा था कि जदयू के कई नेता भाजपा के सम्पर्क में हैं।

तीन अपराधियों पर पुलिस मुख्यालय ने घोषित किया 50-50 हजार का इनाम

बेगूसराय, (हि.स.)। अपराध पर काबू पाने तथा फरार अपराधियों को पकड़ने के लिए बिहार पुलिस पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है। लगातार छापेमारी के बाद अब बिहार सरकार के पुलिस मुख्यालय ने बेगूसराय के तीन कुख्यात फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। एसपी योगेन्द्र कुमार ने बुधवार को बताया कि तीन फरार अपराधी तेघड़ा थाना क्षेत्र के बनहारा निवासी शिव लोचन राय उर्फ लुसकी राय तथा चकिया सहायक थाना क्षेत्र के सिमरिया घाट बिंद टोली निवासी कारे उर्फ करूआ उर्फ कारे बिंद एवं बिहारी महतो उर्फ नेटहवा कई गंभीर कांडों में वांछित और फरार है। इस तीनों अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए बिहार पुलिस मुख्यालय द्वारा 50-50 हजार के पुरस्कार राशि की घोषणा की गई है। इन अपराधियों को गिरफ्तार करने वाले तथा उसकी गिरफ्तारी में सहयोग करने वाले को उक्त राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। गिरफ्तारी में सहयोग करने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाएगी। इस संबंध में सूचना पुलिस कंट्रोल रूम में 9264429701 या 06243-230200 पर दी जा सकती है। एसपी ने बताया कि सभी थानाध्यक्ष एवं सहायक थानाध्यक्ष को इसकी सूचना अपने-अपने थाना के बोर्ड, दीवार, रेलवे प्लेटफॉर्म एवं थाना क्षेत्र के चौक-चौराहा पर लगाने तथा अपने स्तर से भी प्रचार-प्रसार करते हुए कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी अविलंब कराने का आदेश दिया गया है।

प्रधानमंत्री के "परीक्षा पे चर्चा" से बच्चों को मिलती है नई ऊर्जा और दृष्टि : राकेश सिन्हा

बेगूसराय, (हि.स.)। परीक्षा का तनाव कम करने के लिए 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए जाने वाले परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को लेकर व्यापक पैमाने पर तैयारी की जा रही है। इस वर्ष का परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम इतिहास रचने वाला है। इसको लेकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय जहां अधिक से अधिक बच्चों को इस कार्यक्रम में शामिल कराने के लिए विभागीय स्तर पर प्रेरित कर रहा है, तो जनप्रतिनिधि भी बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को लगातार प्रेरित कर रहे हैं। सरकारी स्तर पर इसके जागरूकता के लिए स्कूली बच्चों के बीच आर्ट एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन कर बच्चों को पुरस्कृत किया गया। बच्चों के बीच प्रधानमंत्री द्वारा लिखित एग्जाम वॉरियर्स पुस्तक का वितरण किया गया है। राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा ने अधिक से बच्चों को इसमें शामिल होने की अपील किया है। उन्होंने कहा है कि पूरी दुनिया में स्कूली बच्चे परीक्षा के तनाव में रहते हैं। परीक्षा के इस तनाव पर दो हजार से अधिक शोध पत्र लिखे जा चुके हैं। दुनियाभर में एनजीओ इस पर काम कर रहा है। परीक्षा के तनाव के कारण बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं, अभिभावक और शिक्षक दबाव में रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसके लिए बच्चों से संवाद करने का अनोखा माध्यम निकाला है। वह बच्चों से कहते हैं कि हमेशा यह करो यह नहीं करो और इसके दायरे में रखते हैं, लेकिन उन्हें हम सुनते नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा है कि बच्चों के मानसिक स्तर को देखते हुए, उनके नई उर्जा और दृष्टि को देखते हुए संवाद करना चाहिए। स्कूली बच्चे, शिक्षकों

और अभिभावकों के दायरे में सीमित रहते थे, उनको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समाजिक विमर्श और सांस्कृतिक दायरे का हिस्सा बना दिया। आज बच्चों को महसूस हो रहा है कि भारतीय गणतंत्र से जुड़े देश के सबसे बड़े पद पर बैठे व्यक्ति उनसे संवाद कर रहे हैं। उनकी भाषा, उनकी जुबान, उनके मानसिक स्तर की बातें कर रहे हैं, प्रोत्साहित कर रहे हैं। नरेन्द्र मोदी ने इसे जन आंदोलन का रूप दे दिया है। सभी जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की जा रही है कि वे बच्चों के बीच जाकर परीक्षा पर संवाद करें। इस अनोखा और बुनियादी चीजों को इंट्रोड्यूस किया गया है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम पूरी दुनिया में प्रतिमान की तरह होगा। अन्य देशों में इसे आजमाया जाए तो बच्चों की उस समस्या को दूर कर पाएगा, बच्चों के अभिव्यक्ति की ताकत को बढ़ावा मिलेगा।

संपादकीय

भारतीय भाषाओं में निर्णय का स्वागत

देश में लंबे समय से माँग हो रही थी कि न्यायालय के निर्णय भारतीय भाषाओं में आने चाहिए। भारत में बहुसंख्यक जनसंख्या ऐसी है, जो अपनी मातृभाषा को भली प्रकार समझती है, अंग्रेजी नहीं। परंतु न्यायालय की मुख्य भाषा अंग्रेजी ही है। न्यायालय की कार्यवाही से लेकर निर्णय तक, सब कामकाज अंग्रेजी में होता है। इस कारण आम आदमी यह समझ ही नहीं पाता कि उसके प्रकरण में चल क्या रहा है। लोग अपने प्रकरण को समझ सकें और न्यायालय जो निर्णय सुनाए, उसको जान सकें, इसके लिए भारतीय भाषाओं में निर्णय देने की व्यवस्था बनाने की दिशा में कुछ ठोस पहल होने के संकेत मिले हैं। भारत के मुख्य न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने एक कार्यक्रम में इस बात के संकेत दिए हैं कि उच्चतम न्यायालय के निर्णयों को क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। जब देश के मुख्य न्यायमूर्ति ने यह कह दिया है, तब इस बात पर भरोसा किया जा सकता है कि जल्द ही देशवासियों को बड़ी सौगात मिल सकती है। उल्लेखनीय है कि तकनीक के इस दौर में यह बहुत कठिन काम भी नहीं है। जब दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारतीय ग्राहकों से संवाद करने के लिए और उन्हें आकर्षित करने के लिए तकनीक का उपयोग करके हमारी मातृभाषा को बढ़ावा दे रही हैं, तब भारत की संवैधानिक व्यवस्थाओं की तो यह पहली जिम्मेदारी बनती है कि भारतीय भाषाओं को प्राथमिकता दी जाए और उन्हें मजबूत किया जाए। मुख्य न्यायमूर्ति ने इस ओर संकेत भी किया है कि न्यायालय के निर्णय को विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के लिए तकनीक का सहयोग भी लिया जा सकता है। मुख्य न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ का यह वक्तव्य बहुत ही महत्वपूर्ण है। यदि उनके कार्यकाल में यह संभव हुआ तो उनका नाम इतिहास में सदैव के लिए दर्ज हो जाएगा। सही मायने में नागरिकों को बहुत बड़ी सहूलियत देनेवाली ऐसी किसी भी पहल की खुलेदिल से प्रशंसा करनी चाहिए। हमें यह समझना होगा कि यदि देश की सर्वोच्च न्यायपालिका जब यह पहल करेगी तब विभिन्न राज्यों में स्थापित उच्च न्यायालय एवं सत्र न्यायालय भी उसका अनुसरण करेंगे। याद रखें कि अपनी भाषा में सामग्री उपलब्ध कराना कोई कठिन काम नहीं है। उल्लेखनीय है कि जब अता तुर्क कमाल पाशा तुर्की का बादशाह बना तब उसने अरबी एवं रोपन भाषा को हटाकर तुर्की भाषा को प्रचलन में लेकर आए। उस समय वहाँ के प्रशासनिक प्रमुखों ने इस निर्णय को अव्यवहारिक बताया था और ऐसा करने में असमर्थता जताई थी, लेकर अता तुर्क ने साबित किया कि अपनी मातृभाषा में अच्छी प्रकार से देश का विकास होता है। यदि हम ठान लें तो कुछ भी असंभव या कठिन नहीं है। यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि स्वतंत्र भारत को ऐसा नेतृत्व प्राप्त हुआ, जिसने भारतीयता को बढ़ावा देने की अपेक्षा विदेशी ताकतों को संतुष्ट रखने का काम किया। उस समय के नेतृत्व ने महात्मा गांधी के आग्रह के बाद भी हिन्दी और ग्राम स्वराज्य के विचार को नकार दिया था। बहरहाल, इस संदर्भ में एक और अच्छी बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सर्वोच्च न्यायालय की प्रशंसा की। उन्होंने ट्वीट किया कि हाल में एक कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने उच्चतम न्यायालय के फैसलों को क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की दिशा में काम करने की बात कही। यह एक प्रशंसनीय विचार है, जो कई लोगों की मदद करेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय भाषाओं को नजदीक लाने एवं भाषाओं को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने महत्वपूर्ण पहल की है। उम्मीद है कि शीघ्र ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों की प्रतियां भारतीय भाषाओं में मिलना प्रारंभ हो जाएगी।

> मुख्य न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ का यह वक्तव्य बहुत ही महत्वपूर्ण है। यदि उनके कार्यकाल में यह संभव हुआ तो उनका नाम इतिहास में सदैव के लिए दर्ज हो जाएगा। सही मायने में नागरिकों को बहुत बड़ी सहूलियत देनेवाली ऐसी किसी भी पहल की खुलेदिल से प्रशंसा करनी चाहिए। हमें यह समझना होगा कि यदि देश की सर्वोच्च न्यायपालिका जब यह पहल करेगी तब विभिन्न राज्यों में स्थापित उच्च न्यायालय एवं सत्र न्यायालय भी उसका अनुसरण करेंगे। याद रखें कि अपनी भाषा में सामग्री उपलब्ध कराना कोई कठिन काम नहीं है। उल्लेखनीय है कि जब अता तुर्क कमाल पाशा तुर्की का बादशाह बना तब उसने अरबी एवं रोपन भाषा को हटाकर तुर्की भाषा को प्रचलन में लेकर आए। उस समय वहाँ के प्रशासनिक प्रमुखों ने इस निर्णय को अव्यवहारिक बताया था और ऐसा करने में असमर्थता जताई थी, लेकर अता तुर्क ने साबित किया कि अपनी मातृभाषा में अच्छी प्रकार से देश का विकास होता है। यदि हम ठान लें तो कुछ भी असंभव या कठिन नहीं है। यह हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि स्वतंत्र भारत को ऐसा नेतृत्व प्राप्त हुआ, जिसने भारतीयता को बढ़ावा देने की अपेक्षा विदेशी ताकतों को संतुष्ट रखने का काम किया। उस समय के नेतृत्व ने महात्मा गांधी के आग्रह के बाद भी हिन्दी और ग्राम स्वराज्य के विचार को नकार दिया था। बहरहाल, इस संदर्भ में एक और अच्छी बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सर्वोच्च न्यायालय की प्रशंसा की।

अमृत कलश

इतनी प्रतिमाएं क्यों?

आप देश के किसी भी शहर में पहुंच जाइए वहां गांधी प्रतिमा या गांधी मार्ग अवश्य मिल जाएगा और भी अनगिनत महापुरुषों के नाम पर स्थलों की भरमार है। दरअसल हमने एक ऐसे राष्ट्र की संकल्पना कर दी है जहां चौराहे- चौराहे महापुरुषों की प्रतिमाओं का बाजार खड़ा है। उनके नाम पर नाना तरह के मार्ग हैं। उन मार्ग पर चलकर हम थोड़ी देर के लिए यह गुमान भी पाल लेते हैं कि हम उन्हीं के पदचिह्न पर चल रहे हैं। हम उन्हीं के जैसे हैं। वैसे तो दुनिया का ही मानस इस तरह का है लेकिन भारत का मानस इसमें चार हाथ आगे है। वो हर युग में अवतार तलाशता रहता है, आदर्श खोजता फिरता है. खुद दीन-हीन बन किसी का सहारा चाहता है। वो किसी भी तरह की झंझट, चुनौती, संघर्ष और आफत से बचना चाहता है इसलिए उसने ईश प्रतिमाओं को कैद कर ताले जड़ दिए। उनकी कथनी को तो जीवन में उतारने का साहस था नहीं सो सुबह- शाम हाजिरी लगा पल्ला झाड़ लेता है। हम सभी उसी परंपरा के वाहक हैं। जबकि होना यह था कि हमें उनकी प्रेरक नसीहतों का अनुसरण कर अनुयाई बनना था। उन्हें जीवन में आत्मसात करना था लेकिन हम वैसा कर पाने में असफल साबित हुए। इसलिए यह वैकल्पिक रास्ता चुन लिया. जो सहज लगा. लेकिन अर्थहीन है। सूत्र यह है कि जीवन में किसी ने आप पर यदि गहरी छाप छोड़ी है। जीवन ऊर्जा को रुपांतरित किया है तो कृपया उसकी प्रतिमा, मार्ग और तस्वीर पर पुष्प अर्पित करने के बजाय उसके अंशावतार को जीवन में उतार लें यही सच्ची आदरांजलि होगी। हालांकि यह दुःसाध्य है।'

-डॉ. आशीष द्विवेदी

बोध कथा

भारत की ज्ञान परंपरा

छांदोग्योपनिषद में ऋषि उद्दालक ने अपने पुत्र श्वेतकेतु से कहा- देखो, सामने वटवृक्ष है, उसका फल ले आओ।
श्वेतकेतु कुछ ही क्षणों में फल ले आये।
तब ऋषि ने कहा- श्वेतकेतु इस फल को तोड़ दो।
श्वेतकेतु ने फल तोड़ दिया।
ऋषि ने पूछा - इसमें क्या देखते हो?
श्वेतकेतु ने कहा-भगवन ! मैं इसमें छोटे-छोटे बीज देखता हूं।
ऋषि ने कहा -इनमें से एक दाने को तोड़ दो।
श्वेतकेतु ने एक बीज तोड़ दिया। ऋषि ने कहा- इसमें क्या देखते हो? उत्तर मिला भगवन कुछ भी नहीं। गुरू ने कहा-सौम्य! तू कुछ भी नहीं कह रहा है, जिसे अणु रूप में तू कुछ नहीं देख पा रहा है उसी से यह महान वृक्ष खड़ा हो जाता है। यह थी हमारी शिक्षा प्रणाली। खेल खेल में शिक्षा नहीं ज्ञान परोसती थी। इसी रहस्य को समझने के लिये कि समस्त विश्व अणुवाद के सिद्धांत से संचालित है, आज के विश्व ने करोड़ों अरबों डालर खर्च किये और एक हमारे ऋषि थे कि जिन्होंने एक वट वृक्ष के बीज से ही श्वेतकेतु को समझा दिया कि अणुवाद क्या है? और यह कैसे समस्त चराचर जगत का मूल आधार है।

भारत ने खुद को संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया

नये भारत को आकार देने के संकल्पों का गणतंत्र

ललित गर्ग

> राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दविस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये है? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? हमने जिस संपूर्ण संविधान को स्वीकार किया है, उसमें कहा है कि हम एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुदख अहसास है।

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत ने खुद को संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया। तेहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जश्न सामने हैं, जिसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये है? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? हमने जिस संपूर्ण संविधान को स्वीकार किया है, उसमें कहा है कि हम एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके दूसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, भारत के लिये एक शुभ एवं श्रेयस्कर घटना है इसी एक दिसंबर को जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता संभालना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व

में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ है भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घोषित नई शिक्षा नीति की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता धीरे-धीरे सामने आने लगी है एवं उसके उद्देश्यों की परते खुलने लगी है। आखिरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति की शुरुआत करते हुए अगस्त तक डिजिटल यूनिवर्सिटी के शुरू होने और विदेशों के ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज और येल जैसे उच्च स्तरीय लगभग पांच सौ श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों के भारत में कैंपस खुलने शुरु हो जायेंगे। अब भारत के छात्रों को विश्वस्तरीय शिक्षा स्वदेश में ही मिलेगी और यह कम खर्चीली एवं सुविधाजनक होगी। इसका एक लाभ होगा कि कुछ सालों में भारतीय शिक्षा एवं उसके उच्च मूल्य मानक विश्वव्यापी होंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की यह अनूठी एवं दूरगामी सोच से जुड़ी सराहनीय पहल है। यह शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं का अभ्युदय है। कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है, कैसे कोरोना जैसी महाव्याधि को परास्त करते हुए जनजीवन को सुरक्षित एवं स्वस्थ रख सकती है, कैसे महासंकट में भी अर्थव्यवस्था को ध्वस्त होने से बचा सकती हैं, कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। काशी की जो चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, इसके लिये भगवान शिव की नगरी काशी के सांसद एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरा श्रेय दिया जाना चाहिए। किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में अधिकतम यानी शत-प्रतिशत मताधिकार का प्रयोग हो, इसके लिये देश में चुनाव प्रक्रिया में एक और क्रांतिकारी कदम की दिशा में अग्रसर होते हुए एक नये अध्याय की शुरुआत होने जा रही है, जिसके अन्तर्गत रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (आरईवीएम) का मॉडल विकसित कर चुनाव आयोग ने महत्त्वपूर्ण पहल की है। चुनावों के दौरान यह मशीन उन घरेलू प्रवासियों के लिए वरदान साबित होगी, जो शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के सिलसिले में अपने चुनाव क्षेत्रों से बाहर रहते हैं। आरईवीएम को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करने के बाद जो प्रवासी जहां है, वहीं से मतदान कर सकेगा। निश्चित ही इसके लागू होने से मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा एवं लोकतंत्र में जनभागीदारी अधिकतम होने लगेगी। इससे भारत का गणतंत्र एक नई आभा एवं मजबूती से चमक उठेगा। भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चैंकाने वाले लगते हैं। काशी से नरेन्द्र मोदी ने जो संदेश दिया है, उसे केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। उनका यह कहना खास मायने रखता है कि सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि यह सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है।

भारत में उपभोग की असमानता पिछले 40 वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

> भारत में अर्थ से सम्बंधित प्राचीन ग्रंथों, आध्यात्मिक ग्रंथों सहित, में यह कहा गया है कि यह राजा का कर्तव्य है कि वह अपनी प्रजा की अर्थ से सम्बंधित समस्याओं का हल खोजने का प्रयास करे पंडित श्री दीनदयाल उपाध्याय जी ने भी एक बार कहा था कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए केवल राजनैतिक सत्ता हासिल करना अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए बल्कि यह एक माध्यम बनना चाहिए इस बात के लिए कि देश के गरीब से गरीब व्यक्ति तक आर्थिक विकास का लाभ पहुंचाया जा सके। सामान्यत: विभिन्न देशों में आर्थिक विकास के चक्र के द ौरान देश के नागरिकों के बीच आय की असमानता की खाई बहुत गहरी होती जाती है। विशेष रूप से जिन देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाया गया है वहां इस तरह की समस्या गम्भीर होती गई है और इन देशों को इस समस्या को हल करने का कोई उपाय दिखाई नहीं दे रहा है। विश्व में आज ऐसे कई देश हैं जिनके 20 प्रतिशत नागरिकों के पास 80 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति जमा हो गई है जबकि 80 प्रतिशत नागरिकों के पास केवल 20 प्रतिशत से भी कम संपत्ति है। प्राचीन भारत में आय की असमानता की समस्या के इस तरह से गम्भीर रूप लेने का उल्लेख भारतीय ग्रंथों में नहीं मिलता है।

किसी भी देश की आर्थिक नीतियां सफल हो रही हैं, इसका एक पैमाना यह भी हो सकता है कि क्या समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक इन आर्थिक नीतियों का लाभ पहुंच रहा है? भारत में हाल ही के समय में इस संदर्भ में कुछ विशेष प्रयास किए गए हैं और यह प्रयास एक तरह से प्राचीन भारत में लागू की गई आर्थिक नीतियों की झलक दिखलाते नजर आ रहे हैं। भारत में अर्थ से सम्बंधित प्राचीन ग्रंथों, आध्यात्मिक ग्रंथों सहित, में यह कहा गया है कि यह राजा का कर्तव्य है कि वह अपनी प्रजा की अर्थ से सम्बंधित समस्याओं का हल खोजने का प्रयास करे। पंडित श्री दीनदयाल उपाध्याय जी ने भी एक बार कहा था कि किसी भी राजनैतिक दल के लिए केवल राजनैतिक सत्ता हासिल करना अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए बल्कि यह एक माध्यम बनना चाहिए इस बात के लिए कि देश के गरीब से गरीब व्यक्ति तक आर्थिक विकास का लाभ पहुंचाया जा सके। सामान्यतः विभिन्न देशों में आर्थिक विकास के चक्र के दौरान देश के नागरिकों के बीच आय की असमानता की खाई बहुत गहरी होती जाती है। विशेष रूप से जिन देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाया गया है वहां इस तरह की समस्या गम्भीर होती गई है और इन देशों को इस समस्या को हल करने का कोई उपाय दिखाई नहीं दे रहा है। विश्व में आज ऐसे कई देश हैं जिनके 20 प्रतिशत नागरिकों के पास 80 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति जमा हो गई है जबकि 80 प्रतिशत नागरिकों के पास केवल 20 प्रतिशत से भी कम संपत्ति है। प्राचीन भारत में आय की असमानता की समस्या के इस तरह से गम्भीर रूप लेने का उल्लेख भारतीय ग्रंथों में नहीं मिलता है। दरअसल, उस समय भारत में आर्थिक मॉडल ही इस प्रकार का था कि राज्य में सेठ साहूकार जरूर हुआ करते थे परंतु आज के विकसित देशों की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की तरह नहीं होते थे कि राष्ट्र की अधिकतम संपत्ति पर अपना अधिकार स्थापित करने का प्रयास करें। प्राचीन भारत में उत्पाद की वास्तविक लागत में लाभ का केवल कुछ हिस्सा (5 अथवा 10 प्रतिशत) जोड़कर ही उत्पाद को बेचा जाता था। आज तो बहुराष्ट्रीय कम्पनियां उत्पादों पर कितना लाभ लेती हैं, इसकी कोई सीमा ही नहीं है। इन कारणों के चलते ही आज विभिन्न देशों के आर्थिक विकास के साथ साथ अमीर व्यक्ति अधिक अमीर होता जा रहा है और गरीब व्यक्ति और अधिक गरीब होता जा रहा है। आज अमेरिका जैसे विश्व के सबसे अमीर देश में भी लगभग 6 लाख व्यक्ति ऐसे हैं जिनके पास रहने के लिए घर नहीं है और वे खुले में रहने को मजबूर हैं। आय की असमानता के रूप में यही हाल लगभग सभी विकसित देशों का है। भारत में आर्थिक नीतियों को लागू करने में इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि किस प्रकार आर्थिक प्रगति का लाभ गरीबतम नागरिकों तक भी पहुंचे। अभी हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मोनेटरी फण्ड में प्रस्तुत किए गए एक रिसर्च पेपर – "महामारी, गरीबी एवं असमानताः भारत से साक्ष्य" – में बताया गया है कि भारत में कोविड महामारी के खंडकाल में भी उपभोग की असमानता में सुधार दिखाई दिया है और वित्तीय वर्ष 2020-21 में यह पिछले 40 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। इसी प्रकार भारतीय स्टेट बैंक द्वारा भी सम्पत्ति की असमानता विषय पर जारी किए गए एक अन्य प्रतिवेदन में लगभग इसी प्रकार के तथ्य को उजागर किया गया है। इसके पीछे मुख्य कारण यह बताया गया है कि देश में कोरोना महामारी के दौरान, मार्च 2020 में, चालू की गई प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड़ नागरिकों को 5 किलो गेहूं अथवा चावल मुफ्त उपलब्ध कराया जा रहा है इससे देश के गरीबतम व्यक्तियों को वास्तविक रूप से आर्थिक सहायता पहुंच रही है। यह सहायता देश में पहिले से ही लागू राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही सहायता के अतिरिक्त है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत प्रत्येक गरीब परिवार को 35 किलो अपरिष्कृत अनाज, गेहूं एवं चावल क्रमशः एक रुपए, दो रुपए एवं तीन रुपए प्रति किलो की सस्ती दर पर प्रतिमाह उपलब्ध कराया जाता है। हालांकि अब 1 जनवरी 2023 से प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत दिया जाने वाला लाभ अब राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत दिया जाता रहेगा। केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण किसानों एवं ग्रामीण इलाकों में गरीब नागरिकों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध करायी जा रही सहायता के चलते प्रति परिवार प्रति वर्ष लगभग 75,000 रुपए की आय होने लगी है। प्रधान मंत्री किसान योजना के अंतर्गत किसानों को प्रति परिवार 6,000 रुपए प्रति वर्ष सीधे उनके बैंक खातों के माध्यम से प्रदान किए जा रहे हैं। एमजीनरेगा योजना के अंतर्गत प्रतिदिन 182 रुपए की दर पर कम से कम 100 दिनों का रोजगार प्रति परिवार उपलब्ध कराया जाता है जिसके अंतर्गत प्रति परिवार 18,200 रुपए की आय प्रति वर्ष होती है। उज्जवला योजना के अंतर्गत सब्सिडी सहित गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है जिसके अंतर्गत प्रति परिवार 1138 रुपए की सब्सिडी प्रति परिवार प्रति वर्ष प्राप्त होती है। इसी प्रकार ग्रामीण इलाकों में 318 रुपए की न्यूनतम मजदूरी प्राप्त होती है और एक अनुमान के अनुसार प्रति परिवार कम से कम 150 दिनों का कार्य तो प्रति परिवार उपलब्ध होता ही है। इस मद से प्रति वर्ष प्रति परिवार 47,700 रुपए की आय होती है। इस प्रकार उक्त समस्त मदों का जोड़ रुपए 73,038 रुपए आता है। उक्त योजनाओं के माध्यम से देश के ग्रामीण इलाकों में गरीबतम नागरिकों को सहायता पहुंचाने का गम्भीर प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा है, जिसके कारण देश में उपभोग की असमानता में अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है। कोरोना महामारी के खंडकाल में अमेरिका ने भी अपने नागरिकों के खातों में 2000 अमेरिकी डॉलर की राशि प्रति व्यक्ति जमा की थी। परंतु मुद्रा स्फीति की दर अधिक होने के कारण (उस समय अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर पिछले 40 वर्षों के अधिकतम स्तर अर्थात 8 प्रतिशत से अधिक हो गई थी) नागरिकों की क्रय शक्ति कम हो गई थी। दूसरे, लगभग सभी नागरिकों के हाथों में अमेरिकी डॉलर के रूप में एकमुश्त राशि आ जाने के कारण उत्पादों की मांग बहुत तेजी से बढ़ी, जबकि उत्पादों की उपलब्धता पर ध्यान नहीं दिया जा सका था। इसके कारण, मुद्रा स्फीति की दर भी बहुत बढ़ गई थी। जबकि भारत में गरीब वर्ग के नागरिकों को सीधे ही अन्न उपलब्ध कराया जाता रहा, जिस पर मुद्रा स्फीति का प्रभाव यदि हुआ भी था तो इसे केंद्र सरकार ने वहन किया था। इस कारण से अमेरिकी नागरिकों को जहां वास्तविक सहायता राशि (मुद्रा स्फीति समायोजित) कम मिली वहीं भारतीय गरीब नागरिकों को वास्तविक सहायता राशि अधिक प्राप्त हुई। भारत में न केवल उपभोग की असमानता में सुधार दृष्टिगोचर है बल्कि सम्पत्ति की असमानता में भी कुछ सुधार दिखाई दिया है। साथ ही, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी स्पष्ट रूप से कमी दिखाई दी है।

देश दुनीया से

अमीरों पर भारी टैक्स लगाओ

बेशर्मी से केन्द्रित होती पूंजी और व्यापक रूप से फलती-फूलती गरीबी ने हमारे यहां जिस तरह की अश्लील गैर-बराबरी को खड़ा कर दिया है उससे निपटने की तजबीज आखिर कौन देगा? ऑक्सफैम सरीखे वैश्विक एनजीओ मानते हैं कि अकूत सम्पत्ति के मालिकों पर भारी टैक्स लगाकर स्थिति को समतल किया जा सकता है। प्रस्तुत है वल्ड इकोनॉमिक फोरम में इसी हफ्ते की शुरुआत में जारी ऑक्सफैम की रिपोर्ट पर यह लेख। सबसे धनी केवल 21 भारतीय अरबपतियों के पास कुल 70 करोड़ भारतीयों से अधिक संपत्ति है। यह तथ्य ख्यात वैश्विक एनजीओ ऑक्सफैम की रिपोर्ट से उजागर हुआ है। स्विट्जरलैंड के दावोस शहर में हर साल आयोजित होने वाले वल्ड इकोनॉमिक फोरम (16 से 20 जनवरी 2023) में पहले दिन जारी की जाने वाली इस साल की 'सरवाईवल ऑफ दि रिचेस्ट : दि इंडिया स्टोरी' रिपोर्ट में विषमता संबंधी अनेक महत्त्वपूर्ण आंकड़ों के साथ बताया गया है कि कोविड महामारी के आरंभ होने से नवंबर 2022 तक भारतीय अरबपतियों की संपत्ति 121 प्रतिशत बढ़ी है। वास्तविक अर्थों में यह 3608 करोड़ रुपए प्रति दिन, यानी 2.5 करोड़ रुपए प्रति मिनट के हिसाब से बढ़ी है। केवल 5 प्रतिशत भारतीयों के पास देश की संपत्ति का 60 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत के पास देश की संपत्ति का मात्र 3 प्रतिशत हिस्सा है। ऑक्सफैम की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के सबसे धनी व्यक्ति की संपत्ति वर्ष 2022 में 46 प्रतिशत बढ़ी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक अरबपतियों के मुनाफे पर एकबारगी 20 प्रतिशत टैक्स लगाने से (2017-21 के दौरान) 1.8 लाख करोड़ रुपए प्राप्त किए जा सकते थे। यह धनराशि एक वर्ष के दौरान प्राथमिक विद्यालयों में 50 लाख अध्यापकों को रोजगार देने के लिए पर्याप्त है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2012-2021 के दौरान भारत में जो संपत्ति निर्मित हुई है, उसका 40 प्रतिशत ऊपर की मात्र एक प्रतिशत जनसंख्या को गया है, जबकि नीचे की 50 प्रतिशत जनसंख्या को मात्र 3 प्रतिशत हिस्सा मिला है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में अरबपतियों की संख्या वर्ष 2020 में 102 से बढक़र वर्ष 2022 में 166 हो गई। भारत के 100 सबसे धनी लोगों की कुल संपत्ति 54 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है, जिससे 18 महीने का केन्द्रीय बजट बन सकता है। ऑक्सफैम (इंडिया) के सीईओ अमिताभ बेहर ने कहा, 'जहां देश भूख, बेकारी, महंगाई व स्वास्थ्य आपदाओं से जूझ रहा है, वहां भारत के अरबपति अच्छा कमा रहे हैं। भूख से त्रस्त भारतीयों की संख्या वर्ष 2018 में 19 करोड़ थी, वर्ष 2022 में 35 करोड़ हो गई। कोविड के व्यापक दुख-दर्द को देखते हुए भारतीय सरकार को निर्धनता व अन्याय के विरुद्ध बड़े कदम उठाने चाहिए थे, पर यह नहीं हो सका व धनी वर्ग पर अधिक ध्यान दिया गया।' रिपोर्ट में बताया गया है कि सबसे धनी 10 भारतीयों की कुल संपत्ति 27 लाख करोड़ रुपए है। पिछले वर्ष से इसमें 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह संपत्ति स्वास्थ्य व आयुष मंत्रालयों के 30 वर्ष के बजट, शिक्षा मंत्रालय के 26 वर्ष के बजट व मनरेगा के 38 वर्ष के बजट के बराबर है। रिपोर्ट कहती है कि आय व संपत्ति की विषमता बढने के बीच भारत के गरीब लोगों को दुख-दर्द से राहत नहीं मिल पा रही है। सबसे अधिक, 22.8 करोड़ गरीब लोग इसी देश में हैं। अर्थव्यवस्था के उतार-चढ़ाव, खाद्यों व ऊर्जा कीमतों में वृद्धि से भी वे प्रभावित हैं। केन्द्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को दिए अपने प्रस्तुतीकरण में बताया है कि वर्ष 2022 में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में से 65 प्रतिशत की मौतें कुपोषण के कारण हुईं। भूख से प्रभावित भारतीयों की संख्या वर्ष 2018 में 19 करोड़ थी, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 35 करोड़ तक पहुंच गया। 70 प्रतिशत भारतीय अच्छे स्वास्थ्य की दृष्टि से संतुलित भोजन प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं व इस अभाव से जो रोग जुड़े हैं उनसे एक वर्ष में 17 लाख मौतें होती हैं। इतना ही नहीं, यदि जनसंख्या के निचले 50 प्रतिशत हिस्से को देखें तो राष्ट्रीय आय में उसका हिस्सा मात्र 13 प्रतिशत रह गया है, जबकि संपत्ति में उसका हिस्सा मात्र 3 प्रतिशत भर है।

> स्विट्जरलैंड के दावोस शहर में हर साल आयोजित होने वाले वल्ड इकोनॉमिक फोरम (16 से 20 जनवरी 2023) में पहले दनि जारी की जाने वाली इस साल की 'सरवाईवल ऑफ दि रिचेस्ट : दि इंडिया स्टोरी' रिपोर्ट में विषमता संबंधी अनेक महत्त्वपूर्ण आंकड़ों के साथ बताया गया है कि कोविड महामारी के आरंभ होने से नवंबर 2022 तक भारतीय अरबपतियों की संपत्ति 121 प्रतिशत बढ़ी है। वास्तविक अर्थों में यह 3608 करोड़ रुपए प्रति दनि, यानी 2.5 करोड़ रुपए प्रति मिनट के हिसाब से बढ़ी है। केवल 5 प्रतिशत भारतीयों के पास देश की संपत्ति का 60 प्रतिशत हिस्सा है।

नागरिक बोध

गोधन भी बन सकता है समृद्धि का आधार

आवारा पशुओं की संख्या हमारे देश में लगातार बढ़ रही है। आज पशुधन, सिर्फ़ तभी तक लोग पालते हैं। जब तक उससे दूध प्राप्त होता है। जहां एक बार गाय ने दूध देना बंद किया। फिर उसे खुला छोड़ दिया जाता है। जिस वज़ह से कई बार सड़कों पर गायें तड़प-तड़पकर मर जाती है। वर्तमान दौर में मानवीय संवेदना गुम सी गईं हैं। यही वज़ह है कि गाय के प्रति भी समाज का रवैया बदल गया है। इसी बीच छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार ने गोधन न्याय योजना शुरू करके पशुधन के प्रति लोगों का रुझान बदलने का प्रयास किया है। शायद एक समय तक किसी ने सोचा हो कि गोबर से भी पैसा कमाया जा सकता है पर छत्तीसगढ़ की सरकार ने गोधन न्याय योजना शुरू करके प्रदेश के गौ-पालकों को गोधन से समृद्धि की जो राह दिखलाई है। उसके सुखद परिणाम देश के अन्य हिस्सों से भी देखने को मिल रहें हैं। गोधन से समृद्धि का सफ़र तय करने की ऐसी ही एक कहानी है ग्वालियर के गोपाल झा की। गोपाल झा की कहानी भी कहीं न कहीं आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार कर रही है। 2009 में गोपाल के पिता सब्जी लेने अपने मुहल्ले में जा रहे थे। तभी एक आवारा गाय ने उन्हें उठाकर पटक दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद गोपाल सदमे में चले गए। सोचने लगे कि कैसे आवारा गायों को सड़कों पर घूमने से बचाएं? ऐसे में गोपाल के मुताबिक उनके मन में विचार आया कि गोबर ही एकमात्र ऐसी चीज है, जो गाय के साथ ताउम्र रहती है। फिर क्या था? गोबर को आधार बनाकर ही उन्होंने गाय को आवारा बनने से बचाने का और स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया। शुरुआत में जब गोपाल ने गाय के गोबर को इकट्ठा करना शुरू किया तो उनके आसपास के लोग मख़ौल उड़ाने लगे कि पढा-लिखा व्यक्ति पगला गया है। लेकिन गोपाल का जुनून था कि अब गाय के गोबर से ही कुछ ऐसा किया जाएगा जो समाज के लिए मिसाल बनेगा! ग्वालियर और उसके आसपास उस दरमियान तक गोबर से प्रोडक्ट बनाने का कोई ट्रेनिंग सेंटर भी नहीं था जिससे कुछ सीखकर गोपाल अपने मिशन में कामयाब हो पाते, लेकिन कुछ कर गुजरने की चाहत हो तो मुश्किल राह भी आसान हो जाती है। शुरुआत में लोग गोबर से बने प्रोडक्ट को देखकर ही भाग जाते थे।

न्यूजीलैंड के नए प्रधानमंत्री बने क्रिस हिपकिंस : गवर्नर जनरल ने शपथ दिलाई ; 2008 में पहली बार सांसद चुने गए थे

वेलिंगटन।

क्रिस हिपकिंस न्यूजीलैंड के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। गवर्नर जनरल सिंडी किरो ने राजधानी वेलिंगटन में आयोजित एक ऑफिशियल सेरेमनी में उन्हें शपथ दिलाई। क्रिस को लेबर कॉकस का औपचारिक रूप से समर्थन मिला। जिसके बाद अब वो प्रधानमंत्री होने के साथ लेबर पार्टी के लीडर भी बन गए हैं। वो नए पीएम की रेस में एकमात्र कैंडिडेट थे, जिसके बाद ये फैसला लिया गया। इस दौरान क्रिस ने कहा- ये बहुत मेरे लिए बड़ी जिम्मेदारी है। मैं आगे आने वाले चैलेंजेस और जिम्मेदारियां उठाने के लिए तैयार हूं। न्यूजीलैंड में लेबर पार्टी 2017 से सत्ता में है, ऐसे में एंटी इनकंबेंसी काफी ज्यादा है। न्यूजीलैंड फिलहाल महंगाई और सामाजिक समानता से जूझ रहा है। जिसके चलते वहां लेबर पार्टी की लोकप्रियता में काफी कमी आई है। क्रिस के सामने यही सभी बड़ी चुनौती होगी।

कोरोना में अच्छा काम कर पहचान बनाई

44 साल के क्रिस हिपकिंस 2008 में पहली बार सांसद चुने गए थे। पीएम बनने से पहले तक वो पुलिस, एजुकेशन एंड पब्लिक सर्विस मिनिस्टर थे। जैसिंडा अर्डर्न के इस्तीफा के बाद क्रिस पीएम बने हैं। हालांकि वो कब तक इस पद पर बने रहेंगे, इसकी जानकारी नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि न्यूजीलैंड में अक्टूबर 2023 में आम चुनाव होंगे। क्रिस हिपकिंस को साल 2020 में महामारी से निपटने के लिए कोविड मिनिस्टर बनाया गया था। उस दौरान क्रिस के काम की दुनिया भर में सराहना हुई थी। कोरोना महामारी के तीन साल में न्यूजीलैंड में केवल 2,437 मौतें दर्ज की गई हैं।

प्रधानमंत्री के तौर पर जैसिंडा का आखरी दिन

प्रधानमंत्री के तौर पर जैसिंडा अर्डर्न का आखरी दिन था। इस दौरान वे काफी भावुक नजर आईं। उन्हें संसद भवन में सभी लॉ-मेकर्स को गले लगाया। इसके बाद वो गवर्नमेंट हाउस पहुचीं, जहां उन्होंने औपचारिक रूप से किंग चार्ल्स के नाम अपना इस्तीफा सौंपा। जैसिंडा ने 19 जनवरी को इस्तीफे का ऐलान करते हुए कहा था- अब वक्त आ गया है। मेरे पास अब इतनी हिम्मत नहीं है कि 4 साल और नेतृत्व करूं।

किंग चार्ल्स के नाम इस्तीफा क्यों

किंग चार्ल्स 14 कॉमनवेल्थ देशों के राजा हैं। इनमें से एक देश न्यूजीलैंड भी है। इन देशों में राजा की शक्तियां काफी हद तक प्रतीकात्मक होती हैं। ज्यादातर देशों में राजनीतिक फैसले एक चुनी हुई संसद द्वारा लिए जाते हैं और प्रधानमंत्री इन्हें लागू करता है। यानी राजा देश की मुखिया तो होते हैं, लेकिन सरकार के मुखिया नहीं। राजा के पास कुछ संवैधानिक कर्तव्य हैं, जिनमें सबसे जरूरी नई सरकारों का अप्रूवल है। अलग-अलग देशों में ये कर्तव्य बदलते रहते हैं। जैसे- कानून की औपचारिक मंजूरी देना, कुछ अधिकारियों की नियुक्ति करना और राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करना।

न्यूज ब्रीफ

लाशों को दफनाने के लिए कम पड़ गए ताबूत, अंतिम संस्कार का खर्च दो से तीन गुना बढ़ा

बीजिंग । चीन में कोरोना का तांडव लगातार जारी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत आबादी संक्रमण की चपेट में आ चुकी है और मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। चीन ने भले ही दिसंबर से अब तक कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या 60 हजार बताई हो, लेकिन हकीकत यह है कि यहां गली-कूचों और अस्पतालों में लाशों की भरमार है। एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन में लाश दफनाने के लिए ताबूत तक कम पड़ गए हैं और मांग ज्यादा होने की वजह से उनके दाम भी बढ़ गए हैं। आलम यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर दिन किसी न किसी की मौत हो रही है, जिससे श्मशानों के बाहर लंबी लाइन है। चीन के प्रमुख महामारी विज्ञानी वू जुन्यो के अनुसार, दिसंबर में चीन द्वारा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद से लगभग एक अरब से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं, जो कुल आबादी का 80 प्रतिशत है। वहीं, पिछले सप्ताह के अंत में चीन ने एक सप्ताह से भी कम समय में 13,000 कोरोना मौतों को दर्ज किया, लेकिन ये मौतें अस्पतालों में हुई हैं। चीन के ग्रामीण क्षेत्रों की हालत इससे बहुत बुरी है। मीडिया रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि चीन ने जिन मौत के आंकड़ों को साझा किया है, वह सिर्फ शहरी इलाकों के हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण कोरोना से होने वाली मौतों की कोई गिनती ही नहीं की गई है। कई रिपोर्ट्स में ग्रामीण क्षेत्रों में मौतों की संख्या में बढ़ोत्तरी की बात कही गई है। चीन के शांक्सी प्रांत के ग्रामीण क्षेत्रों में तीन से चार गुना मौतें बढ़ गई हैं। श्मशानों पर अंतिम संस्कार के लिए लंबी कतार है। ऐसे में ताबूत बनाने वालों और अंतिम संस्कार उद्योग से जुड़े लोगों का काम भी बढ़ गया है। बढ़ी हुई मांग का असर दामों पर हुआ है। एक स्थानीय निवासी का कहना है कि कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या के कारण अंतिम संस्कार की व्यवस्था की लागत आसमान छू गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते एक महीने से यहां लगातार मौतें हो रही हैं।

अब वाशिंगटन के याकिमा में सुविधा स्टोर में बंदूकधारी ने 21 लोगों को मारी गोली, तीन की मौत

वाशिंगटन । अमेरिका में गोलीबारी कर हत्या करने का सिलसिला लगातार जारी है। अब वाशिंगटन राज्य के याकिमा शहर में एक सुविधा स्टोर में गोली लगने की घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। एक दिन पहले ही इसी तरह की गोलीबारी में कुल 11 लोगों की मौत हुई थी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बंदूकधारी ने एक स्टोर में अचानक 21 लोगों को गोली मार दी। हमलावर हमले के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया। घटना के बाद यकीमा पुलिस विभाग को लगभग करीब साढ़े तीन बजे शहर के पूर्व की ओर सर्किल के स्टोर में बुलाया गया। पुलिस ने स्टोर के बाहर और अंदर तीन लोगों के शव बरामद किए। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पीड़ितों और गनमैन के बीच कोई स्पष्ट संघर्ष नहीं था। यकीमा वाशिंगटन का लगभग 96,000 लोगों का शहर है। घटना के परिणामस्वरूप 2023 के पहले कुछ हफ्तों में बंदूक हिंसा से निपटने के लिए अमेरिका में सबसे हालिया क्षेत्र बन गया। यह दुखद घटना मंगलवार को संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया में हॉफ मून बे क्षेत्र में दो स्थानों से गोलीबारी की सूचना के कुछ घंटों बाद हुई जिसमें 7 लोग मारे गए और एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पेरिस में नारीवादी कार्यकर्ताओं ने अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन, पुलिस ने हिरासत में लिया

पेरिस । फ्रांस की राजधानी पेरिस में गर्भपात और इच्छामृत्यु के खिलाफ प्रदर्शन को कुछ महिलाओं ने बाधित करने का प्रयास किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नारीवादी समूह फीमेन की महिला कार्यकर्ताओं ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। हालांकि, पेरिस पुलिस ने महिला कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। हालांकि, कुछ घंटों बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। 22 जनवरी को पेरिस में मार्च फॉर लाइफ का आयोजन किया गया था। महिला अधिकार कार्यकर्ता गर्भपात कानून को मान्यता देने की मांग कर रहे हैं। इस प्रदर्शन में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। आयोजकों ने दावा किया कि विरोध मार्च में 20,000 लोग शामिल हुए। हालांकि, कुछ नारीवादी समूह इसके खिलाफ हैं। फ्रांस की नेशनल असेंबली ने बीते साल नवंबर में गर्भपात के अधिकार को संवैधानिक दर्जा देने के लिए एक विधेयक पारित किया था। अब इस बिल को एक फरवरी, 2023 को सीनेट में पेश किए जाने की उम्मीद है। यह यौन और प्रजनन अधिकारों को संवैधानिक दर्जा प्रदान करेगा। फ्रांस के महिला संगठनों ने उम्मीद जताई है कि इससे महिला अधिकारों को मजबूती मिलेगी। हालांकि, फ्रांस में इसका विरोध हो रहा है।

यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की तालिबान से अपील, अफगान लड़कियों की शिक्षा पर हटाए प्रतिबंध

न्यूयार्क।

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मंगलवार को अफगानिस्तान में लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा तक पहुंच पर तालिबान से प्रतिबंध हटाने का आह्वान किया। शिक्षा को मौलिक अधिकार बताते हुए गुटेरेस ने कहा कि अब सभी देशों के लिए यह सुनिश्चित करने का समय है कि सभी के लिए स्वागत योग्य और समावेशी शिक्षण वातावरण विकसित करने के लिए वास्तविक कदम उठाए जाएं।

भेदभावपूर्ण कानूनों और प्रथाओं को समाप्त करने का समय

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के आधिकारिक प्रवक्ता ने एक विज्ञप्ति में कहा कि अब सभी भेदभावपूर्ण कानूनों और प्रथाओं को समाप्त करने का समय है, जो शिक्षा तक पहुंच में बाधा डालते हैं। मैं विशेष रूप से लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा तक पहुंच के लिए अपमानजनक और आत्म-पराजय प्रतिबंध को हटाने के लिए अफगानिस्तान के वास्तविक अधिकारियों से आह्वान करता हूं। गुटेरेस ने भी ट्वीट कर कहा कि अब सभी भेदभावपूर्ण कानूनों और प्रथाओं को समाप्त करने का समय है, जो शिक्षा तक पहुंच में बाधा डालते हैं।

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2023 अफगान लड़कियों और महिलाओं को समर्पित

संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस की थीम हमें लोगों में निवेश करने और शिक्षा को प्राथमिकता देने की याद दिलाती है। यूनेस्को की महानिदेशक ऑद्रे अजोले के हवाले से कहा कि संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2023 को अफगान लड़कियों और महिलाओं को समर्पित करने का फैसला किया है।

ईसीडब्ल्यू ने शिक्षा पर प्रतिबंध रद्द करने का किया आह्वान

तालिबान द्वारा अफगान लड़कियों के लिए विश्वविद्यालय शिक्षा पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगाने के आदेश के बाद संयुक्त राष्ट्र का एजुकेशन कैनॉट वेट (ईसीडब्ल्यू) समेत कई मानवीय संगठनों ने काबुल में तालिबान अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अफगान महिलाओं की विश्वविद्यालय शिक्षा को निलंबित करने के अपने निर्णय को रद्द करें। ईसीडब्ल्यू आपात स्थितियों और दीर्घ संकटों में शिक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र का अरबों डॉलर का वैश्विक कोष है। ईसीडब्ल्यू ने अंतरिम तालिबान सरकार से सभी लड़कियों को शिक्षा की अनुमति देने का आह्वान किया। ईसीडब्ल्यू ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व वाली मानवीय संस्था अफगानिस्तान में महिलाओं के साथ एकजुटता से खड़ी है और सभी को शिक्षा का अंतर्निहित मानव अधिकार है। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने मंगलवार को घोषणा की कि अबतक 11 लाख अफगान लड़कियों को माध्यमिक विद्यालय से प्रतिबंधित कर दिया गया है और एक लाख से अधिक अन्य को विश्वविद्यालयों से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

80 प्रतिशत स्कूली उम्र की अफगान लड़कियां शिक्षा से वंचित

यूनेस्को के अनुसार, वर्तमान में लगभग 80 प्रतिशत स्कूली उम्र की अफगान लड़कियां और युवा महिलाएं तालिबान शासन के तहत स्कूल और कॉलेज नहीं जा रही हैं, क्योंकि तालिबान ने उन्हें माध्यमिक विद्यालयों और विश्वविद्यालयों तक पहुंच से वंचित कर दिया है। इसके अलावा, अमेरिकी मिशन प्रभारी करेन डेकर ने ट्वीट किया, आज अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाना मुश्किल है। यह जानते हुए कि अफगान महिलाओं और लड़कियों को अब इस अधिकार से वंचित कर दिया गया है। शिक्षा अफगानिस्तान के भविष्य में एक निवेश है और इसे लड़कों और लड़कियों के लिए उपलब्ध होनी चाहिए। बता दें कि 15 अगस्त 2021 से तालिबान ने लड़कियों को माध्यमिक विद्यालय में जाने पर रोक लगा दिया है। साथ ही महिलाओं और लड़कियों की आवाजाही की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित कर दिया है और महिलाओं को कार्यबल के अधिकांश क्षेत्रों से बाहर कर दिया है। यहां तक कि महिलाओं के पार्क, जिम और सार्वजनिक स्नानघरों का उपयोग करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

झूठ बोलता है चीन

ड्रैगन से बचने के लिए किम जोंग को है अमेरिकी सेना की जरूरत! पूर्व विदेश मंत्री का दावा

वाशिंगटन ।

अमेरका के पूर्व विदेश सचिव माइक पोम्पिओ ने उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन और चीन के बारे में चौंकाने वाला दावा किया है। अपने नए संस्मरण में पोम्पिओ ने कहा है कि किम जोंग ने उसने एक बार कहा था कि चीन के प्रभुत्व से बचाव के लिए उन्हें दक्षिण कोरिया में अमेरिकी सेना की जरूरत है।

नेवर गिव एन इंच, फाइटिंग फॉर द अमेरिका आई लव शीर्षक वाले अपने नए संस्मरण में, पूर्व अमेरिकी विदेश सचिव ने कहा है कि उत्तर कोरियाई नेता दक्षिण कोरिया में अमेरिकी सेना की मौजूदगी से बिल्कुल भी चिंतित नहीं हैं। उन्होंने यह दावा 30 मार्च, 2018 को अमेरिका-उत्तर कोरिया शिखर सम्मेलन से पहले प्योंगयांग में किम जोंग के साथ अपनी पहली मुलाकात और उस दौरान हुई बातचीत के आधार पर किया है।

उत्तर कोरिया पर दुनिया से झूठ बोल रहा चीन!

पोम्पेओ ने दावा किया कि जब उन्होंने किम जोंग से कहा कि चीन बार-बार अमेरिका से यह कहता है कि उत्तर कोरियाई नेता चाहते हैं कि अमेरिकी सेना दक्षिण कोरिया से हट जाए, तो किम जोंग ने कहा कि चीन इस बारे में झूठ बोल रहा है और उन्हें चीन से बचने के लिए दक्षिण कोरिया अमेरिकी सेना की जरूरत है, जिससे तिब्बत और शिनजियांग जैसे मुद्दों का निस्तारण हो सके।

भारत-पाकिस्तान कर रहे थे परमाणु युद्ध की तैयारी

माइक पोम्पिओ ने दावा किया है कि तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने उन्हें बताया था कि पाकिस्तान फरवरी 2019 में बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद परमाणु हमले की तैयारी कर रहा है। पोम्पिओ के मुताबिक, सुषमा स्वराज ने कहा था कि इसको देखते हुए भारत भी आक्रामक प्रतिक्रिया की तैयारी कर रहा है। पोम्पियो ने कहा कि यह घटना तब हुई, जब वह 27-28 फरवरी को अमेरिका-उत्तर कोरिया शिखर सम्मेलन के लिए हनोई में थे। इसके बाद उनकी टीम ने इस संकट को टालने के लिए भारत और पाकिस्तान के साथ रात भर काम किया था।

भ्रूण व गर्भनाल के लिए खतरनाक हो सकता है कोरोना, अंगों और मस्तिष्क का विकास हो सकता है प्रभावित

वाशिंगटन।

कोरोना संक्रमण गर्भवती महिलाओं के भ्रूण और गर्भनाल के लिए घातक साबित हो सकता है। द लैंसेट रीजनल हेल्थ यूरोप पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में यह दावा किया गया है। अध्ययन के मुताबिक, संक्रमण से बच्चे के अंगों और मस्तिष्क का विकास भी प्रभावित हो सकता है। शोध में मिले निष्कर्षों से पता चला कि महामारी के दौरान कोरोना वायरस के अलग-अलग वेरिएंट से कई स्तर पर नुकसान हुआ। इस तरह के मामलों की संख्या प्री-ओमिक्रॉन वेरिएंट से अधिक थी। अध्ययन में कहा गया कि संक्रमण से गर्भाशय के ऊपरी हिस्से में प्रभाव पड़ता है। यह अजन्मे बच्चे के विकास और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है।

सामान्य स्प्रे से दूर होगी बच्चों में सांस लेने की तकलीफ

नाक से दी जाने वाली साधारण स्प्रे से बच्चों में खर्राटे और सांस लेने में कठिनाई को कम किया जा सकता है। हाल ही में 276 बच्चों पर किए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। इस दौरान लगभग 40प्रतिशत बच्चों को नाक में स्प्रे करने के बाद खर्राटों और तेज आवाज के लक्षणों में कमी आई। अध्ययन में शामिल बच्चों की उम्र 3 से 12 वर्ष थी। बच्चों पर हुए नेजल स्प्रे के परीक्षण को द रॉयल चिल्ड्रन हॉस्पिटल और मोनाश चिल्ड्रन हॉस्पिटल में किया गया।

रिपोर्ट : एशिया में बढ़ती आबादी के कारण खाद्य सुरक्षा संकट बढ़ा

खाद्य और कृषि संगठन और संयुक्त राष्ट्र की अन्य एजेंसियों की मंगलवार को जारी खाद्य मूल्य सूचकांक (एफएओ) की रिपोर्ट के अनुसार, एशिया में बढ़ती आबादी के कारण खाद्य सुरक्षा पर संकट बढ़ा है। एशिया के लगभग आधा अरब से अधिक लोग खाद्य संकट के चलते 2021 में कुपोषण का शिकार थे। इसमें दक्षिण एशिया की 10 में से 8प्रतिशत आबादी प्रभावित हुई। दुनिया के लिए खाद्य असुरक्षा 2014 में 21प्रतिशत से बढ़कर 2021 में 29से अधिक हो गई।

भारतीय वीजा आवेदनों के निपटारे में तेजी शीर्ष सांसद ने बाइडन प्रशासन को सराहा

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी कांग्रेस की एक शीर्ष महिला ने भारत में वीजा आवेदनों में बड़े पैमाने पर बैकलॉग को कम करने के लिए बाइडन प्रशासन द्वारा किए गए उपायों की सराहना करते हुए कहा कि इतना लंबा इंतजार अस्वीकार्य था। पिछले हफ्ते अमेरिका ने भारत में कांसुलर अधिकारियों का एक कैडर भेजा और भारतीय वीजा आवेदकों का मामला देखने के लिए जर्मनी और थाईलैंड में विदेशी दूतावास खोले। भारत उन बहुत कम देशों में से एक है जहां कोरोनावायरस से संबंधित यात्रा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद अमेरिकी वीजा के लिए आवेदनों में बहुत तेजी देखी गई।

ग्रेस मेंग ने कहा, बाइडन प्रशासन से कदमों से खुशी हुई

स्टेट एंड फॉरेन ऑपरेशंस पर सदन विनियोग उपसमिति के सदस्य और भारत पर कांग्रेसनल कॉकस के सदस्य 47 वर्षीय ग्रेस मेंग ने कहा, मुझे यह देखकर खुशी हुई कि वीजा आवेदकों के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इस कदम से व्यवसायों और परिवारों को काफी मदद मिलेगी जो भारत से श्रमिकों और प्रियजनों के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह अस्वीकार्य है कि वीजा के लिए प्रतीक्षा समय इतना लंबा रहा है और कांग्रेस में मैंने इन देरी को दूर करने के लिए जोर दिया है। मेंग न्यूयॉर्क राज्य से कांग्रेस की पहली और एकमात्र एशियाई सदस्य हैं।

वीजा आवेदकों के लिए लंबी प्रतीक्षा अवधि को लेकर भारत चिंतित

पहली बार वीजा आवेदकों के लिए लंबी प्रतीक्षा अवधि को लेकर भारत में चिंताएं बढ़ रही हैं, विशेषकर बी1 (व्यवसाय) और बी2 (पर्यटक) श्रेणियों के तहत आवेदन करने वालों के लिए मुश्किलें बढ़ी हैं। भारत में पहली बार बी1/बी2 वीजा आवेदकों की प्रतीक्षा अवधि पिछले साल अक्टूबर में तीन साल के करीब थी। मेंग ने कहा कि अमेरिका और भारत एक विशेष रिश्ता साझा करना जारी रखते हैं और बैकलॉग को कम करने की यह पहल हमारे दो महान देशों के बीच मौजूद मजबूत संबंधों को और मजबूत करेगी।

एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों को विशेष व्यवसायों में नियोजित करने की अनुमति देता है जिन्हें सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। तकनीकी उद्योग में कई कुशल विदेशी श्रमिकों को दिए गए एच-1बी और अन्य कार्य वीजा प्राप्त करने वालों में भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा है।

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री का दावा

पुलवामा हमले के बाद परमाणु युद्ध के करीब थे भारत-पाक, मच गई थी हलचल

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने दावा किया है कि तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने उन्हें बताया कि पाकिस्तान फरवरी 2019 में बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद परमाणु हमले की तैयारी कर रहा है। यह सुनकर वह दंग रह गए थे। पोम्पिओ के मुताबिक, सुषमा स्वराज ने कहा था कि इसको देखते हुए भारत भी आक्रामक प्रतिक्रिया की तैयारी कर रहा है। मंगलवार को लॉन्च की गई अपनी नई किताब नेवर गिव एन इंच: फाइटिंग फॉर द अमेरिका आई लव में पोम्पियो ने कहा कि यह घटना तब हुई, जब वह 27-28 फरवरी को अमेरिका-उत्तर कोरिया शिखर सम्मेलन के लिए हनोई में थे। इसके बाद उनकी टीम ने इस संकट को टालने के लिए भारत और पाकिस्तान के साथ रात भर काम किया था। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि दुनिया को पता है कि फरवरी 2019 में भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव परमाणु हमले के कितना करीब आ गया था। 59 वर्षीय पूर्व अमेरिकी राजनयिक ने किताब में लिखा है, उनका मानना था कि भारत अपने परमाणु हथियारों की तैनाती की तैयारी में था। हमें कुछ घंटों का समय लगा और नई दिल्ली तथा इस्लामाबाद में हमारी टीमों ने बहुत अच्छा काम किया। प्रत्येक पक्ष को समझाया कि वे परमाणु युद्ध की तैयारी नहीं करेंगे। हालांकि, पोम्पिओ के दावों पर भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। गौरतलब है कि पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने फरवरी 2019 में पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हमला कर तबाह कर दिया था।

सुषमा स्वराज महत्वपूर्ण नहीं थीं - वहीं, पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ का कहना है कि उन्होंने अपनी समकक्ष सुषमा स्वराज को कभी भी महत्वपूर्ण राजनीतिक खिलाड़ी के रूप में नहीं देखा, लेकिन विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनकी पहली मुलाकात में ही उनके साथ अच्छी दोस्ती हो गई। पोम्पिओ ने अपनी किताब में सुषमा स्वराज के लिए स्लैंग शब्दों का उपयोग किया है। स्वराज मई 2014 से मई 2019 तक विदेश मंत्री थीं। अगस्त 2019 में उनका निधन हो गया था। पोम्पिओ ने किताब में लिखा है कि सुषमा स्वराज के कार्यकाल में भारतीय विदेश नीति टीम में कोई महत्वपूर्ण खिलाड़ी नहीं था। इसके बजाय, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी और भरोसेमंद विश्वासपात्र राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ अधिक निकटता से काम किया।

जयशंकर अपने देश के प्रखर रक्षक हैं - साथ ही उन्होंने लिखा है कि उनके दूसरे भारतीय समकक्ष डॉ. एस जयशंकर थे। मई 2019 में, हमने उनका भारत के नए विदेश मंत्री के रूप में स्वागत किया। मैंने उनसे बेहतर समकक्ष नहीं देखा था। मैं उनसे प्यार करता हूं। अंग्रेजी उन सात भाषाओं में से एक है, जो वह बोलते हैं, और उनकी भाषा मेरी भाषा से बेहतर है।

मतदाता ऐसे जनप्रतिनिधि चुनें जो देश को विकास के रास्ते पर आगे ले जाएं : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र बुधवार को हरीश चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान में 13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्यस्तरीय समारोह आयोजित किया गया। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मतदान को महादान बताते हुए मतदाताओं से आह्वान किया है कि मताधिकार का प्रयोग ऐसे जनप्रतिनिधि और सरकारों को चुनने के लिए करें, जो देश को विकास और प्रगति के पथ पर आगे ले जा सकें। उन्होंने एक-एक मत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि एक मत योग्य जन प्रतिनिधि को चुन सकता है तो वहीं एक मत अयोग्य का भी चयन कर सकता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने मत का प्रयोग समझदारी और पूर्ण सजगता से बगैर किसी से प्रभावित हुए करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि वोट देना नागरिक का अधिकार होने के साथ-साथ कर्तव्य भी है। जागरूक मतदाता ही सशक्त, सहभागी और जीवंत लोकतंत्र का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है, तो इसका आधार भी मतदाता ही हैं।

मतदान है महादान

उन्होंने मतदान के प्रति लोगों विशेषकर

नवमतदाताओं को जागरूक करने पर बल देते हुए कहा कि लोकतंत्र को सार्थक और जीवंत बनाने के लिए निर्वाचन की प्रक्रिया में लोगों की अधिकाधिक भागीदारी महत्वपूर्ण है।राज्यपाल मिश्र ने कहा कि हमारा संविधान हमारे देश की महान संस्कृति का जीवन दर्शन है। उन्होंने कहा कि संविधान की उद्देशिका *हम भारत के लोग* से आरंभ होती है, इसका मतलब है कि हमारे देश में संविधान की शक्ति सीधे जनता में निहित है और संविधान आमजन के ही आदर्शों एवं आकांक्षाओं को प्रकट करता है। राज्यपाल मिश्र ने राज्य में निर्वाचन साक्षरता क्लबों की संख्या बढ़कर 71 हजार से अधिक होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया संबंधी कार्यों में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण कार्यक्रम में पंजीकृत 12 लाख से अधिक नव मतदाताओं को बधाई दी। उन्होंने इस बात पर भी खुशी जाहिर की कि नव पंजीकृत मतदाताओं को ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से जोड़ने में राजस्थान देश में अव्वल है। राज्यपाल ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा वोटर पोर्टल एवं मतदाता हेल्पलाइन एप की सुविधा दिए जाने से मतदाता सूचियों में पंजीकरण और अधिक सुगम बना है। उन्होंने एक अक्तूबर 2023 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे सभी युवाओं से मतदाता पंजीकरण करवाने का आह्वान किया। उन्होंने मतदाता पंजीकरण के लिए अर्हता की चारों तारीखों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस तरह आगामी विधानसभा चुनाव तक लगभग 10 लाख युवा मतदाता निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ सकेंगे। उन्होंने 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं तथा विशेष योग्यजनों को घर बैठे वोट डालने की सुविधा प्रदान किए जाने की पहल की भी सराहना की।

अप्रैल तक नया मजबूत संगठन होगा तैयार : अनुराग

चंडीगढ़(हिंस)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि आम आदमी पार्टी का पूरे प्रदेश में नया और मजबूत संगठन अप्रैल तक तैयार किया जाएगा। प्रदेश की सभी इकाईयों को भंग कर दिया गया है। प्रदेश, जोन, जिला, लोकसभा और विधानसभा समेत सभी पदों को तुरंत प्रभाव से भंग कर दिया गया है। आम आदमी पार्टी पूरे प्रदेश में ग्राम और बूथ स्तर तक नए पदाधिकारियों की नियुक्ति करेगी। 2024 के चुनावों के मद्देनजर संगठन की मजबूती देने के लिए नए और संघर्षशील पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी जाएगी। वरिष्ठ नेता अनुराग ढांडा ने बताया कि 29-30 जनवरी को जोनल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर संगठन निर्माण की शुरुआत की जाएगी। 29 को गुरुग्राम और रोहतक में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होगा। वहीं 30 को हिसार और कुरुक्षेत्र में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन होगा। वरिष्ठ नेता अनुराग ढांडा ने बताया कि 29-30 जनवरी को जोनल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर संगठन निर्माण की शुरुआत की जाएगी।

राजस्थान में भाजपा प्रचंड बहुमत से जीतेगी : अरुण सिंह

भीलवाड़ा (हिंस)। भाजपा राष्ट्रीय महा मंत्री अरुण सिंह ने कहा है कि अगले विधानसभा चुनाव में प्रदेश के युवाओं व किसानों ने कांग्रेस को सबक सिखाने का मन बना लिया है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार को उखड़ना तय हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा एकजुट है तथा एकजुट होकर प्रदेश में चुनाव लड़कर भाजपा सरकार बनायेगी। बुधवार को भीलवाड़ा में पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा राष्ट्रीय महा मंत्री अरुण सिंह ने कहा कि भाजपा नेताओं में मतभेद हो सकता है परंतु किसी में भी मनभेद नहीं है। कांग्रेस के नेताओं में मनभेद है, इसका खामियाजा प्रदेश भुगत रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश में गहलोत सरकार में विभिन्न परीक्षा के पेपर लीक हुए है। इससे लाखों युवाओं का भविष्य बेकार हो रहा है। युवाओं का भविष्य अंधकार में हो गया है। उनकी मेहनत पर पानी फिर गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश में चुनावी घोषणाओं में जो वादे कांग्रेस ने किए वह सभी वादे फेल हो गए। महिलाओं पर अत्याचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था, गुंडागर्दी, युवाओं के साथ धोखा, किसानों के साथ धोखा, बेरोजगारों को कर्ज माफी नहीं होना इन सब के कारण इस बार राजस्थान की जनता ने युवाओं ने किसानों ने विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेसी सरकार को सबक सिखाने का मन बना लिया है। भाजपा प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतेगी। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कहा की भगवान देवनारायण की पवित्र मालासेरी डूंगरी स्थान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 28 जनवरी के आगमन पर भीलवाड़ा जिला ही नहीं भीलवाड़ा जिले के आसपास के 6 जिलों सहित राजस्थान और देश भर के हजारों की संख्या में धार्मिक सभा में हर समाज हर वर्ग हर जाति के लोग सम्मिलित होंगे। आमजन में जबरदस्त जोश उत्साह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस धार्मिक यात्रा को राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए। भगवान देवनारायण विभिन्न जातियों विभिन्न समाज के आस्था के केंद्र हैं। हम सबको उत्सव मनाते हुए जोश उत्साह के साथ सम्मिलित होना है। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री अशोक सैनी, भाजपा जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली, सांसद सुभाष चंद्र बहेड़िया, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, जिला प्रभारी रतन लाल गाडरी, भाजपा जिला प्रवक्ता कैलाश सोनी साथ थे।

राज्यभर से 29 डेयरी अधिकारियों कर्मचारियों को मिलेगा ऐक्सीलेंसी अवार्ड

जयपुर (हिंस)। एक ही दिन में रिकार्ड 50 लाख लीटर अधिक दूध का संकलन और दुग्ध संकलन में देशभर में 5वें से तीसरे स्थान पर पहुंच चुके राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यभर से 29 डेयरी अधिकारियों और कर्मचारियों को ऐक्सीलेंसी अवार्ड देने की घोषणा की है। जवाहर लाल नेहरु मार्ग स्थित सरस संकुल मुख्यालय में शीघ्र ही एक राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। डेयरी फेडरेशन की प्रशासक और प्रबंध संचालक सुषमा अरोड़ा राज्यभर के जिला दुग्ध संघों में उत्कृष्ट कार्य करने वालेडेयरी अधिकारियों और कर्मचारियों को ऐक्सीलेंसी अवार्ड से सम्मानित करेगी।सम्मानित होने वाले 29 अधिकारियों-कर्मचारियों में 13 आरसीडीएफ मुख्यालय के, 6 पशु आहार संयंत्रों के और 7 विभिन्न जिला दुग्ध संघों के कार्मिक हैं। सम्मानित होने वालों में जिला दुग्ध संघ बीकानेर के प्रबंध संचालक बाबूलाल विश्नोई, टोंक जिला दुग्ध संघ के प्रबंध संचालक सुबेदीन खान और पशु आहार संयंत्र लाम्बियाकला के प्रबंधक मनीष कुमावत शामिल हैं। इनके अतिरिक्त बेस्ट मैनेज्ड केटल फीड प्लांट के

लिए बीकानेर पशु आहार संयंत्र के प्रबंधक एसएन पुरोहित, बेस्ट मैनेज्ड डेयरी प्लांट के लिए पाली दुग्ध संघ और मोस्ट डिसिप्लिंड एंप्लाई के लिए आरसीडीएफ के अश्विनी माथुर को सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन में हाल ही में एक ही दिन में 50 लाख लीटर से अधिक का दुग्ध संकलन कर नया इतिहास रचा है। डेयरी फेडरेशन के 45 वर्षों के इतिहास में एक ही दिन का यह सर्वाधिक दुग्ध संकलन है।

कभी किसानों के हितों के लिए नहीं खड़े हुए कांग्रेस नेता : ओमप्रकाश धनखड़

गुरुग्राम। संत रविदास जयंती की तैयारियों को लेकर गुरुग्राम के गुरुकमल प्रदेश कार्यालय में बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में रविदास जयंती के संयोजक डा. बनवारी लाल, सह-संयोजक विधायक सत्य प्रकाश जरावता, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा की उपस्थिति में कार्यक्रम की तैयारियों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक से पूर्व मीडिया से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उनके नेताओं को बयानवीर कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग बयान तो ज्यादा देते हैं और काम कम करते हैं। कांग्रेस के नेता कभी भी किसानों के हितों के लिए खड़े ही नहीं हुए। इस मौके पर उन्होंने 29 जनवरी को गोहाना में होने वाली केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैली के बारे में जानकारी दी। गन्ने के रेट में हुई वृद्धि पर किसानों को बधाई और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार जताया। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा, विधायक सुधीर सिंगला, मेयर मधु आजाद, पूर्व विधायक बिमला चौधरी, पूर्व प्रत्याशी, पार्षद व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

जीएल शर्मा को रविदास जयंती कार्यक्रम के व्यवस्था प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है। ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार में किसानों को ढाई-ढाई रुपए के चेक मिलते थे। जब हुड्डा ने गोहाना रैली में बयान दिया था कि हम 10 हजार रुपए मुआवजा दे रहे हैं, लेकिन जब उन्होंने फाइल ढूंढी तो गायब मिली। कांग्रेस ने अपने 10 साल के शासनकाल में 1100 करोड़ रुपए मुआवजा दिया, जबकि हमारी भाजपा सरकार हर वर्ष किसानों को 1100 करोड़ रुपए दे रही है। श्री धनखड़ ने कहा कि स्वामीनाथन कमिशन कांग्रेस ने बनाया लेकिन रिपोर्ट लागू नहीं की और रिपोटज़ू को दबाकर बैठ गई। 50 प्रतिशत लाभ के साथ फसलों के दाम भाजपा सरकार ने दिए। कांग्रेस के समय में बाजरा की खरीद हुई हो तो वह मात्र अपवाद है। लेकिन हरियाणा की मनोहर सरकार बाजरा खरीद रही है, अगर फिर भी कुछ कमी रह जाती है तो भावांतर भरपाई के तहत किसानों का नुकसान पूरा कर दिया जाता है। हरियाणा में गन्ना के रेट में वृद्धि के सवाल पर ओमप्रकाश धनखड़ ने बताया कि हरियाणा सरकार ने 10 रुपया गन्ना के दाम में वृद्धि की है। हरियाणा में अब 372 रुपए प्रति क्विंटल रेट हो गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने संत रविदास जयंती के बारे में बोलते हुए कहा कि हरियाणा में संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती 3 फरवरी को गुरुग्राम, नरवाना और यमुनानगर में राज्य स्तर पर मनाई जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने उपस्थित सभी विधायकों, कार्यकर्ताओं, मंत्रियों और पार्षदों से कहा कि वे संत रविदास की विचारों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार करें। संत रविदास के दोहों की चर्चा करें। उन्होंने कहा कि संत रविदास परमार्थ के संत थे। उनके दोहे समाज को दिशा देने वाले हैं।

क्षुब्ध गन्ना किसानों ने शहर में निकाली ट्रैक्टर यात्रा

जींद (हिंस)। मुख्यमंत्री मनोहरलाल द्वारा बुधवार को हरियाणा प्रदेश में गन्ने के दामों में दस रुपए वृद्धि की घोषणा की गई। इस घोषणा से किसानों का पारा चढ़ गया और बुधवार को किसानों ने शहर में अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ट्रैक्टर यात्रा निकाली। किसान नेताओं ने कहा कि सीएम द्वारा जो गन्ने के दामों में मात्र दस रुपए वृद्धि की गई है वो बहुत कम है। किसान हरियाणा में गन्ने का रेट 365 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ा कर 450 रुपए प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। किसानों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांग पूरी

नहीं होती तब तक आंदोलन जारी रहेगा। किसानों द्वारा ट्रैक्टर यात्रा निकाले जाने से शहर में जाम की स्थिति बन गई और यातायात व्यवस्था बेपटरी हो गई। जिसके चलते वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शुगर मिल कमेटी पप्पू कंडेला, पूनम कंडेला, पवन साहू, अजमेर, सतीश, राजेंद्र, बीकेयू के जिला प्रधान बारू राम, प्रेस प्रवक्ता रामराजी, रामफल गुलकनी, जयवीर, परविंद्र, अमित लोहान ने कहा कि गन्ने की लागत बढ़ गई है और सरकार गन्ना का दाम नहीं बढ़ा रही है। वह पिछले 15 दिनों से शुगर मिल के बाहर गन्ने के दाम 450 रुपए किए जाने की मांग को लेकर धरना दे रहे हैं लेकिन उनकी मांग पर कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। किसानों ने बताया कि हरियाणा में गन्ने के दाम 365 रुपए प्रति क्विंटल है जबकि दूसरे राज्यों में गन्ने का रेट ज्यादा हैं। इसलिए हरियाणा के किसान भी गन्ने का रेट बढ़ाने की मांग सरकार से कर रहे हैं। जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती तब तक शुगर मील से ताला नहीं खोला जाएगा। इसके बाद किसानों ने शहर के चारों तरफ ट्रैक्टर यात्रा को घुमाया और फिर शुगर मिल पर वापस आकर मुख्यमंत्री के पुतले का दहन किया। शहर में जैसे ही ट्रैक्टर यात्रा पहुंची तो जाम की स्थिति बन गई। शहर का सबसे व्यस्तम मार्ग जींद-गोहाना मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। जिससे आमजन को भी परेशानी उठानी पड़ी। ट्रैक्टर यात्रा शहर के बीच से होते हुए बाईपास से वापस धरना स्थल पर पहुंची।

पूंछ में तलाशी के दौरान हथियार व गोला बारूद बरामद

पुंछ(हिंस)। जम्मू संभाग के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों ने बुधवार को तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला बारूद बरामद किया है। इनमें 2 एके-47 राइफल, 3 एके-47 मैगजीन और एके-47 के 35 राउंड बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को पुलिस, सेना की 39 आरआर और 15 जीआर तथा सीआरपीएफ की 72 बटालियन के जवानों ने कलई टॉप, शिंद्रा, रट्टा जब्बार और आसपास के इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

बंदी सिखों की रिहाई के समर्थन में आए केंद्रीय मंत्री शेखावत

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब में बंदी सिखों की रिहाई को लेकर चल रहे आंदोलन ने बुधवार को उस समय नया मोड़ ले लिया, जब केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत ने इस मुहिम का समर्थन करते हुए फार्म पर हस्ताक्षर किए। अकाली दल ने केंद्रीय मंत्री की इस कार्रवाई का समर्थन किया है। फार्म पर हस्ताक्षर करने से पहले गजेंद्र शेखावत ने अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञान हरप्रीत सिंह से भी मुलाकात की। पंजाब में पिछले लंबे समय से बंदी सिखों की रिहाई का मुद्दा छाया हुआ है। इसे लेकर कौमी इंसाफ मंच ने मोहाली में पक्का मोरचा लगाया गया है। शिरोमणि अकाली दल तथा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी खुलकर बंदी सिखों की लड़ाई लड़ रहे हैं। गजेंद्र शेखावत पंजाब भाजपा के प्रभारी एवं चुनाव प्रभारी भी रह चुके हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शेखावत पंजाब में लगातार सक्रिय हैं। इसी दौरान बुधवार को केंद्रीय मंत्री तलवंडी साबो स्थित तख्त दमदमा साहिब पहुंचे। जहां उन्होंने अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह से मुलाकात की। इसके बाद गजेंद्र शेखावत ने बंदी सिखों के लिए चलाई जा रही हस्ताक्षर मुहिम में हिस्सा लिया और फार्म भरकर समर्थन किया। इसी दौरान शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल ने इसका स्वागत करते हुए कहा कि बंदी सिंघों की तत्काल रिहाई के लिए श्री अकाल तख्त साहिब के संरक्षण में चल रहे अभियान में शामिल होने के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत के फैसले का स्वागत करते हैं और उनसे आग्रह करते हैं कि उनकी रिहाई के लिए आदेश जारी करके याचिका पर हस्ताक्षर करने की अपनी ईमानदारी को प्रदर्शित करें।

भाजपा ने देश को महंगाई की आग में झोंका : लांबा

जयपुर (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रवक्ता व पूर्व विधायक अलका लांबा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज भारत को हर स्तर पर तोड़ा जा रहा है। देश के संसाधनों का रुख मुट्ठी भर लोगों की ओर मोड़ा जा रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार विश्व के सबसे युवा देश के युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं दे पाई, देश के प्रत्येक परिवार को महंगाई की आग में झोंक दिया। देश को नफरत, निराशा के दलदल में धकेला है। लांबा बुधवार को जयपुर प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से चर्चा कर रही थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। यात्रा में लाखों-करोड़ों लोग पैदल चल रहे हैं। कन्याकुमारी से शुरू हुई यह पदयात्रा अब जम्मू पहुंच गई है और 3 हजार 900 किलोमीटर लम्बी यात्रा का आज 131वां दिन है। लांबा ने कहा कि अब कांग्रेस पार्टी इस *भारत जोड़ो* अभियान को और अधिक व्यापकता प्रदान करने के लिए समूचे देश में 26 जनवरी से 26 मार्च तक एक जनसंवाद कार्यक्रम *हाथ से हाथ जोड़ो अभियान* चलाएगी जिसका नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटियां करेंगी। अभियान के तहत भारत के 6 लाख गांवों, 2.50 लाख ग्राम पंचायतों और 10 लाख मतदान बूथों तक पहुंचकर राहुल गांधी का संदेश हर घर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार जब से सत्ता में आई है, महंगाई से देश के नागरिकों की कमर टूटती जा रही है। 2014 में जो गैस का सिलेंडर 410 रुपए का था, आज वह 1,050 रुपए के पार है। पेट्रोल के दाम 70 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 100 रुपए प्रति लीटर के पार हो गए हैं जबकि डीजल के दाम 55 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 90 रुपए प्रति लीटर के करीब पहुंच गए हैं। खाने के तेल और दाल की कीमत 70 रुपए और 60 रुपए प्रति किलो थी, वह 200 रुपए प्रति किलो को पार कर गई है। इतना ही नहीं, बीते दिनों जीएसटी की बर्बर मार से दही, पनीर, लस्सी, आटा, सूखा सोयाबीन, मटर व मुरमुरे भी बच नहीं सके, उन पर भी 5 फीसदी जीएसटी लगा दिया गया।

सीएम मान पहुंचे बांबे स्टॉक एक्सचेंज, कंपनियों को दिया न्योता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को बांबे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का दौरा किया और राज्य को देशभर में निवेश के लिए सबसे पसंदीदा स्थान के तौर पर दर्शाया। मुख्यमंत्री ने यहां बीएसई में घंटी बजाने (मार्केट खुलने का संकेत) की रस्म अदा करने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए पंजाब को कारोबार के लिए बेशुमार मौकों की धरती के तौर पर दर्शाया और कंपनियों को राज्य में निवेश करने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि देश के औद्योगिक केंद्र के तौर पर तेजी से उभर रहे पंजाब में निवेश करने के साथ उद्यमियों को काफी लाभ होगा। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में संपूर्ण भाईचारक सांझ, शांति और सद्भावना है। उद्योगपतियों का पंजाब में स्वागत करते हुए सीएम ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नए

विचारों और नई खोजों के लिए हमेशा तैयार है। वह दिन दूर नहीं, जब पंजाब देश का औद्योगिक केंद्र बन कर उभरेगा। 27 जनवरी को पंजाब में शुरू होंगे 500 आम आदमी क्लिनिक, अमृतसर में सीएम मान करेंगे उद्घाटन। 27 जनवरी को पंजाब में शुरू होंगे 500 आम आदमी क्लिनिक, अमृतसर में सीएम मान करेंगे उद्घाटन। अगले महीने मोहाली में होने वाले पंजाब निवेशक सम्मेलन में शामिल होने के लिए उद्योगपतियों को न्योता देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 23-24 फरवरी को होने वाला यह सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा, जो राज्य के औद्योगिक विकास को काफी बढ़ावा देगा। राज्य सरकार ने इस प्रतिष्ठित समागम के प्रबंधों को पहले ही अंतिम रूप दे दिया है। राज्य में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने का मुख्य मकसद नौजवानों के लिए रोजगार के नए रास्ते खोल कर शिक्षित युवाओं के विदेश में जाने के रुझान को रोकना है। इस मौके पर बीएसई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदरमन आर ने मुख्यमंत्री का सम्मान किया।

कांग्रेस दो रंग की वर्दी निर्धारित करे : अनिल विज

अम्बाला (हिंस)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेताओं के अलग-अलग बयानों पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने कांग्रेसजनों के लिए दो रंग की यूनिफॉर्म निर्धारित कर दे। जब कांग्रेस नेता व्यक्तिगत रूप से बोल रहा हो तो अलग रंग की यूनिफॉर्म डाल लें। अगर वह पार्टी का अधिकृत नेता बोल रहा है तो वह दूसरे रंग की यूनिफार्म डाल ले। फिर दिग्विजय सिंह के बयान पर जयराम रमेश को और न ही राहुल गांधी को स्पष्टीकरण देने की जरूरत पड़ेगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं की दो रंग की यूनिफार्म निर्धारित कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह द्वारा राष्ट्र विरोधी बयान दिए जाने के बाद जयराम रमेश और राहुल गांधी को स्पष्टीकरण ना देना पड़े।

जी20 : मारवाड़ की संस्कृति से रूबरू होंगे विदेशी मेहमान, 250 कलाकार देंगे प्रस्तुति

जोधपुर (हिंस)। शहर में जी-20 सम्मेलन के तहत होने वाली एंप्लायमेंट ग्रुप की बैठक के लिए जिला प्रशासन के साथ कई संगठन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। संभागीय आयुक्त ने एक बैठक ली और उसमें इन तैयारियों की समीक्षा की। जी- 20 सम्मेलन के लिए आने वाले प्रतिनिधियों को मारवाड़ की संस्कृति से रुबरू करवाने के लिए 250 कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। यह प्रस्तुतियां 45 से 50 मिनट की होगी। संभागीय आयुक्त कैलाशचन्द मीना की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सम्मेलन से जुड़े तमाम प्रबंधों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता, पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़, उपायुक्त डॉ. अमृता दुहन, गौरव यादव, नगर निगम आयुक्त अरुण कुमार पुरोहित एवं अतुल प्रकाश, जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त नवनीत कुमार, एसीपी ट्रेफिक चैनसिंह महेचा आदि अधिकारियों ने सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी। जरूरी स्थानों पर बैरिकेडिंग, दुरस्तीकरण, रंग-रोगन, यातायात गुमटियों पर पेंट आदि कर दिया गया है। वहीं जन सहभागिता से दीवारों पर रंग-रोगन, स्वागत द्वार लगाने, चौराहों को सुसज्जित करने आदि के कार्य कराए जाएंगे। स्वागत में सहभागी बनने वाले शहरवासियों की जन सहभागिता के वीडियो भी प्रदर्शित किए जाएंगे। जी 20 सम्मेलन के रूट तथा आयोजन स्थलों के आस-पास सीसीटीवी कैमरे लगवाने, सभी कार्यों की रफ्तार में तेजी लाने, कार्य को गति देने के लिए कार्मिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। 30 जनवरी से विशिष्टजनों का आगमन शुरू हो जाएगा। संभागीय आयुक्त ने वीआईपी-वीवीआईपी भ्रमण के सम्पूर्ण रूट व यात्रा कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा, सफाई, साज-सज्जा आदि की जानकारी ली। जिला कलेक्टर ने बताया कि सम्मेलन के दौरान जोधपुर के उद्योग और हस्तशिल्प की झलक दिखाने के लिए सालावास की दरियां, लाख की चूड़ियों, बाजरे का खेत आदि पर स्टॉल्स लगाए जाएंगे। 28 जनवरी को पुलिस और प्रशासन के अधिकारी वीआईपी रूट मार्च का अंतिम निरीक्षण करेंगे।

No. SE/TB/TEN/40/2022-23/7593

CANCELLATION NOTICE

It is for the information of all concerned that the **"Press Notice"** issued vide this office No. SE/TB/TEN/40/2022-23/7181 dt.27/12/2022 for the works 1) Repair and Renovation of Boys & Girls Hostel at Tezpur Medical College Campus at Bihaguri, Tezpur, Assam (Phase-I), 2) Repair and Renovation of Boys & Girls Hostel at Tezpur Medical College Campus at Bihaguri, Tezpur, Assam (Phase-II), 3) Repair and Renovation of Boys & Girls Hostel at Tezpur Medical College Campus at Bihaguri, Tezpur, Assam (Phase-III), 4) Repair and Renovation of Boys & Girls Hostel at Tezpur Medical College Campus at Bihaguri, Tezpur, Assam (Phase-IV) and 5) Repair and Renovation of Boys & Girls Hostel (Civil, Plumbing and internal/external electrification) at Tezpur Medical College Campus at Bihaguri, Tezpur, Assam (Phase-V) along with the **"Detailed Notice Inviting Tender"** vide this office No. SE/TB/TEN/40/2022-23/7309 dt.3 1/12/2022 is hereby cancelled due to some technical reasons.

-- Janasanyog/ C/18896/22

(i/c) Superintending Engineer, P.W.D
Tezpur Building Circle, Tezpur

संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को झटका! आईएमएफ ने मदद देने से पहले बजट से जुड़े अतिरिक्त जानकारी मांगी

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान से बजट के संबंध में अतिरिक्त जानकारी मांगी है। बता दें कि एक रिपोर्ट के अनुसार देश को 10 अरब डॉलर के विदेशी ऋण की तत्काल जरूरत है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि 8 से 10 अरब डॉलर के चालू खाते के घाटे के प्रबंधन के लिए शेष ऋण पुनर्भुगतान आवश्यकताओं और बाहरी वित्तपोषण को आईएमएफ के रुके हुए कार्यक्रम के कारण नहीं उठाया जा सकता है।

इस बीच, सरकार गैस शुल्क में वृद्धि और आईएमएफ की शर्तों को पूरा करने के लिए वस्तुओं पर लगने वाले टैक्स के मौजूदा स्लैब में बदलाव लाने की तैयारी कर रही है। संघीय मंत्रिमंडल की आगामी बैठक से पहले गैस क्षेत्र के परिपत्र ऋण को मिटाने की योजना भी पेश की जा सकती है।

फिलहाल, पाकिस्तान के लिए आईएमएफ वित्तीय संकट से निपटने के लिए एकमात्र रास्ता है। इससे पहले, पाकिस्तान ने सात अरब डॉलर की विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत लंबित नौवीं समीक्षा को पूरा करने के लिए क्षेत्रों की रूपरेखा साझा की थी। खबर के अनुसार दूसरी ओर पाकिस्तान की निकट भविष्य की चुनौती तेजी से बढ़ी है क्योंकि इस्लामाबाद को चूक से बचने के लिए शेष पांच महीनों (फरवरी-जून) की अवधि में 10 अरब डॉलर का नया कर्ज हासिल करना होगा।

इस बीच, सरकार ने पिछले नवंबर से रुके हुए कार्यक्रम को पुनर्जीवित करने के लिए आईएमएफ को एसओएस (सेव अवर शिप) मैसेज भेजा है। देश आर्थिक पतन के कगार पर पहुंच चुका है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने अपनी नवीनतम मौद्रिक नीति में स्वीकार किया कि वित्त वर्ष 2023 की पहली छमाही के दौरान चालू खाते के घाटे में कमी के बावजूद बाहरी क्षेत्र के लिए चुनौतियां बढ़ी हैं।

न्यूज ब्रीफ

उड़ान के दौरान शराब परोसने की नीति में संशोधन, बदसलूकी की घटनाओं के बीच एयर इंडिया का अहम कदम

नई दिल्ली। विमानन कंपनी एयर इंडिया ने उड़ान के दौरान शराब परोसने की नीति में संशोधित कर दिया है। विमान में बढ़ती बदलूकी की घटनाओं के बीच एयर लाइन की ओर से यह कदम उठाया गया है। एयर इंडिया के मुताबिक, उड़ान के दौरान शराब सुरक्षित ढंग से परोसी जाएगी। यात्रियों को दोबारा शराब परोसने से मना करने के लिए समझदारी से काम लिया जाएगा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली विमानन कंपनी पर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पिछले कुछ दिनों में दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में यात्रियों के अनुचित व्यवहार के बाद लापरवाही के लिए जुर्माना लगाया गया है। संसोधित नीति के मुताबिक, यात्रियों को चालक दल के सदस्यों द्वारा परोसे जाने तक शराब पीने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। चालक दल के सदस्यों को उन यात्रियों की पहचान करने के लिए चौकस रहना होगा जो अपनी शराब का सेवन कर रहे हों। अल्कोहल युक्त पेय पदार्थों को उचित और सुरक्षित तरीके से परोसा जाना चाहिए। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि एयरलाइन ने अन्य विमानन कंपनियों द्वारा अपनाए जाने वाले तौर-तरीकों, अमेरिकी नेशनल रेस्तरां एसोसिएशन (एनआरए) के दिशानिर्देशों के आधार पर उड़ान में शराब की पेशकश संबंधी मौजूदा नीति की समीक्षा की है।

यूपी : प्रयागराज में क्रिप्टोकरेंसी के जरिए दुबई भेजे गए 21.2 करोड़ रुपए

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से दुबई में नकदी के हस्तांतरण की जांच से पता चला है कि 21.29 करोड़ रुपए के नकद लेनदेन हुए हैं। पुलिस को आरोपी कृष्णा अवतार के 35 बैंक खातों का भी पता चला है, जिसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। यह घोटाला 2 जनवरी को सामने आया था, जिसके बाद पुलिस ने विस्तृत जांच शुरू की थी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अवतार ने एक गेमिंग ऐप से दुबई में रहने वाले जय को कैश ट्रांसफर किया। इससे पहले, जांच में पता चला था कि अवतार ने 3.75 करोड़ रुपए की नकदी को क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया और इसे 10 दिनों के भीतर दुबई स्थित वॉलेट में ट्रांसफर कर दिया। हालांकि, उसके बैंक खातों की विस्तृत स्कैनिंग से पता चला कि जय के संपर्क में आने के बाद से उसने क्रिप्टोकरंसी में बदलने के बाद 21.29 करोड़ रुपए की नकदी ट्रांसफर की। पुलिस टीम को उसके 35 बैंक खातों की भी जानकारी मिली है। मामले की जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पुलिस इन बैंक खातों में किए गए लेन-देन की जांच कर रही है।

जियो ने एक साथ 50 शहरों में पेश की ट्रू 5जी सेवा, 184 शहरों में पहुंची 5जी सेवा

नई दिल्ली। जियो ने 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 50 शहरों में एक साथ ट्रू5जी पेश कर रिकॉर्ड बनाया है। इसके साथ ही 184 शहरों में इसकी 5जी सेवा पहुंच गई है। कंपनी ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के पानीपत, रोहतक, करनाल, बहादुरगढ़ और सोनीपत के साथ अन्य शहरों में इसकी शुरुआत की। इसके अलावा, अंबाला, हिसार एवं सिरसा के साथ उत्तर प्रदेश के झांसी, अलीगढ़, मुरादाबाद व सहारनपुर में भी जियो ट्रू5जी सेवाएं शुरू हो गई हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का शुल्क वाले प्लाजा पर फास्टैग के जरिये कुल टोल संग्रह 2022 में 46 फीसदी बढ़कर 50,855 करोड़ रुपये रहा। इसमें राज्य राजमार्गों के टोल प्लाजा का संग्रह भी शामिल है। 2021 में फास्टैग से 34,778 करोड़ रुपये का टोल संग्रह हुआ था। एनएचएआई ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों के शुल्क वाले प्लाजा पर दिसंबर 2022 में फास्टैग से दैनिक औसत टोल संग्रह 134.44 करोड़ रहा। एक दिन का सर्वाधिक संग्रह 24 दिसंबर, 2022 को 144.19 करोड़ रुपये था।

बजट में इन वस्तुओं पर बढ़ सकता है सीमा शुल्क एनबीएफसी सेक्टर को भी कर राहत की उम्मीद

नई दिल्ली।

भारत सरकार वित्त वर्ष 2023-2024 के आगामी बजट में निस्संदेह देश की आर्थिक नीतियों में कई बदलाव लाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में एक सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि सरकार संभावित कस्टम ड्यूटी बढ़ोतरी के लिए 35 आइटम्स की लिस्ट पर मंथन कर रही है।

इस लिस्ट में निजी जेट, हेलीकॉप्टर, उच्च अंत इलेक्ट्रॉनिक आइटम, प्लास्टिक के सामान, आभूषण, उच्च चमक वाले कागज और विटामिन जैसी चीजें है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस कदम का उद्देश्य आयात को कम करना और इनमें से कुछ उत्पादों के स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है।

दिसंबर 2022 में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने विभिन्न मंत्रालयों को टैरिफ वृद्धि के माध्यम से अपने आयात को नियंत्रित करने के लिए गैर-आवश्यक वस्तुओं की एक सूची बनाने के लिए कहा था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारत के चालू खाते के बैलेंस ने 2022-23 की दूसरी तिमाही में 36.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 4.4 प्रतिशत) का घाटा दर्ज किया। 2022-23 की पहली तिमाही में 18.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 2.2 प्रतिशत) और एक साल पहले 9.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.3 प्रतिशत) का घाटा हुआ था।

आरबीआई की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2022-23 की दूसरी तिमाही में बड़े पैमाने पर चालू खाता घाटे के पीछे अंतर्निहित कारक वस्तु व्यापार घाटे को 2022-23 की पहली तिमाही में 63.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 83.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। करों में वृद्धि और आयात को कम करने के लिए सरकार की ओर से उठाया गया यह कदम स्थानीय उत्पादन बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है जो घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

एनबीएफसी सेक्टर को करों में राहत की उम्मीद

संस्थापक व सीईओ महेश शुक्ला के अनुसार वित्तीय प्रौद्योगिकी या फिन-टेक खिलाड़ियों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के साथ उधार या वित्तपोषण उद्योग ने हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण सुधार देखा है। पारंपरिक बैंकों की तुलना में ऋण देने या वितरित करने में तेजी से वृद्धि हुई है। एनबीएफसी सेक्टर को केंद्रीय बजट 2023 के दौरान वित्त मंत्री से बहुत सारी उम्मीदें हैं। फिन-टेक खिलाड़ियों की सबसे बड़ी अपेक्षा कर व्यवस्था का उदारीकरण है।

स्टार्टअप्स को करों में राहत की उम्मीद है। सालाना 10 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक जीएसटी नहीं लगने से छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और अधिक नौकरियों में सहायता करने में मदद मिलेगी। हम वित्तपोषण के मौजूदा मॉडल को मजबूत करने के लिए बैंकों के साथ बेहतर साझेदारी के लिए सरकार से समर्थन बढ़ाने की भी उम्मीद करते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक फिन-टेक क्षेत्र को नियंत्रित करने के लिए नियमों में और सुधार कर सकता है, जो अधिक पारदर्शिता ला सकता है और ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में ऋण देने की प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देगा।

मुथुट फाइनेंस के एमडी ने बजट 2023 से ये उम्मीद जतायी

मुथुट फाइनेंस के एमडी जॉर्ज अलेक्जेंडर मुथुट के अनुसार व्यापक आर्थिक चुनौतियों और कोविड लहर की जोखिम की आशंका को देखते हुए बजट 2023 से उम्मीद की जा रही है कि यह बजट भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यवसायों को स्थिर और निरंतर विकास के रास्ते पर स्थापित करेगी। इस बजट में सरकार को कैपेक्स खर्च, निवेश गतिविधि/कॉरपोरेट सेक्टर को मदद, एमएसएमई, छोटे व्यवसायों पर फोकस करना चाहिए। विशेष रूप से भारत में एनबीएफसी सेक्टर बजट से छूट, तरलता सहायता और चुनौतीपूर्ण समय से निपटने में मदद से जुड़ी घोषणाओं की उम्मीद कर रहा है।

नएसाल में 14 स्टार्टअप ने की 2100 से ज्यादा की छंटनी, फंड की कमी को बनाया गया आधार

नई दिल्ली।

देश के 14 स्टार्टअप ने इस साल में अब तक 2,100 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। पिछले साल इसी अवधि में 1,060 लोगों को बाहर किया गया था। 2022 से अब तक स्टार्टअप ने 20,500 छंटनी की है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल से जो छंटनी जारी हुई है, वह मूलरूप से 2021 में आक्रामक तरीके से की गई भर्ती का परिणाम है।

इसलिए, स्टार्टअप कंपनियां अब लागत को घटाने पर फोकस कर रही हैं। डूंजो ने 90, बाउंस ने 50, हड़प्पा ने 75, अपस्कालियो ने 40, मोगलिक्स ने 200 और रिबेल फूड्स ने 50 कर्मचारियों को इस साल निकाला है। आंकड़े बताते हैं कि 2022 की शुरुआत से कुल 60 बड़े स्टार्टअप ने फंड की कमी और पुनर्गठन के चलते छंटनी की। इसके अलावा, कुछ ने कर्मचारियों के प्रदर्शन को आधार बनाकर उनको बाहर निकाल दिया। कुछ ऐसे स्टार्टअप को इसलिए कड़े फैसले लेने पड़े क्योंकि उन पर दूसरों के मुकाबले ज्यादा असर पड़ा। छह स्टार्टअप ऐसे रहे, जिन्होंने 2022 की शुरुआत से 1,000 से ज्यादा छंटनी की है।

इन स्टार्टअप ने की है छंटनी

स्विगी, मेडिबडी, हुबिलो, शेयरचैट, रिलेवल, रिबेल फूड्स, ओला, स्किट एआई, डूंजो, लीड, बाउंस, मोगलिक्स, हड़प्पा और अपस्कालियो। आर्थिक अनिश्चितता और बाजार के उतार-चढ़ाव के कारण निवेश की गतिविधियां प्रभावित होने से स्टार्टअप में 2022 के दौरान 38 फीसदी निवेश घट गया है। ग्लोबल डाटा ने कहा, 1,726 वेंचर कैपिटल (वीसी) के साथ 20.98 अरब डॉलर के सौदे हुए। 2021 में 1,715 के साथ 33.8 अरब डॉलर के सौदे हुए थे। कंपनी के प्रमुख विश्लेषक अरोज्योति बोस ने कहा, भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र का प्रमुख बाजार है। वीसी फंडिंग की संख्या व मूल्य के लिहाज से चीन के आसपास है।

रोटी हुई महंगी: आटा 1 साल में 40प्रतिशत महंगा, गेहूं का सरकारी स्टॉक जारी न होने पर और बढ़ सकते हैं भाव

नई दिल्ली।

आटा खुले में 38-40 रुपए और ब्रांडेड पैक में 45-55 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। जनवरी 2022 में जो भाव थे, उसके मुकाबले ये 40प्रतिशत से भी ज्यादा है। कमोडिटी विश्लेषकों का कहना है कि सरकार यदि स्टॉक का गेहूं खुले बाजार में जारी नहीं करती है तो आटे के भाव में और तेजी आ सकती है।

निर्यात पर पाबंदी के बावजूद जनवरी में गेहूं के भाव 7-10प्रतिशत बढ़े

दरअसल देश में बीते कुछ समय से गेहूं के भाव लगातार बढ़ रहे हैं। निर्यात पर पाबंदी के बावजूद जनवरी में गेहूं के भाव 7-10प्रतिशत बढ़े हैं। चालू सीजन के लिए सरकार का न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) 2,125 रुपए प्रति क्विंटल है। लेकिन मंगलवार को इंदौर में गेहूं के भाव 31,00 रुपए प्रति क्विंटल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। दिल्ली में गेहूं 3,150 रुपए बिका, जबकि देश के कई हिस्सों में ये 3200 रुपए से ऊपर निकल गया। इसका असर न सिर्फ आटे पर, बल्कि इससे तैयार होने वाले सभी प्रोडक्ट्स के दाम पर देखा जा रहा है।

एक माह में 20प्रतिशत तक तेजी

गेहूं महंगा होने से आटा, मैदा, सूजी के भाव भी महीने भर में 15-20प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। सरकार से ओपन मार्केट में गेहूं बेचने की उम्मीद कर रहे मिल मालिकों ने भी अब महंगे दाम पर ही गेहूं खरीदना शुरू कर दिया है। इससे आटा महंगा हो रहा है। ओरिगो कमोडिटी के सीनियर मैनेजर इंद्रजीत पॉल ने बताया कि सरकारी गोदामों में करीब 115 लाख टन गेहूं है। ये बफर स्टॉक की सीमा 74 लाख टन से 41 लाख टन ज्यादा है। सरकार ने यदि 15 दिन में ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत गेहूं बाजार में नहीं बेचा तो आटे के भाव 5-6प्रतिशत और बढ़ सकते हैं।

बिक्री में तेजी से मारुति सुजुकी को दोगुना से ज्यादा शुद्ध लाभ, कुल बिक्री 27849.2 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली।

वाहनों की बिक्री में तेजी से मारुति सुजुकी इंडिया का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही यानी अक्तूबर-दिसंबर में दोगुना से ज्यादा बढ़कर 2,351.3 करोड़ रुपये पहुंच गया।2021-22 की समान तिमाही में यह आंकड़ा 1,011.3 करोड़ रहा था।

मारुति सुजुकी ने मंगलवार को बताया कि तीसरी तिमाही में उसकी कुल बिक्री बढ़कर 27,849.2 करोड़ रुपये पहुंच गई।2021-22 की समान तिमाही में बिक्री 22,187.6 करोड़ रही थी। वहीं, अप्रैल-दिसंबर में कंपनी का शुद्धलाभ 2.81 गुना बढ़कर 5,425.6 करोड़ रुपये पहुंच गया।इस दौरान कंपनी ने रिकॉर्ड 81,679 करोड़ रुपये के वाहन बेचे।2021-22 की समान अवधि में बिक्री 58,284 करोड़ रुपये रही थी।

कंपनी ने 4,65,911 वाहन बेचे

मारुति सुजुकी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसने कुल 4,65,911 वाहन बेचे। घरेलू बिक्री बढ़कर 4,03,929 इकाईपहुंच गई। इस दौरान कंपनी ने 61,982 वाहनों का निर्यात किया।तीसरी तिमाही में 3.63 लाख वाहनों के ऑर्डर लंबित थे। इनमें से 1.19 लाख ऑर्डर नएलॉन्च वाहनों के थे।कंपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने को नए मॉडल के लॉन्च पर जोर दे रही है। यूको बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 110 फीसदी बढ़कर 653 करोड़ रुपये पहुंच गया।बैंक के एमडी-सीईओ सोमा शंकर प्रसाद ने कहा, इस दौरान संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआहै।सकल एनपीए 8प्रतिशत से घटकर 5.63 फीसदी रह गया।

एसबीआई कार्ड का मुनाफा तीसरी तिमाही में 32प्रतिशत बढ़कर 509 करोड़ रुपये पहुंच गया।कुल आय 3,140 करोड़ से बढ़कर 3,656 करोड़ पहुंच गई।सकल एनपीए 2.40 फीसदी से कम होकर 2.22 फीसदी रह गया।

हाउसिंग फाइनेंस कंपनी का शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में 43 फीसदी बढ़कर 269 करोड़ रुपये पहुंच गया।शुद्ध ब्याज आय 67प्रतिशत बढ़कर 734 करोड़ पहुंच गई।

ब्रिटेन के व्यापार मंत्री ने कहा-

भारत के साथ एफटीए वार्ता को पटरी पर लाने के लिए गतिरोध खत्म

लंदन।

भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत करने के प्रभारी ब्रिटेन के व्यापार मंत्री ने मंगलवार को स्वीकार किया कि वार्ता में थोड़ा गतिरोध आ गया था, जिसे उन्होंने पिछले महीने नई दिल्ली आकर खत्म किया। ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बडेनोच ने कहा कि सौदा अब ट्रैक पर वापस आ गया है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पिछले साल अक्तूबर में पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन द्वारा निर्धारित एफटीए के लिए दीवाली 2022 की समय सीमा तक डील संभव नहीं थी और इसलिए इसे बदलना पड़ा।

लंदन में लैंकेस्टर हाउस को संबोधित करते हुए अपने भाषण में केमी बडेनोच ने व्यापार के लिए शीर्ष पांच प्राथमिकताएं रखीं। मंत्री ने जोर देकर कहा कि वह दिल से इस समस्या का समाधान चाहती हैं और उन्हें विश्वास है कि भारत के साथ एक उच्च गुणवत्ता वाला सौदा होगा। केमी ने व्यापार सभा को बताया कि आप में से कुछ को पता होगा कि मैं राजनेता बनने से पहले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर और सिस्टम विश्लेषक थी। इसका मतलब है कि मैं दिल में समस्या का समाधानकर्ता हूं। उन्होंने कहा कि इसलिए जब हमारी भारतीय व्यापार वार्ता में थोड़ा गतिरोध आया, तो मैंने फोन नहीं उठाया, बल्कि मैं विमान पर सवार होकर दिल्ली पहुंची। यह सौदा अभी तक नहीं हुआ है, लेकिन यह वापस ट्रैक पर आ गया है।

ब्रिटेन में सातवें दौर की वार्ता की उम्मीद

बडेनोच अपने समकक्ष, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत करने और एफटीए वार्ता के छठे दौर की शुरुआत करने के लिए दिसंबर की शुरुआत में नई दिल्ली आई थीं। आने वाले हफ्तों में ब्रिटेन में सातवें दौर की वार्ता की उम्मीद है, दोनों पक्ष वार्ता को पूरा करने के लिए एक नई समय सीमा निर्धारित करने के लिए अनिच्छुक हैं।

व्यापारिक सौदों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए ब्रिटिश मंत्री ने कहा कि हम भारत और सीपीटीपीपी (ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप के लिए व्यापक और प्रगतिशील समझौता) के साथ उच्च गुणवत्ता वाले सौदे पर मुहर लगाएंगे। उनके पास लगभग दो अरब उपभोक्ताओं की एक संयुक्त आबादी है जो आने वाले वर्षों के लिए तेजी से बढ़ते बाजारों में रोमांचक अवसरों को खोल रही हैं। केमी ने कहा कि लेकिन मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि केवल बिंदीदार रेखा पर हस्ताक्षर करना हमारा उद्देश्य नहीं है। इन सौदों पर तभी सहमति बनेगी जब वे इस देश के लोगों के लिए सही सौदे हों।हमारा मकसद पीछे रह गए समुदायों के लिए नौकरियां और निवेश लाना और उन क्षेत्रों का लाभ उठाना है जिनमें हम विशेषज्ञता रखते हैं। ब्रिटेन के व्यवसायों के लिए भारतीय बाजार खोलने में उनके अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग (डीआईटी) द्वारा किए जा रहे कार्यों के संदर्भ में मंत्री ने उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड में पालतू जानवरों के लिए भोजन बनाने वाली कंपनी का उदाहरण दिया। वेटप्लस नाम की लंकाशायर फर्म ने भारत में पालतू जानवरों के लिए खाद्य उत्पादों को बेचने में कागजी कार्रवाई की समस्या को लेकर हाल ही में डीआईटी से संपर्क किया है। उन्होंने घोषणा की कि हमने इसे ठीक कर दिया है। और कंपनी अब अगले पांच वर्षों में 1.5 मिलियन ब्रिटिश पाउंड का अतिरिक्त व्यवसाय करने की उम्मीद करती है।

2023 के लिए अपनी योजनाओं को प्रस्तुत करते हुए व्यापार मंत्री ने कहा कि ब्रिटेन के व्यवसायों को अधिक बिक्री और ज्यादा बढ़ने में मदद करने, नए रोजगार सृजित करने और उच्च मजदूरी का भुगतान करने में मदद करने के लिए रास्ते में आने वाले 100 अनावश्यक अवरोधकों को हटाते हुए व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए वह वचनबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं ब्रिटेन को यूरोप में निवेश करने के लिए सबसे आकर्षक जगह बनाना चाहती हूं, जो दुनिया भर की कंपनियों को आकर्षित करे।

ब्रिटेन सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान में लगभग 29.6 बिलियन ब्रिटिश पाउंड प्रति वर्ष है। दोनों पक्षों ने औपचारिक रूप से पिछले साल की शुरुआत में दो तरफा आदान-प्रदान को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देने की महत्वाकांक्षा के साथ एफटीए वार्ता शुरू की थी।

तू झूठी मैं मक्कार के साथ रोमांस किंग बनाकर आ रहे रणबीर कपूर

मुंबई (ईएमएस)। ब्रह्मास्त्र की सफलता के बाद फिर रणबीर कपूर दर्शकों के सामने आने की तैयारी में हैं। इस बार वे अपने चिरपरिचित रोमांस किरदार के रुप में वापसी करने जा रहे हैं। नायिका के तौर पर श्रद्धा कपूर उनके साथ हैं। इस फ्रेश जोड़ी की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार का ट्रेलर जारी हुआ है जिसे देखने के बाद निश्चित तौर पर यह कहा जा सकता है कि परदे पर फिर से रोमांस की वापसी होने जा रही है। फिल्म का निर्देशन लव रंजन ने किया है। रणबीर लगभग एक दशक के बाद रोम-कॉम में वापसी कर रहे हैं और इसने अपने आप में प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। फिल्म का ट्रेलर रणबीर और श्रद्धा के चरित्र लक्षणों को उजागर करने वाले कई पलों से भरा है। ट्रेलर जान बूझकर कई हालिया फिल्मों की तुलना में छोटा है और चिढ़ाता है कि यह इंतजार करने वाली फिल्म क्यों है। तीन मिनट पच्चीस सेकंड का ट्रेलर ताजी हवा की एक सांस है जिसमें मुख्य जोड़ी के बीच शानदार केमिस्ट्री आश्चर्यजनक दृश्य और प्रफुल्लित करने वाले संवाद इसे एक शानदार पल बनाते हैं। ऐसा लगता है कि तू झूठी मैं मक्कार रोमांस को थिएटर में वापस लाने वाली है लेकिन 2023 की शैली में। ट्रेलर में स्टैंड-अप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी को भी दिखाया गया है जो फिल्म के साथ अपनी शुरूआत कर रहे हैं। श्रद्धा और रणबीर की केमिस्ट्री के अलावा ट्रेलर ने फिल्म में प्रीतम अमिताभ भट्टाचार्य और अरिजीत सिंह के जादू के साथ शानदार संगीत की झलक भी दिखाई। इस होली 8 मार्च 2023 को रोमांटिक-कॉमेडी तू झूठी मैं मक्कार के प्रदर्शन के साथ लव रंजन शैली में अतिरिक्त विशेष और रंगीन होने जा रही है।

फिल्म वाल्टेयर वीरैय्या साबित हुई ब्लॉकबस्टर

-चिरंजीवी की पिछली दो असफलताओं को भूलाने में मिलेगी मदद

मुंबई (ईएमएस)। हालिया प्रदर्शित फिल्म वाल्टेयर वीरैय्या बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हो गई है। इस मसाला एंटरटेनमेंट फिल्म ने दर्शकों के जेहन से चिरंजीवी की पिछली दो असफलताओं–आचार्य और गॉडफादर–भुलाने में सहायता की है। बॉबी कोली द्वारा निर्देशित इस फिल्म के साथ ही प्रदर्शित हुई बालाकृष्ण की वीरा सिम्हा रेड्डी बॉक्स ऑफिस पर चिरंजीवी की फिल्म से एक दिन पहले प्रदर्शित होने के बावजूद कारोबार के मामले में उससे बहुत ज्यादा पीछे रह गई है। सुपरस्टार चिरंजीवी की वाल्टेयर वीरैय्या दर्शकों का मनोरंजन करना जारी रखे हुए है क्योंकि यह बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई कर रही है। 8वें दिन 124 करोड़ रुपये के करीब कलेक्शन करने के बाद फिल्म ने शनिवार को 9 करोड़ रुपये कमाए जिससे कलेक्शन 132.75 करोड़ रुपये हो गया। रविवार को फिल्म अपनी पकड़ मजबूत करने में कामयाब होगी और बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद है कि रविवार को यह फिल्म 10 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफल हो जाएगी।दूसरी ओर वीरा सिम्हा रेड्डी ने अभी तक 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार नहीं किया है। कहा जाता है कि नौवें दिन तक 89.05 करोड़ रुपये की कमाई करने के बाद फिल्म ने शनिवार को 2 करोड़ रुपये कमाए जिससे कुल 91.05 करोड़ रुपये हो गए। उम्मीद है यह फिल्म रविवार को उछाल लेते हुए लगभग 3 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफल होते हुए स्वयं को 95 करोड़ तक पहुँचाने में सफलता प्राप्त कर लेगी। इस फिल्म को सोमवार और मंगलवार को भी 5 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करते हुए स्वयं को 100 करोड़ी क्लब में शामिल करवाना होगा। फिल्म को शाहरुख खान की पठान से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। बालकृष्ण की वीरा सिम्हा रेड्डी ने 12 जनवरी को बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरूआत की। दूसरी ओर चिरंजीवी की वाल्टेयर वीरय्या जो वीरा सिम्हा के एक दिन बाद रिलीज हुई थी थोड़ा पीछे रह गई। हालाँकि तब से चिरंजीवी की फिल्म ने सहजता से बालकृष्ण की फिल्म पर अपनी बढ़त बढ़ा ली है हालांकि फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। कैदी नंबर 150 के बाद चिरंजीवी की यह ब्लॉकबस्टर फिल्म है। वाल्टेयर वीरय्या में मास महाराज रवि तेजा को एक महत्वपूर्ण भूमिका में शामिल किया गया है। श्रुति हासन चिरंजीवी के साथ महिला प्रधान हैं जबकि कैथरीन ट्रसा को रवि तेजा के साथ जोड़ा गया है। अन्य अहम किरदारों में प्रकाश राज राजेंद्र प्रसाद और बॉबी सिम्हा ने काम किया है। मालूम हो कि संक्रांति बॉक्स ऑफिस पर मनोरंजन हमेशा बड़ा काम करता है और यह वाल्टेयर वीरय्या की सफलता का मुख्य कारण है क्योंकि फिल्म में पहले और दूसरे भाग दोनों में मनोरंजन के पर्याप्त तत्व हैं। देवी श्री प्रसाद के दो गानों ने भी फिल्म के लिए अच्छा काम किया है।

फिल्म सेल्फी की रिलीज की तैयारी जारी

-अक्षय-इमरान की यह फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म जुग जुग जीयो के बाद निर्देशक राज मेहता अक्षय और इमरान के साथ दर्शकों को भावनाओं के रोलर-कोस्टर राइड पर ले जाने के लिए तैयार हैं। अक्षय कुमार और इमरान हाशमी इन दिनों अपनी फिल्म सेल्फी की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म 24 फरवरी 2023 को रिलीज होने वाली है। फिल्म की सिनेमाघरों में रिलीज से पहले अक्षय ने अपने ट्विटर हैंडल पर सेल्फी का ट्रेलर जारी किया। उन्होंने लिखा इस कहानी का खलनायक तो पता नहीं पर हीरो सेल्फी है! सेल्फी ट्रेलर अभी देखें। सेल्फी केवल 24 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। सेल्फी ट्रेलर में अक्षय कुमार सिनेमा के सुपर सितारे विजय कुमार के रूप में नजर आएंगे। इमरान हाशमी एक पुलिस अधिकारी ओम प्रकाश अग्रवाल की भूमिका में नजर आते हैं जो विजय का एक उत्साही प्रशंसक है। जहां ट्रेलर हमें उनके संबंधित जीवन की झलक देता है वहीं यह बहुतायत में हंसी और एक्शन की गारंटी भी देता है।

सेल्फी के आधिकारिक सारांश में लिखा है बॉलीवुड सुपरस्टार विजय कुमार को आरटीओ अधिकारी ओम प्रकाश अग्रवाल विजय के कट्टर प्रशंसक से एक नया ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की आवश्यकता है। एक गलतफहमी एक झगड़े में बढ़ जाती है जो उसके सामने खेली जाती है। सेल्फी का ट्रेलर एक कामयाब फिल्म की झलक प्रस्तुत करता है। वैसे भी राज मेहता ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर करण जौहर के बैनर के लिए दो कामयाब फिल्में दी हैं। यह उनकी करण जौहर के बैनर के लिए तीसरी फिल्म है।

फिल्म माइकल में इंटेंस लुक में नजर आएंगे संदीप किशन

संदीप किशन जल्द ही अपने करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शुमार माइकल में नजर आएंगे। संदीप ने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है क्योंकि माइकल में वे इंटेंस लुक में नजर आएंगे। अब एक रोमांचक घटनाक्रम में इसका आधिकारिक ट्रेलर आउट हो गया है। ट्रेलर पूरी तरह से मसाला फिल्म की झलक देता है जो बड़े पैमाने पर दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। माइकल एक एक्शन ड्रामा है जिसका निर्देशन रंजीत जयकोडी ने किया है। 23 जनवरी को संदीप किशन ने माइकल का आधिकारिक ट्रेलर साझा किया। इसमें हम उनके चरित्र को एक उग्र नए अवतार में देखते हैं जो हिंसक एक्शन ड्रामा के शौकीन लोगों को आकर्षित कर सकता है। ट्वीट में लिखा था हर उस शख्स को माइकल ट्रेलर समर्पित कर रहा हूं जिसने कड़ी मेहनत की और प्यार में खोया. फिल्म को कैथी मास्टर और विक्रम बनाने वाले लोकेश कनगराज ने पेश किया है। इसके कलाकारों में विजय सेतुपति गौतम मेनन दिव्यांश कौशिक अनसूया भारद्वाज और वरुण संदेश शामिल हैं। माइकल 3 फरवरी को सिनेमाघरों में आने वाली हैं।

साउथ की फिल्म वारिसु ने किया 145 करोड़ का कारोबार

-फिल्म सभी भाषाओं में बेहतरीन कारोबार करने में सफल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के स्थान पर आजकल साउथ की फिल्में धमाल मचा रही है। फिल्म ने 11 दिनों में लगभग 145 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर लीफिल्म को अभिनेता अजित की फिल्म थुनिवु से बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर मिली इसके बावजूद इसने थुनिवु से बढ़त बनाई रखने में सफलता प्राप्त की है। गौरतलब है कि अजित अभिनीत थुनिवु ने हाल ही में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ के आंकड़े को पार किया है। वैश्विक स्तर पर वारिसु ने 210 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। वारिसु का निर्देशन तमिल फिल्मों के ख्यातनाम निर्देशक वामसी पेडिपल्ली ने किया है। इस फिल्म के कारोबार में 10वें दिन कुछ गिरावट देखने को मिली थी लेकिन 11वें दिन इस फिल्म ने एक बार फिर से बॉक्स ऑफिस पर उछाल ली। प्रदर्शन के 11वें फिल्म ने सभी भाषाओं में 6.5 करोड़ का कारोबार किया। फिल्म ने पहले 11 दिनों में जो असाधारण व्यवसाय किया उसके कारण निमार्ताओं ने जश्न मनाया। संगीतकार थमन ने सक्सेस बैश से कुछ तस्वीरें साझा कीं जहां थलपति विजय निर्देशक वामशी पेडिपल्ली और गीतकार विवेक सहित पूरी टीम रिलीज की सफलता का जश्न मनाने के लिए मौजूद थी।

वामशी पेडिपल्ली द्वारा निर्देशित वरिसु एक पारिवारिक मनोरंजन है जो पोंगल से पहले 11 जनवरी को बड़े पर्दे पर हिट हयह थलापति विजय की हिन्दी में प्रदर्शित पिछली फिल्मों मास्टर और बीस्ट से ज्यादा है। इस फिल्म में थलापति विजय के अलावा रश्मिका मंदाना प्रकाश राज सरथकुमार प्रभु जयसुधा योगी बाबू श्रीकांत मेका और श्याम भी हैं। फिल्म का संगीत एस थमन का है और इसका निर्माण दिल राजू ने श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के तहत किया है। बता दें कि गत 11 जनवरी को प्रदर्शित हुई अभिनेता थलापति विजय की वारिसु पैन इंडिया के तौर पर प्रदर्शित होने के बाद से लगातार सभी भाषाओं में बेहतरीन कारोबार करने में सफल हुई है।

स्प्लिट्सविला फेम साउंडस मौफकीर कंटीन्यूटी से करेंगी अभिनय में डेब्यू

स्प्लिट्सविला और रोडीज के बाद साउंडस मौफकीर को फिल्म कंटीन्यूटी में रोमा का किरदार निभाने के लिए चुना गया है। वह दीपक सिंह की अगली परियोजना के माध्यम से एक अभिनेता के रूप में अपनी शरूआत करेंगी। मोरक्को की रहने वाली साउंडस ने रियलिटी शो रोडीज में हिस्सा लिया था और फिलहाल वह डेटिंग बेस्ड रियलिटी शो स्प्लिट्सविला एक्स4 का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा यह काफी सुखद आश्चर्य था जब सर ने मुझे इस फिल्म की पेशकश की और मैंने हां कहने में एक पल भी नहीं लगाया। मैं कंटीन्यूटी में अपने लिए एक मानक स्थापित करना चाहती हूं। उन्होंने कहा मुझे अपने स्टाइल और पोशाक के साथ पर्दे पर देखना सपना सच होने जैसा लगता है। मुझे यकीन है कि लोगों को यह किरदार पसंद आएगा। मैं एक पंजाबी लड़की की भूमिका निभा रही हूं जो अपनी जिंदगी के प्यार के लिए रोमांस और लड़ाई कर रही है। वह फिल्म में रोमा की भूमिका निभाएंगी जो एक अभिनेत्री के रूप में उनकी पहली परियोजना होगी।

मौनी रॉय ने बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर लग रही आग

अभिनेत्री मौनी रॉय अपने काम के साथ-साथ लुक को लेकर भी चर्चा में है। मौनी अपने अलग-अलग लुक की तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ भी शेयर करती है।

हाल ही में मौनी ने अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं जो आग लगा रही हैं। लुक की बात करें तब मौनी रॉय ने पिंक बिकिनी टॉप और साइड कट स्कर्ट पहनी हुई है। सिंपल मेकअप और ओपन हेयर्स से मौनी ने अपने लुक को पूरा किया है। इस लुक में मौनी बेहद बोल्ड लग रही है। मौनी की कातिलाना अदाएं फैंस के दिलों पर कहर ढा रही हैं। फैंस इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। हाल ही में मौनी हनी सिंह के साथ गाने गतिविधि में नजर आई थी जिसे लोगों ने खूब प्यार दिया।

पठान ने टिकट बिक्री में केजीएफ-2 को पीछे छोड़ा

दुनियाभर में 7700 स्क्रीन पर दिखेगा शाहरुख खान का जलवा

शाहरुख खान के फैंस साल 2023 की शुरूआत से ही जिस पल का इंतजार कर रहे थे वह आ गया है। किंग खान की फिल्म पठान 26 जनवरी को दुनियाभर में प्रदर्शित होगी। फिल्म के साथ तमाम तरह के विवाद जुड़े लेकिन पठान को लेकर दर्शकों के बीच क्रेज देखने को मिल रहा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पहले दिन टिकट बिक्री का फिल्म नया रिकॉर्ड बना चुकी है। फिल्म ने केजीएफ-2 का रिकॉर्ड तोड़कर दूसरे स्थान पर जगह बना ली है। गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज हो रही फिल्म पठान में देशभक्ति का एंगल देखने को मिलेगा। शाहरुख की फैन फॉलोइंग काफी है और इसका फायदा फिल्म की टिकट बिक्री में साफ दिख रहा है। महानगरों में एडवांस बुकिंग को लेकर खास क्रेज देखने को मिला है। फिल्म विश्लेषक तरण आदर्श के अनुसार पठान के पहले दिन की टिकट बिक्री का कलेक्शन 5.56 लाख रुपये रहा। पठान के पोस्टर और ट्रेलर रिलीज के साथ ही फिल्म को लेकर फैंस उत्साहित थे। ऐसे में फिल्म को पहले दिन ही देखने को लेकर भी लोगों के बीच क्रेज नजर आया। भारत में पहले दिन टिकिट बिक्री की टॉप फाइव मूवीज में पठान दूसरे नम्बर पर है। पहले पायदान पर 6.50 लाख के साथ बाहुबली 2 है। इसके बाद दूसरे पर पठान और तीसरे पर केजीएफ 2 है. केजीएफ का पहले दिन टिकट कलेक्शन 5.15 रहा था। इसके बाद 4.10 लाख के साथ वॉर और 3.46 लाख के साथ टोह है। पठान के स्क्रीन काउंट की बात की जाए तो तरण आदर्श के अनुसार फिल्म को भारत में 5200 स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें हिंदी तमिल और तेलुगु स्क्रींस शामिल हैं. ओवरसीज की बात की जाए तो फिल्म को 2500 स्क्रीन मिली. इस हिसाब से देशभर में पठान का स्क्रीन काउंट 7700 है. बता दें फिल्म पठान शाहरुख खान की कमबैक मूवी है. लम्बे अंतराल के बाद वे एक बार फिर लीड एक्टर के तौर पर लौट रहे हैं. फिल्म में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी अहम रोल में हैं.

फिर विवादों में आई ड्रामा क्वीन राखी सावंत बच्चों को पैसे बांटती दिखी

मुंबई (ईएमएस)। ड्रामा क्वीन राखी सावंत किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहती है। राखी की तस्वीरें और वीडियोज अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं। हाल ही में राखी का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह बच्चों को पैसे बांटती हुई नजर आ रही है। वीडियो में राखी ने पिंक सूट पहना हुआ है। इस लुक में राखी काफी अच्छी लग रही है। राखी की मां जया भेड़ा अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत काफी नाजुक है। राखी हाल ही में मुंबई के एक एनजीओ में पहुंची जहां उन्होंने बच्चों के साथ अच्छा वक्त गुजारा। राखी ने बच्चों को 500-500 के नोट बांटे और अपनी मां के लिए दुआ करने के लिए कहा। बता दें राखी की मां को ब्रेन ट्यूमर है। उनकी मां कुछ सालों से बीमार हैं। राखी जैसे ही बिग बॉस मराठी सीजन 4 से बाहर आई तो उन्हें अपनी मां के बारे में पता चला। हाल ही में राखी को मुंबई की अंबोली पुलिस ने हिरासत में लिया था। महिला मॉडल की शिकायत के बाद पुलिस ने राखी से पूछताछ की और बाद छोड़ दिया।

शाहरुख ने सभी से किया आग्रह

अपनी फिल्म पठान को लेकर शाहरुख खान ने सभी से इस एक्शन-एंटरटेनर को सिनेमाघरों में देखने और पायरेसी से लड़ने का आग्रह किया है। शाहरुख ने ट्विटर का सहारा लिया जहां ट्वीट करके अभिनेता ने अपने प्रशंसकों के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा जैसा कि पठान भारत के लिए लड़ता है आप भी पाइरेसी से लड़ने के लिए हमारे फिल्म उद्योग के लिए एक सैनिक बन सकते हैं। पठान को 25 जनवरी से दुनिया भर में केवल सिनेमाघरों में देखें और पायरेसी को ना कहें। शक्ति आपके हाथों में है। पठान एक भारतीय जासूस की कहानी है। अभिनेता के लिए चार साल से अधिक के अंतराल के बाद यह फिल्म शाहरुख की तीन फिल्मों में से पहली है। इससे पहले उन्हें 2018 में आई फिल्म जीरो में देखा गया था जो बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी।

सूडोकु नवताल- 6324

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6323 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्दजाल - 7071

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	क्र	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो,राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान

शब्दजाल - 7070 का हल

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दा	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	वी	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6024

	4		5		1	
	34	2	36	6	28	1
4	2		1			
	33	4	34		31	6
1	6		7	3		
	28	3	32		33	7
	3		4		6	2

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6023 का हल

7	6	5	4	1	3	2
3	41	6	32	2	22	1
4	3	7	1	6	2	5
5	26	1	34	4	38	6
1	2	3	7	5	6	4
2	21	4	36	3	39	7
6	1	2	5	7	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

10 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचीं अजारेंका, सानिया-रोहन की जोड़ी भी अंतिम चार में

मेलबर्न ।

बेलारूस की स्टार खिलाड़ी विक्टोरिया अजारेंका ने जेसिका पेगुला को आसानी से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 10 साल के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। 33 साल की अजारेंका ने तीसरी वरीय पेगुला के खिलाफ मैच में सिर्फ पांच गेम गंवाए और मैच को 6-4, 6-1 से जीत लिया। दो बार की विजेता अजारेंका ने एक घंटे और 37 मिनट में जीत हासिल की। अजारेंका का सेमीफाइनल में मुकाबला एलिना रिबाकिना से होगा जिन्होंने येलेना ओस्टापेंको को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। इससे पहले अजारेंका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में 2013 में जगह बनाई थी जहां वह विजेता रही थीं। 2020 यूएस ओपन के बाद वह पहली बार यूएस ओपन के अंतिम चार में पहुंची हैं। वह ग्रैंडस्लैम में कुल नौवीं बार अंतिम चार में पहुंची हैं। जीत के बाद विक्टोरिया अजारेंका ने कहा सेमीफाइनल में पहुंचकर खुश हूं। मैंने मानसिक रूप से बहुत काम किया है। मैंने खुद को भी कई बार चुनौती दी है। मैं नई चीजें करने की कोशिश करती हूं।

लगातार दूसरी बार ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे खचानोव - रूस के टेनिस खिलाड़ी कारेन खचानोव ने पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। खचानोव का पुरुष एकल का क्वार्टर फाइनल मैच सबेस्टियन कोर्डा के खिलाफ था। कोर्डा को चोटिल होने के कारण मैच को तीसरे सेट में छोड़ना पड़ा और खचानोव अंतिम-चार में पहुंच गए। खचानोव लगातार दूसरी बार किसी ग्रैंडस्लैम के अंतिम चार में पहुंचे हैं। इससे पहले उनका सफर पिछले साल यूएस ओपन के सेमीफाइनल में समाप्त हुआ था। 18वें वरीय खचानोव मैच में 7-6(5), 6-3, 3-0 आगे चल रहे थे तब कोर्डा को दाएं कलाई की चोट के कारण यह मैच छोड़ना पड़ा। तीसरे दौर में अमेरिकी ओपन चैंपियन और दो बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन उपविजेता दानिल मेदवेदेव को हराने वाले कोर्डा को दूसरे सेट में चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी। खचानोव का अंतिम चार में सामना स्टेफानोस सितसिपास से होगा। कारेन खचानोव ने जीत के बाद कहा लगातार दूसरी बार ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचाना अच्छा है। इस तरह से मैच को खत्म करना कोई नहीं चाहेगा। कोर्डा ने मेरे एक दोस्त को भी हराया है।

चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के अंतिम चार में सितसिपास - तीसरे वरीय स्टेफानासे सितसिपास ने जिरी लेहका को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 (2), 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सितसिपास ने यह मैच दो घंटे और 17 मिनट में जीत लिया। मैच के बाद सितसिपास ने कहा कि तीन सेटों का यह मैच काफी मुश्किल था, लेकिन मैं जीत हासिल करने में सफल रहा। जिरी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। मैं उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हैं। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी सितसिपास चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इस जीत के साथ ही सितसिपास ने ग्रैंडस्लैम में अपना क्वार्टर फाइनल का रिकॉर्ड भी सुधार लिया। वह ग्रैंडस्लैम में छह क्वार्टर फाइनल में से एक भी नहीं हारे हैं।

सानिया और रोहन बोपन्ना की जोड़ी अंतिम चार में - सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की भारतीय जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मिश्रित युगल के अंतिम चार में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी को येलेना ओस्टापेंको और डेविड वेगा हर्नांडिज पर वॉकओवर मिला। सानिया और बोपन्ना की जोड़ी ने अभी तक मिश्रित युगल में एक भी सेट नहीं गंवाया है। बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की पुरुष युगल जोड़ी पहले दौर से बाहर हो गई थी। सानिया और कजाखस्तान की अन्ना दानिलिना की जोड़ी महिला युगल के दूसरे दौर में हार गई।

न्यूज ब्रीफ

अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा भारतः ग्रुप पॉइंट्स टेबल के टॉप पर, न्यूजीलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ हो सकता है मुकाबला

पोटचेफस्ट्रम। भारत ने विमेंस अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप के पहले एडिशन में सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। भारत अब सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड या इंग्लैंड से भिड़ेगा। भारत ग्रुप 1 में था। इसमें भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश थे। फॉर्मेट के अनुसार हर टीम को ग्रुप में 4 मैच खेलने थे। सभी टीमों ने ग्रुप में काम से काम 1 मुकाबला हारा है। टेबल में बांग्लादेश के अलावा सभी अपने ग्रुप के पूरे मैच खेल चुके हैं। भारत फिलहाल 6 पॉइंट्स के साथ क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं। अगर बांग्लादेश जीतता है तो उसके भी 6 पॉइंट्स हो जाएंगे। अगर उसका बेहतर रनरेट हुआ तो भी वो ऑस्ट्रेलिया को बाहर करेगा न कि भारत को। ऐसा हो सकता है कि भारत पहले से दूसरे पायदान पर आ जाए। इस स्थिति में भी भारत का सेमीफाइनल खेलना तय है। मेजबान साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल के पास जाकर भी उससे दूर हो गया। साउथ अफ्रीका के भी पॉइंट्स टेबल में 6 पॉइंट हैं, लेकिन उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए श्रीलंका को बड़े अंतर से हराना था। मैच में उसे 1 रन से जीत मिली। ग्रुप 2 में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। ग्रुप में न्यूजीलैंड अपने सभी मैच जीत कर 8 अंक के साथ टॉप पर है। वहीं इंग्लैंड ने भी अब तक अपने सारे मैच जीते हैं। उसके 6 अंक हैं। इंग्लैंड का आखिरी मुकाबला वेस्टइंडीज से है। अगर इंग्लैंड जीता तो पॉइंट्स टेबल में वो न्यूजीलैंड के ऊपर आ जाएगा।

5 फरवरी को दिल्ली से होगी हिंदआयन शुरूः टूर डी फ्रांस की तर्ज पर भारत में हो रही मल्टी स्टेज साइकिलिंग रेस, 19 फरवरी को पुणे मे होगी खत्म

नई दिल्ली । टूर डी फ्रांस की तर्ज पर भारत की पहली मल्टी स्टेज साइकिलिंग रेस हिंदआयन के लिए आवेदन शुरू हो चुके है। हालही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने आधिकारिक आवास वर्षा में इसकी वेबसाइट को लॉन्च किया। यह देश में अपनी तरह की पहली साइकिलिंग रेस होगी। इसका पहला संस्करण 5 फरवरी को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नई दिल्ली से शुरू होगा और आगरा, जयपुर, उदयपुर, अहमदाबाद, सूरत, ठाणे, मुंबई से होते हुए 19 फरवरी को पुणे के फोर्ट सिंहगढ़ में इसका समापन होगा। आयोजकों ने बताया कि वर्तमान में भारत में लंबी दूरी की साइकिल दौड़ नहीं होती है, इसलिए अधिकांश पेशेवर साइकिल चालकों, ओलंपिक टीम के सदस्यों, राष्ट्रीय साइकिलिंग टीम और सशस्त्र बलों के साहसिक प्रकोष्ठों को ऐसी साइकिल रेस में भाग लेने के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जाना पड़ता है, जो लंबी दूरी की साइकिल दौड़ होमी है। इसलिए साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा देने और हमारी साइकिलिंग टीमों को बाहर अभ्यास करने का अवसर देने के लिए आत्मानिर्भर भारत के तहत एक वार्षिक मल्टी स्टेज साइकिलिंग रेस हिंदयान की शुरुआत की गई है।

मैनचेस्टर सिटी ने अर्जेंटीना के 20 वर्षीय मिडफील्डर मैक्सिमो पेरोन को टीम में किया शामिल

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग की दिग्गज मैनचेस्टर सिटी ने अर्जेंटीना के 20 वर्षीय मिडफील्डर मैक्सिमो पेरोन

को खरीदकर लैटिन अमेरिकी प्रतिभाओं को साइन करने की अपनी नीति जारी रखी है। पेरोन ने सिटी के साथ जून 2028 तक लगभग 8 मिलियन पाउंड (लगभग 10 मिलियन डॉलर) के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। वह जूलियन अल्वारेज के नक्शेकदम पर चलते हैं, जो जनवरी 2022 में रिवर प्लेट से जुड़े थे और तब से अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के साथ विश्व कप विजेता बने हैं। मैनचेस्टर सिटी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, 2022 विश्व कप विजेता जूलियन अल्वारेज के नक्शेकदम पर चलते हुए पेरोन अर्जेंटीना के क्लब में शामिल होने वालों की लंबी कतार में नवीनतम बन गए हैं।

पहलवान बोले- कमेटी के नाम तय करने से पहले पूछा तक नहीं, सरकार ने कहा- तीन नाम आपके सुझाए हुए

नई दिल्ली ।

खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ और उसके अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के धरने के बाद एक ओवरसाइट समिति बनाई है। यह समिति कुश्ती महासंघ के कामकाज को देखेगी। वहीं, अब इस समिति को लेकर भी पहलवान विरोध जता रहे हैं। उनका कहना है कि समिति के गठन को लेकर उनके साथ छल किया गया है। ओलंपियन पहलवान साक्षी मलिक-विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने ट्वीट करके अपना विरोध जताया है।

क्या लिखा ट्वीट में

ट्वीट में इन पहलवानों ने लिखा कि हमें आश्वासन दिया गया था कि ओवरसाइट कमेटी के गठन से पहले हमसे सलाह ली जाएगी, लेकिन बड़े दुख की बात है कि इस समिति के गठन से पहले हमसे सलाह तक नहीं ली गई। इस ट्वीट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को टैग भी किया है। वहीं, खेल मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि ओवरसाइट कमेटी में 5 में से 3 नाम इन विरोध करने वाले पहलवानों द्वारा सुझाए गए थे, लेकिन अब उनका दावा है कि उनसे सलाह नहीं ली गई।

समिति में यह सदस्य हैं शामिल

गौरतलब है कि जो ओवरसाइट समिति बनी है उसकी प्रमुख विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी कॉम होंगी। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस समिति के गठन के बाद कहा था कि डब्लूएफआई के अध्यक्ष अपने पद पर काम नहीं करेंगे। हम विश्व चैंपियन मैरी कॉम की अध्यक्षता में ओवरसाइट कमेटी बना रहे हैं। ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त, द्रोणाचार्य पुरस्कृत तृप्ति मुरगुंडे, राजगोपालन, राधा श्रीमन इसके सदस्य होंगे।

क्या है पूरा मामला

भारत के 30 से ज्यादा पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर में भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरना शुरू किया था और उन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, बृजभूषण ने इस आरोपों को सिरे से खारिज किया और पहलवानों पर आरोप लगा दिए। बृजभूषण के आरोपों का पहलवानों पर कोई असर नहीं पड़ा और प्रदर्शन जारी रहा। इस बीच खेल मंत्रालय और कुश्ती संघ ने बातचीत के जरिए मामला सुलझाने की कोशिश की, लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रहीं। पहलवान अपनी मांग पर अड़े रहे। अंत में पहलवानों के सामने बृजभूषण के दांव पेंच कमजोर पड़ गए और उन्हें कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद से अस्थायी रूप से हटा दिया गया। प्रदर्शन तीन दिन तक चला शुक्रवार रात पहलवानों ने खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ बात की और बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद से अस्थायी रूप से हटा दिया गया और उनके ऊपर लगे आरोपों की जांच के लिए समिति बना दी गई।

पहले से ही एक्शन में है खेल मंत्रालय

उसके बाद खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ के सहायक सचिव विनोद तोमर को शनिवार (21 जनवरी) को सस्पेंड कर दिया। विनोद तोमर ने उसी दिन सुबह में में कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के पक्ष में बयान दिया था। विनोद तोमर का मानना है कि बृजभूषण शरण सिंह ने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने कहा था, आरोप निराधार हैं। ऐसा कुछ नहीं है। तीन-चार दिन हो गए हैं और उन्होंने अभी तक कोई सबूत पेश नहीं किया है। मैं पिछले 12 सालों से उनके साथ जुड़ा हुआ हूं और मैंने ऐसा कुछ नहीं देखा।

न्यूजीलैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया लगातार 12वीं बार सेमीफाइनल में, बेल्जियम भी अंतिम चार में पहुंचा

भुवनेश्वर ।

मौजूदा चैंपियन बेल्जियम और तीन बार के विजेता ऑस्ट्रेलिया ने हॉकी विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड और बेल्जियम ने स्पेन को हराया। ऑस्ट्रेलिया ने जहां जेरेमी हेवार्ड के पेनल्टी कार्नर पर किए गए दो गोल की मदद से स्पेन पर 4-3 से करीबी जीत दर्ज की वहीं बेल्जियम ने न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया। न्यूजीलैंड ने क्रॉस ओवर मैच में भारत को पराजित किया था।

ऑस्ट्रेलिया विश्वकप में लगातार 12वीं बार सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहा। ऑस्ट्रेलिया ने 1986, 2010 और 2014 में विश्वकप जीता। उसने 1978 के बाद प्रत्येक विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। स्पेन के कप्तान मार्क मिरालेस ने क्वार्टर फाइनल में बड़ी गलती की जिससे टीम का आगे बढ़ने का सपना चकनाचूर हो गया। वह अंतिम हूटर बजने से चार मिनट पहले पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में नहीं बदल पाए। उस समय स्पेन 3-4 से पीछे चल रहा था। यदि वह पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल देते तो मैच पेनल्टी शूटआउट तक खिंच सकता था। ऑस्ट्रेलिया शुक्रवार को होने वाले सेमीफाइनल में नीदरलैंड और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगा। ऑस्ट्रेलिया 2018 में सेमीफाइनल में नीदरलैंड से पेनल्टी शूटआउट में हार गया था। हेवार्ड ने 33वें और 37वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला। उनके अलावा ऑस्ट्रेलिया की तरफ से फ्लिन ओगिलवी (30वें) और कप्तान अरन जालेवस्की (32वें) ने मैदानी गोल किए। स्पेन के लिए ज़ेवियर गिस्पर्ट (20वें), मार्क रिकसेन्स (24वें) और मार्क मिरालेस (41वें) ने गोल किए। स्पेन पिछली बार 13वें स्थान पर रहा था। स्पेन ने अच्छी शुरुआत की तथा दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट तक वह 2-0 से आगे चल रहा था। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि इसके बाद शानदार वापसी की। उसने आठ मिनट के अंदर चार गोल करके स्पेन को स्तब्ध कर दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में तीन जबकि स्पेन ने एक गोल किया। बेल्जियम को क्वार्टर फाइनल मैच से ठीक पहले एक करारा झटका लगा जब उसके स्टार पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स घुटने की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वह 20 जनवरी को जापान के खिलाफ पूल बी के मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेल सकते हैं बुमराहः कप्तान रोहित शर्मा ने कहा - उम्मीद करता हूं की बुमराह सीरीज में वापसी करें

मुंबई ।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा उम्मीद कर रहे है की जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के आखिरी दो टेस्ट मैचों में वापसी कर सकते हैं। बुमराह पहले दो टेस्ट के लिए टीम में नहीं हैं, लेकिन, हाल ही में बुमराह ने प्रैक्टिस फिर चालू कर दी है। वे नेशनल क्रिकेट अकादमी के नेट्स में गेंदबाजी कर रहे है। उनकी वापसी की उम्मीद जताई जा रही है।

इस समय कुछ पक्का नहीं - रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने के बाद कहा, हम इस समय बुमराह के लिए निश्चित नहीं हैं। मैं उम्मीद कर रहा हूं की वे आखिरी दो टेस्ट खेलेंगे। इस समय टीम मैनेजमेंट किसी भी प्रकार का रिस्क नहीं लेना चाहता, क्योंकि इसके बाद भी हमे कई बड़े मैच और टूर्नामेंट खेलना है। इस समय हम नेशनल क्रिकेट अकादमी के टच में हैं। मेडिकल टीम बुमराह को रिकवर होने का पूरा समय देगी।

श्रीलंका के खिलाफ स्क्वाड में नाम लेकिन खेले नहीं

जसप्रीत बुमराह इसी महीने श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में वापसी करने वाले थे। स्क्वाड में उनका नाम भी था, लेकिन वे सीरीज का हिस्सा

नहीं बन पाए थे। बयान के मुताबिक पूरी तरह फिट होने के लिए बुमराह को थोड़े और समय की जरूरत थी, इसलिए उन्हें एहतियातन बाहर किया गया था।

एशिया कप और टी-20 वर्ल्ड कप भी नहीं खेला

बुमराह पिछले साल अगस्त-सितंबर में साउथ अफ्रीका सीरीज से ठीक पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान चोटिल हो गए थे। इस चोट के कारण उन्हें एशिया कप और टी-20 वर्ल्ड कप छोड़ना पड़ा था। बुमराह ने 25 सितंबर 2022 को आखिरी मैच खेला था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होम सीरीज में वापसी की थी।

वे पहला मैच नहीं खेले और उसके बाद वह दूसरे और तीसरे मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे। हालांकि उसके बाद फिर से चोटिल हो कर बाहर हो गए।

विमेंस आईपीएल के 5 टीमों के नामों की घोषणा: अडाणी सहित 17 कंपनियां लगाएंगी दांव; मेंस आईपीएल की सात टीमें भी होड़ में

मुंबई ।

विमेंस आईपीएल के 5 टीमों के मालिक कौन होंगे, उसका फैसला ऑक्शन के बाद हो जाएगा। इस ऑक्शन से भारतीय क्रिकेट बोर्ड को 4 हजार करोड़ रुपए तक मिल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक टीम 500 से 600 करोड़ रुपए तक में बिक सकती है। बोली 800 करोड़ रुपए के ऊपर भी जा सकती है।

ये बड़े ग्रुप मैदान में - विमेंस आईपीएल में टीम खरीदने के लिए 17 कंपनियां दांव लगा रही हैं। हालांकि 30 से ज्यादा कंपनियों ने टेंडर खरीदे थे। विमेंस की टीमों को खरीदने के लिए पुरुष आईपीएल की 7 टीमों मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स ने भी रुचि दिखाई है। इनके अलावा देश के बड़े औद्योगिक घराने अडाणी ग्रुप, कैप्री ग्लोबल, हल्दीराम ग्रुप, टोरेंट फार्मा, अपोलो पाइप्स, अमृतलीला इंटरप्राइजेस, श्रीराम ग्रुप और स्लिंगशॉट 369 वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड भी आईपीएल टीमों की नीलामी में हिस्सा ले रहे हैं। बोर्ड ने हाल ही में विमेंस आईपीएल के 5 साल के मीडिया राइट्स 951 करोड़ रुपए में बेचे हैं। यानी एक मैच 7 करोड़ रुपए का होगा। बोर्ड पहले पांच साल तक मीडिया राइट्स से हुई कमाई का 80प्रतिशत हिस्सा टीमों में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। इसके बाद 5 साल 60प्रतिशत और उसके बाद 50प्रतिशत हिस्सा टीमों के खाते में जाएगा। इसके अलावा, फ्रेंचाइजी को सेंट्रल लाइसेंसिंग राइट्स से प्राप्त राशि का 80 फीसदी भी मिलेगा। बाकी का रेवेन्यू स्पॉसरर्स, सेल्स और टिकट से मिलेगा। विमेंस आईपीएल का पहला सीजन इस साल मार्च में खेला जाएगा। 5 टीमों के बीच कुल 22 मैच मुंबई के डीवाय पाटील और ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही होंगे। वानखेड़े स्टेडियम को पुरुष आईपीएल के लिए तैयार किया जाएगा। अब तक विमेंस टी-20 चैलेंज आयोजित करता रहा था। इसके मुकाबले पुरुष आईपीएल सीजन के बीच में होते थे। एक महिला आईपीएल टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। 25 जनवरी को 5 टीमों के नाम सामने के बाद ऑक्शन होगा।

एक टीम में खेलेंगी 5 विदेशी प्लेयर - महिला आईपीएल की एक टीम में 5 विदेशी खिलाड़ी खेल सकेंगी। टेस्ट प्लेइंग देशों से 4 और एक खिलाड़ी असोसिएट देश से रखना होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 6 रिकॉर्ड टूटे

गिल ने इमाम उल हक को पीछे छोड़ा, टीम इंडिया ने एक वनडे में सबसे ज्यादा 19 छक्के लगाए

इंदौर ।

टीम इंडिया ने तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 90 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। इंदौर के होलकर स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारतीय ओपनर शुभमन गिल, कप्तान रोहित शर्मा और पूरी टीम ने एक से बढ़कर एक 6 बड़े रिकॉर्ड बनाए। गिल तो लगता है कि पाकिस्तान बल्लेबाजों के पीछे ही पड़ गए हैं। ऐसा हम क्यों कह रहे हैं यह आप स्टोरी में आगे अच्छी तरह से जान लेंगे। तो चलिए अब आंकड़ेबाजी का आनंद उठाते हैं।

1. शुरुआती 21 पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने गिल

भारत के 23 वर्षीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल वनडे क्रिकेट में शुरुआती 21 पारियों के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने अब तक 21 वनडे खेले और 21 पारियों में 73.76 की औसत से 1,254 रन बना लिए हैं। गिल से पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के इमाम उल हक के नाम था। इमाम ने अपने करियर की पहली 21 पारियों में 60.56 की औसत से 1,090 रन बनाए थे।

इतना ही नहीं 22, 23 और 24 पारियों के बाद भी गिल का सबसे ज्यादा रन बनाने वाला बल्लेबाज बनना तय हो गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि 24 पारियों बाद सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड 1,194 रन (जोनाथन ट्रॉट, इंग्लैंड) का है। गिल इससे ज्यादा रन अभी बना चुके हैं। 25 पारियों वाला रिकॉर्ड बाबर आजम के नाम है। बाबर ने अपनी पहली 25 पारियों में 1,306 रन बनाए थे। यानी गिल अगली तीन पारियों में 53 रन बना लेते हैं तो बाबर का भी रिकॉर्ड टूटना पक्का हो जाएगा।

2. बाबर के 7 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की

गिल ने इस शानदार शतकीय पारी की मदद से बाबर आजम के सात साल पुराने एक रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली है। यह रिकॉर्ड है तीन वनडे मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का। बाबर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2016 में तीन वनडे मैचों की सीरीज में 360 रन बनाए थे। गिल ने भी न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 360 रन ही बनाए हैं।

3. न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा स्कोर

टीम इंडिया इस मैच में अगर 8 रन और बनाती तो वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में अपना सबसे बड़ा स्कोर बना लेती। भारत ने 2009 में क्राइस्टचर्च वनडे में कीवी टीम के खिलाफ 392/4 का स्कोर बनाया था।

4. कीवियों के खिलाफ सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप

रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनर शिप का रिकॉर्ड बना दिया। इन दोनों ने पहले विकेट की साझेदारी में 212 रन जोड़े। पिछला रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर के नाम था। इन दोनों ने 2009 में हैमिल्टन में 201 रन की पार्टनरशिप की थी।

5. भारत की ओर से एक वनडे में सबसे ज्यादा छक्के

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में भारत के सभी बल्लेबाजों ने मिलकर 19 छक्के जमाए। यह किसी वनडे मैच में सबसे ज्यादा सिक्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी है। भारतीय टीम ने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में भी 19 छक्के जमाए थे। तब 16 छक्के अकेले रोहित शर्मा ने जड़े थे।

6. सचिन और विराट के बाद रोहित

रोहित शर्मा ने वनडे करियर की 30वीं सेंचुरी जमाई है। इसके साथ ही उन्होंने रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली है। उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ही मौजूद हैं।

वसंत पंचमी पर्व की जन्म-कथा

माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को देवी मां सरस्वती का प्राकट्य दिवस मनाया जाता है। 26 जनवरी, गुरुवार को ये तिथि पड़ रही है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माघ मास के गुप्त नवरात्र के दौरान इस दिन देवी सरस्वती प्रकट हुईं। तब देवताओं ने उनकी स्तुति की। स्तुति से वेदों की ऋचाएं बनीं और उनसे वसंत राग बना। फिर सृष्टि में पेड़-पौधे और जीव बनें। इसके बाद उत्सव शुरू हुआ। इसलिए इस दिन को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है।

सरस्वती पूजा का महत्व

नवरात्रि में जिस तरह देवी पूजा होती है ठीक उसी तरह इस दिन सभी शिक्षण संस्थानों में सरस्वती पूजा एवं अर्चना की जाती है। सरस्वती माता, कला की भी देवी मानी जाती हैं अत: कला क्षेत्र से जुड़े लोग व विद्यार्थी सरस्वती माता के साथ-साथ पुस्तक, कलम की पूजा करते हैं। संगीतकार इस दिन वाद्य यंत्रों की, चित्रकार अपनी तूलिका और रंगों की पूजा करते हैं।

पृथ्वी पर ऐसे प्रकट हुईं ज्ञान की देवी

मान्यता है कि सृष्टि की रचना के समय ब्रह्माजी ने अपने कमंडल से जल छिड़का, जिससे पृथ्वी पर छह भुजाओं वाली शक्ति रूप स्त्री प्रकट हुईं, जिनके हाथों में पुस्तक, पुष्प, कमंडल, वीणा और माला थी। जैसे ही देवी ने वीणा वादन किया, चारों ओर वेद मंत्र गूंज उठे। ऋषि-मुनि आनंदित हो उठे और वसंत पंचमी उत्सव शुरू हुआ।

वसंत राग से है इस पर्व का संबंध

संगीत दामोदर ग्रंथ के अनुसार वसंत राग श्री पंचमी से प्रारंभ होकर हरिशयनी एकादशी तक गाया जाता है। श्री पंचमी से वसंत राग के गायन की शुरुआत होती थी। इस कारण लोक में धीरे-धीरे यह तिथि वसंत पंचमी के नाम से विख्यात हो गई। एक माह बाद आने वाली वसंत ऋतु में फसलें पकने लगती हैं, फूलों का सौंदर्य पृथ्वी की सुंदरता बढ़ाता है इसलिए ऊर्जा के परिचायक पीले रंग की प्रधानता वसंत पंचमी पर्व से शुरू हो जाती है।

श्री पंचमी और वागीश्वरी जयंती भी कहते हैं

शास्त्रों में इस पर्व का उल्लेख श्री पंचमी एवं वागीश्वरी जयंती के रूप में भी प्राप्त होता है। जनमानस में धारणा व्याप्त है कि वसंत पंचमी से वसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जबकि जब मीन एवं मेष राशि में सूर्य रहते हैं तब वसंत पंचमी के एक माह बाद वसंत ऋतु आती है। वसंत पंचमी पर्व पर पीले रंग के कपड़े पहनने और पीला भोजन करने का महत्व होता है।

पीले फूलों से होती है देवी की पूजा

1. सबसे पहले सरस्वती माता की प्रतिमा अथवा तस्वीर, पूजा घर में रखें। इसके बाद कलश स्थापित करके गणेश जी तथा नवग्रह की विधिवत पूजा कर माता सरस्वती की पूजा करें।

हर साल 26 जनवरी को ही क्यों मनाया जाता है

गणतंत्र दिवस

देश इस साल अपना 74वां गणतंत्र दिवस मनाने वाला है। 26 जनवरी का दिन हर भारतीय के लिए बेहद खास होता है। यह दिन भारतीय नागरिकों की लोकतांत्रिक रूप से अपनी सरकार चुनने की शक्ति को दर्शाता है। भारत के इतिहास में यह दिन कई तरह से महत्वपूर्ण है। यही वजह है कि इस दिन को पूरे देश में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस राष्ट्रीय त्योहार की अपनी अलग खासियत है, जिसके चलते लोग इसे धूमधाम से सेलिब्रेट करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को ही क्यों मनाया जाता है। अगर आपके मन में भी यह सवाल उठ रहा है, तो आज हम आपको बताएंगे गणतंत्र दिवस के इतिहास और इसके महत्व के बारे में- दरअसल, हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन पूरे देश में संविधान लागू किया गया है। 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने के साथ ही भारत को पूर्ण गणराज्य घोषित किया गया था। यही वजह है कि हर साल इस खास दिन की याद में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। साल 1947 में भारत को मिली आजादी के बाद इसे लोकतांत्रिक बनाने के मकसद से देश का संविधान बनाना शुरू किया गया। 2 साल 11 महीने और 18 दिन में बनकर तैयार हुए भारत के संविधान को 26 नवंबर, 1949 में देश की संविधान सभा ने स्वीकार किया। इसके बाद अगले ही साल 26 जनवरी, 1950 को पूरे देश में यह संविधान लागू किया गया था। 26 नवंबर को स्वीकार किए गए भारत के संविधान को लागू करने के लिए 26 जनवरी का दिन ही क्यों चुना गया, यह सवाल लगभग हर भारतीय के मन में आता होगा। संविधान लागू करने के लिए इस तारीख को चुनने का भी एक खास मकसद था। दरअसल, 26 जनवरी 1930 को अंग्रेजों की गुलामी के खिलाफ कांग्रेस ने भारत को पूर्ण स्वतंत्र घोषित किया था। ऐसे में पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव लागू होने की इस तिथि के महत्व को ध्यान में रखते हुए संविधान लागू करने के लिए 26 जनवरी का दिन चुना गया था। 1950 में इसी दिन संविधान लागू करने के साथ ही देश को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया और तब से लेकर अब तक हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। अंग्रेजों से मिली आजादी के बाद देश के लिए एक संविधान की जरूरत महसूस हुई। ऐसे में इसे बनाने के लिए एक संविधान सभा का गठन हुआ था। इस सभा ने 9 दिसंबर, 1946 से संविधान बनाने का काम शुरू किया। भारत की इस संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे। जबकि संविधान की ड्राफ्टिंग समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे। डॉ. अंबेडकर ने भारत के संविधान को बनाने में एक अहम भूमिका निभाई थी, जिसकी वजह से उन्हें संविधान निर्माता भी कहा जाता है। भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसे बनाने में पूरे 2 साल, 11 माह, 18 दिन लगे थे। इसके बाद 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद को देश का संविधान सौंपा था। यही वजह है कि हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गणतंत्र दिवस पर जानिए संविधान की 7 खास बातें

संविधान सभा की प्रथम बैठक सोमवार 9 दिसंबर 1946 को प्रात: 11 बजे शुरू हुई। इसमें 210 सदस्य उपस्थित थे। 11 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की बैठक में डॉ. राजेंद्रप्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना गया, जो अंत तक इस पद पर बने रहे। 13 दिसंबर 1946 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संविधान का उद्देश्य प्रस्ताव सभा में प्रस्तुत किया, जो 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। इसकी मुख्य बातें इस प्रकार हैं-

1. भारत एक पूर्ण संप्रभुता संपन्न गणराज्य होगा, जो स्वयं अपना संविधान बनाएगा।
2. भारत संघ में ऐसे सभी क्षेत्र शामिल होंगे, जो इस समय ब्रिटिश भारत में हैं या देशी रियासतों में हैं या इन दोनों से बाहर, ऐसे क्षेत्र हैं, जो प्रभुतासंपन्न भारत संघ में शामिल होना चाहते हैं।
3. भारतीय संघ तथा उसकी इकाइयों में समस्त राजशक्ति का मूल स्रोत स्वयं जनता होगी।
4. भारत के नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, पद, अवसर और कानूनों की समानता, विचार, भाषण, विश्वास, व्यवसाय, संघ निर्माण और कार्य की स्वतंत्रता, कानून तथा सार्वजनिक नैतिकता के अधीन प्राप्त होगी।
5. अल्पसंख्यक वर्ग, पिछड़ी जातियों और कबायली जातियों के हितों की रक्षा की समुचित व्यवस्था की जाएगी।
6. अवशिष्ट शक्तियां इकाइयों के पास रहेंगी।
7. 26 जनवरी 1950 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 21 तोपों की सलामी के बाद भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को फहराकर भारतीय गणतंत्र के ऐतिहासिक जन्म की घोषणा की थी। अंग्रेजों के शासनकाल से छुटकारा पाने के 894 दिन बाद हमारा देश स्वतंत्र राज्य बना। तब से आज तक हर वर्ष समूचे राष्ट्र में गणतंत्र दिवस गर्व और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

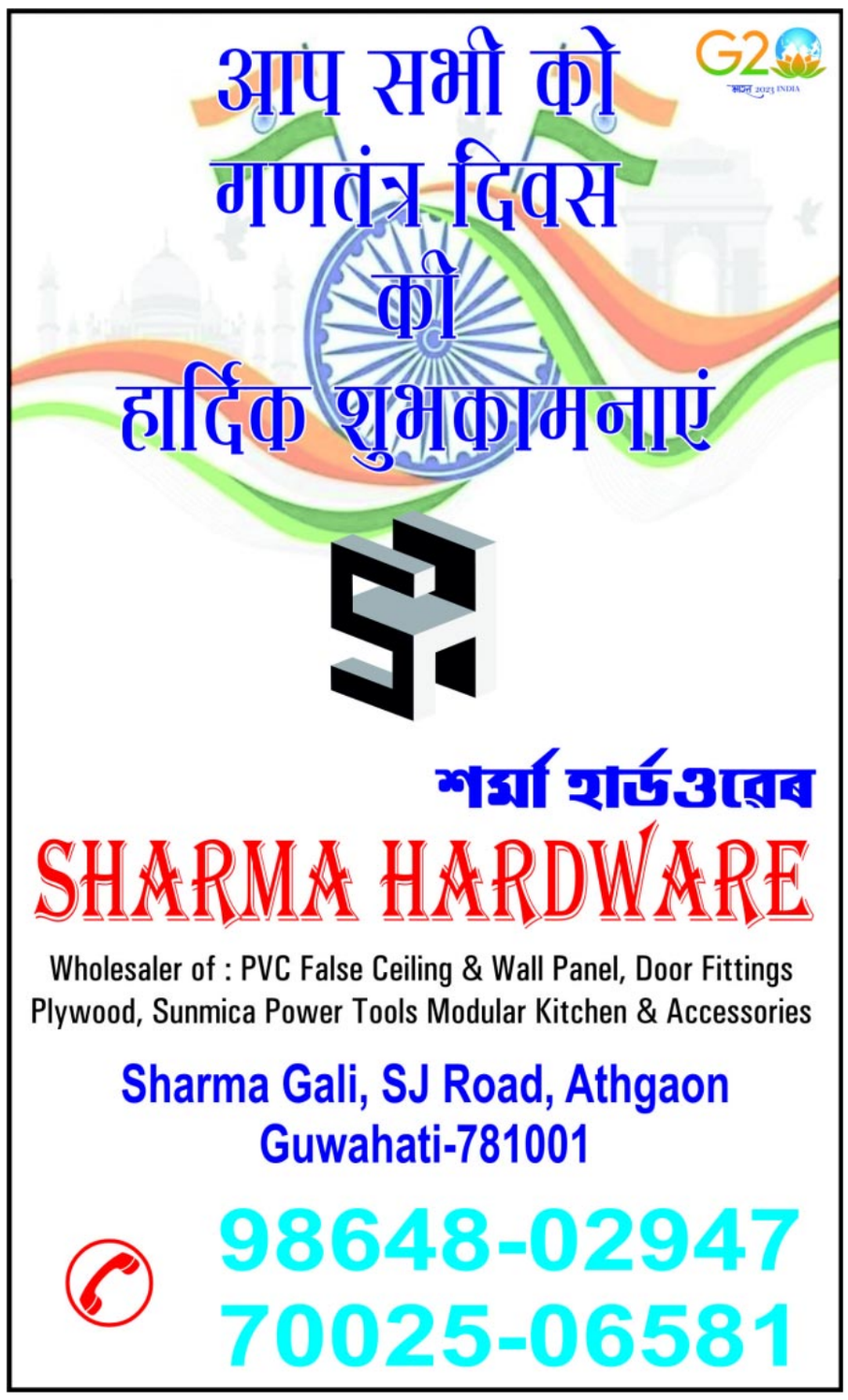

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**